दैनिक

जयपुर टाइम्स

नई सोच नई रफ्तार

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

n वर्ष : 10 अंक :327

जयपुर, सोमवार 22 दिसम्बर, 2025

■ RNI.No.RAJHIN/2016/70162

मूल्य : 1.50 रुपए पृष्ठ : 8+st

माटी की बेटियां जब खड़ी होती हैं तो नया इतिहास बन जाता है : भजनलाल शर्मा

ओट्स में लखपति दीदी सम्मेलन में मुख्यमंत्री ने महिलाओं से कहा आगे बढ़ो सरकार तुम्हारे साथ है, सम्मेलन में उपमुख्यमंत्री दिया, कुमारी कृषि मंत्री किरोड़ी मीणा ,मुख्य सचिव श्रीनिवास भी रहे मौजूद

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को ओट्स में लखपति दीदी सम्मेलन में महिलाओं में जोरदार जोश भरा और कहा कि महिलाएं पुरुषों की तुलना में ज्यादा कार्य और ज्यादा मेहनत करती हैं महिलाएं एक समय में चार कार्य करती हैं इसलिए विकसित राजस्थान की परिकल्पना तभी साकार हो सकती है जब महिलाएं इसमें सशक्त भागीदारी निभाएं उन्होंने प्रदेश भर की महिलाओं से आवाहन किया कि वे और मजबूती और मजबूत इरादे के साथ आगे आए सरकार उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है उन्होंने कहा कि महिलाओं में जो प्रतिभा और जो कार्य करने की शक्ति है वह पुरुषों से ज्यादा है और जब माटी की बेटियां खड़ी होती हैं तो वहां अपने आप ही नया इतिहास खड़ा हो जाता है उन्होंने कहा कि राजीविका कार्यक्रम से महिलाएं कोई 20000 कोई 30000 कोई 25000 कमा रही है और कई महिलाएं लखपति से से भी आगे बढ़ रही हैं मुख्यमंत्री ने इस बात की खुशी प्रकट की कि प्रदेश में महिलाएं स्वावलंबन और आत्मनिर्भर की ओर तेजीसे आगे बढ़ रही हैं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कार्यक्रम में कहा कि 2 दिन पहले उन्होंने धौलपुर में इसी तरह के कार्यक्रम में राजीव को से कार्यक्रम में कहा कि 2 दिन पहले उन्होंने धौलपुर में इसी तरह के कार्यक्रम में महिलाओं से संवाद किया था जिसमें महिलाओं ने अपने-अपने अनुभव उन्हें बताएं और कहा कि शुरू में राजीविका कार्यक्रम से जुड़ने में उन्हें कितनी परेशानी और चुनौतियों का सामना करना पड़ा मुख्यमंत्री शर्मा ने बताया कि एक महिला ने उन्हें यह बताया कि शुरू में जब वह इस कार्यक्रम के तहत घर से निकलती थी तो उसके साथ पति और अन्य परिजन टोका टाकी करते थे और कई तरह के सवाल पूछते थे लेकिन आज उनकी सास का उनके प्रति नजरिया बदल गया है और जब वह घर से काम के लिए निकलती है तो मेरे पति को कहती है कि सम्मान के साथ इन्हें कम पर छोड़ कर आओ और सम्मान के साथ इन्हें कम से घर लेकर आओ मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि महिलाओं ने उन्हें यह भी बताया कि पहले उन्हें अपनी छोटी-छोटी जरूरत के लिए सास ससुर और पति की तरफ देखना पड़ता था लेकिन आज जब वह काम करके घर लौटती हैं तो सबके लिए कुछ ना कुछ गिफ्ट या अन्य वस्तुएं लेकर आती हैं तो सब खुशी खुशी उनके घर आने का इंतजार करते रहते हैं मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि महिलाओं के प्रति यह जो नजरिया समाज का बदला है इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उसे नीति और नियत का परिणाम है जिसमें पीएम मोदी यह चाहते हैं कि देश की प्रत्येक महिला शिक्षित हो स्वावलंबन हो और आत्मनिर्भर हो इसीलिए हमारी सरकार महिलाओं को स्वावलंबन और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में तेजी से कार्य कर रही है कई तरह के नए निर्णय लिए हैं नए फैसले लिए हैं जिसका महिलाएं फायदा उठा रही हैं जिसकी वजह से परिवार समाज रिश्तेदारों में महिलाओं के मान सम्मान में बढ़ोतरी हुई है और महिलाओं के आर्थिक रूप से मजबूत होने से परिवार को भी संबल मिला है और राजस्थान के विकास को भी गति मिली है ।

महिलाओं के हाथों में खुरपी नहीं अब लैपटॉप

: मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने महिलाओं से आग्रह किया कि वह कार्य और रोजगार करने के साथ-साथ शिक्षा भी हासिल करें शिक्षा हासिल करने की कोई उम्र नहीं होती है शिक्षा किसी भी उम्र में हासिल की जा सकती है और व्यक्ति की शिक्षा कभी कंप्लीट भी नहीं होती इसलिए रोजगार और घर के कामकाज के साथ-साथ शिक्षा के प्रति भी जागरूक रहे उन्होंने कहा कि सरकार ने महिलाओं के कल्याण और विकास के लिए तथा महिलाओं को आत्मनिर्भर और स्वावलंबन बनाने के लिए राजीविका और कई अन्य तरह के कार्यक्रम संचालित किए हुए हैं जिनके माध्यम से महिलाएं खुद को साबित कर रही हैं और अब तो महिलाओं के हाथों में खुरपी की जगह लैपटॉप भी नजर आ रहे हैं इसलिए उन्होंने महिलाओं से शिक्षा के प्रति जागरूक रहने के लिए भी कहा ।

महिलाओं के धैर्य और शक्ति के आगे पुरुष कुछ भी नहीं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पुरुष की तुलना में महिलाएं शारीरिक और मानसिक रूप से ज्यादा मजबूत होती है उन्होंने कहा कि पुरुष जब दिन में काम करके घर लौटता है तो वह घर लौट के बाद तुरंत पलंग पर बैठकर अपनी पत्नी और माता से चाय नाश्ता इत्यादिकी फरमाइश कर देता है लेकिन जब कोई महिला दिन में काम करके घर लौटी है तो वह घर लौट के बाद फिर से घर के कार्य में जुट जाती है उन्होंने कहा कि यही महिला का सबसे बड़ा गुण और सबसे बड़ा धैर्य है कि वह अपनी परेशानी अपना दुख छोड़कर परिवार के बारे में ज्यादा सोचती है इसलिए महिलाओं की अपार महिमा है यही वजह है कि महिलाओं को मां सरस्वती मां लक्ष्मी और मां दुर्गा का स्वरूप माना जाता है ।

पीएम नरेंद्र मोदी की नीतियों और प्रयासों से राजस्थान ही नहीं बल्कि पूरे देश में महिलाएं हो रही सशक्त स्वस्थ और आत्मनिर्भर

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने लखपति दीदी प्रदेश स्तरीय संवाद कार्यक्रम में अपने भाषण में कहा कि आज राजस्थान ही नहीं बल्कि पूरे देश में महिलाएं सशक्त स्वस्थ और स्वावलंबन बन रही हैं उन्होंने कहा कि आज हर जगह महिलाओं की प्रमुख भूमिका है चाहे परिवार की रसोई हो ऑफिस हो खेत हो अंतरिक्ष हो खेल मैदान हो और चाहे कोई सा भी क्षेत्र हो हर क्षेत्र में महिलाएं तेजी से आगे बढ़ रही हैं उन्होंने कहा कि अब तो विधानसभा लोकसभा और राज्यसभा में भी महिलाओं की भागीदारी और बढ़ा दी गई है यह सब क्रांतिकारी बदलाव हुआ है यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीति और नियत की वजह से हुआ है उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महिलाओं के कल्याण और विकास के लिए सिर्फ चिंता ही नहीं करते बल्कि योजनाएं बनाकर उनका विकास कर रहे हैं इसीलिए इतना बड़ा बदलाव महिलाओं को लेकर देश में हो रहा है दिया कुमारी ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रशंसा करते हुए कहा कि पिछले दिनों धौलपुर में आयोजित हुए महिला सम्मेलन में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जब महिलाओं से संवाद किया तो बहुत सी महिलाओं ने अपने अनुभव मुख्यमंत्री जी को बताएं जिन्हें सुनकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहां की वे प्रदेश भर की लखपति दीदी और महिलाओं से बातचीत करके उनके सुख-दुख जानना चाहते हैं उनकी तकलीफ और उनकी पीड़ा समझना चाहते हैं उनकी सफलता की कहानी सुनना चाहते हैं इसीलिए उन्होंने धौलपुर में ही प्रदेश भर की लखपति दीदी से संवाद करने के बारे में निर्णय लिया दिया कुमारी ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा महिलाओं के प्रति कितने गंभीर हैं यह इसी बात से स्पष्ट हो जाता है कि वे प्रदेश भर की लखपति दीदी से सामूहिक संवाद करके उनके सुख-दुख और उनकी समस्याओं का पता लगाने का प्रयास कर रहे हैं दिया कुमारी ने कहा कि हमारी सरकार ने पिछले 2 साल में महिलाओं युवाओं किसान गरीब मजदूर हर तबके के लोगों के कल्याण के लिए अनेक निर्णय लिए हैं महिलाओं के लिए भी हमारी सरकार ने कई बड़े कदम उठाए हैं चाहे महिला शिक्षा हो चाहे महिला महाविद्यालय महिला स्कूल खोलने की बात हो या फिर बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने की बात हो या फिर महिलाओं को ज्यादा से ज्यादा अवसर देने की बात हो हर तरह से हमारी सरकार महिलाओं को स्वस्थ सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में तेजी से कार्य कर रही है उन्होंने कहा कि हमारी सरकार यह अच्छी तरह से जानती है कि विकसित राजस्थान का सपना तभी पूरा होगा जब हम महिलाओं का सर्वांगीण और समुचित विकास करके उन्हें प्रदेश के विकास की बड़ी कड़ी के रूप में स्थापित करें ।

रेलवे की ऐतिहासिक उपलब्धि:

पहली बार फूड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया फूडग्रेन फ्रेट रेक अनंतनाग पहुंची

जयपुर टाइम्स

जयपुर (कासं.)जम्मू और कश्मीर की लॉजिस्टिक्स और खाद्य आपूर्ति श्रृंखला के लिए एक महत्वपूर्ण कदम के तहत फूड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया द्वारा प्रायोजित पहली फूडग्रेन फ्रेट रेक का रविवार को अनंतनाग गुड्स टर्मिनल पर आगमन हुआ है। यह मालगाड़ी पंजाब के अजीतवाल स्टेशन से चली थी इसमें 21 वैगनों में लगभग 1,384 टन ज़रूरी अनाज लदा हुआ है। यह ट्रेन रविवार को लगभग 11:30 बजे अनंतनाग में अपने गंतव्य पर पहुंची। यह यात्रा कश्मीर घाटी में रेल द्वारा सीधे प्रायोजित अनाज परिवहन की आधिकारिक शुरुआत का प्रतीक है। थोक खाद्य परिवहन के लिए यह रेल लिंक स्थापित करके एफसीआई और भारतीय रेलवे एक अधिक मज़बूत और विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखला सुनिश्चित कर रहे हैं जो पहाड़ी सड़क परिवहन से जुड़ी पारंपरिक चुनौतियों से बचती है। इस रेक का आगमन विशेष रूप से सही समय पर हुआ है। चूंकि यह क्षेत्र कठोर सर्दियों के मौसम का सामना कर रहा है जिसके कारण अक्सर बर्फबारी और भूस्खलन के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग बंद हो जाता है इसलिए रेल परिवहन एक महत्वपूर्ण जीवन रेखा प्रदान करता है।

विकसित भारत-जी राम जी विधेयक बना कानून, राष्ट्रपति ने दी मंजूरी; अब 125 दिन के काम की गारंटी

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली (एंजेसी) राष्ट्रपति ने विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) यानी वीबी-जी राम दी विधेयक, 2025 को अपनी मंजूरी दे दी है। इस स्वीकृति के साथ यह विधेयक अब कानून बन गया है। इस कानून के तहत ग्रामीण परिवारों को मिलने वाली वैधानिक मजदूरी रोजगार की गारंटी को बढ़ाकर अब एक वित्तीय वर्ष में कम से कम 125 दिन कर दिया गया है। सरकार इसे ग्रामीण जीवन को मजबूत आधार देने वाला ऐतिहासिक कदम बता रही है। सरकार का कहना है कि वीबी-जी राम जी कानून लागू होने से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की कानूनी गारंटी पहले से ज्यादा मजबूत हो जाएगी। बता दें, इस बिल पर देत रात तक संसद में चर्चा चली थी। इस मामले में विपक्ष का कहना था कि सरकार जानबूझकर मनरेगा का नाम बदल रही है, मनरेगा में महात्मा गांधी का भी नाम आता था, इसीलिए भाजपा इस नाम को हटाने के लिए ये बिल लाई। वहीं, सरकार का कहना था कि पहले की योजना में लोगों को 100 दिन का काम दिया जाता था। लेकिन अब इस कानून के तहत अब कम से कम 125 दिन काम देना आनिवार्य है। इस बहस के दौरान ही कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने भाजपा पर जमकर हमला बोला था। उन्होंने कहा था कि जब भी कांग्रेस सत्ता में आएगी, तो वो इसका फिर नाम बदलेंगे। इन सब हंगामों के बीच इस बिल को ध्वनि मत से पारित कर दिया गया था। हालांकि संसद में विपक्ष ने इस बिल का पुरजोर विरोध किया था। इतना ही नहीं, इसके बाद विपक्ष ने संविधान सदन के बाहर पूरी रात धरना भी दिया था। इस कानून के मुताबिक अब पात्र ग्रामीण परिवारों को साल में 125 दिन तक मजदूरी आधारित काम उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी होगी।

किसानों को लाइनों में खड़ा कर दिया, अब हम हालात सुधार रहे, पीएम मोदी का कांग्रेस पर हमला

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को असम दौरे के दौरान राज्य को एक बड़ी विकास परियोजना की सौगात दी। पीएम मोदी ने डिब्रूगढ़ जिले में 10,601 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले नए उर्वरक संयंत्र की आधारशिला रखी। यह संयंत्र सालाना करीब 12 लाख मीट्रिक टन उर्वरक उत्पादन की क्षमता वाला होगा। इस मौके पर आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आज असम और पूरे पूर्वोत्तर के लिए ऐतिहासिक दिन है। नामरूप और डिब्रूगढ़ लंबे समय से जिस परियोजना का इंतजार कर रहे थे, वह सपना अब साकार हो रहा है। उन्होंने बताया कि इस क्षेत्र में औद्योगिक प्रगति का एक नया अध्याय शुरू हो गया है। इससे पहले गुवाहाटी में एयरपोर्ट के एक नए टर्मिनल का उद्घाटन भी किया गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज असम विकास की नई रफ्तार पकड़ चुका है और यह सिर्फ शुरुआत है। प्रधानमंत्री ने इस आधुनिक उर्वरक संयंत्र के लिए देशभर के किसानों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार में उद्योग और कनेक्टिविटी साथ-साथ आगे बढ़ रहे हैं, जिससे असम के सपनों को पंख मिल रहे हैं और युवाओं में नए अवसरों की उम्मीद जगी है। पीएम मोदी ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में किसानों की भूमिका सबसे अहम है। इसी सोच के साथ सरकार किसानों के हितों को प्राथमिकता देकर लगातार काम कर रही है। उन्होंने बताया कि करीब 11 हजार करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह संयंत्र हर साल 12 लाख मीट्रिक टन उर्वरक का उत्पादन करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस फैक्ट्री के शुरू होने से उर्वरकों की आपूर्ति और आसान होगी और लॉजिस्टिक लागत भी काफी कम होगी, जिससे किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की नीतियों ने दशकों तक किसानों की स्थिति को बदतर बनाया, जबकि उनकी सरकार किसानों को सशक्त बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। पीएम ने कहा कि खाद कारखाने जैसे प्रोजेक्ट न केवल किसानों को सस्ती खाद उपलब्ध कराएंगे, बल्कि क्षेत्र में रोजगार और औद्योगिक विकास को भी बढ़ावा देंगे। कांग्रेस शासन के दौरान असम ही नहीं, बल्कि देशभर में कई यूरिया फैक्ट्रियां बंद कर दी गई थीं।

मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक और पुलिस कमिश्नर मानसरोवर पुलिस स्टेशन पहुंचे, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। प्रदेश के मुख्य सचिव श्रीनिवास पुलिस के महानिदेशक राजीव शर्मा और जयपुर पुलिस कमिश्नर यह तीनों बड़े अधिकारी रविवार को अचानक जयपुर के मानसरोवर पुलिस स्टेशन में पहुंचे अचानक पुलिस के इन तीनों बड़े अधिकारियों को पुलिस स्टेशन में देखकर पुलिस स्टेशन में तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों में हल चलें तेज हो गई द्य इन तीनों बड़े पुलिस के अधिकारियों के अलावा इलाके के अन्य पुलिस अधिकारियों को जब यह पता चला कि पुलिस महानिदेशक और मुख्य सचिव मानसरोवर पुलिस स्टेशन में आए हुए हैं तो शहर के अन्य बड़े पुलिस अधिकारी भी तुरंत मौके पर पहुंचे पुलिस स्टेशन में जाने के बाद मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक ने पुलिस स्टेशन के कामकाज के बारे में जानकारी हासिल की पुलिस स्टेशन में दर्ज मामलों की संख्या मामलों की जांच और पुलिस मामलों की जांच कीपेंडेंसी इत्यादि के बारे में पुलिस स्टेशन में तैनात अधिकारियों से जानकारी हासिल की इसके अलावा पुलिस स्टेशन में पीड़ित महिलाओं के लिए जो व्यवस्था की गई है उसके बारे में भी आवश्यक जानकारी हासिल की पुलिस की बीट प्रणाली और इलाके में पुलिस के दिन और रात की चौकसी के प्रबंध के बारे में भी जानकारी हासिल की पुलिस स्टेशन में नफरी पुलिस के संसाधन इत्यादि के बारे में भी सवाल जवाब किया इसके अलावा इन अधिकारियों ने पुलिस स्टेशन में नियुक्त अधिकारियों और कर्मचारियों से उनकी समस्याओं के बारे में भी पूछताछ कीजानकारी के अनुसार पुलिस महानिदेशक और मुख्य सचिव यह जानना चाहते थे कि अभी हाल ही में सरकार की ओर से जो नए कानून लागू किए गए हैं उन कानून का ठीक तरह से क्रियान्वयन हो रहा है या नहीं और इन नए कानून की वजह से अपराधों पर अंकुश लगाने में कितनी सफलता मिली है और यह नए कानून लोगों को न्याय दिलाने में कितने कारगर साबित हो रहे हैं ।

खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार प्रयासरतः सीएम

अमर जवान ज्योति से रन फॉर विकसित राजस्थान को मुख्यमंत्री ने दिखाई हरी झंडी और खुद भी लगाई दौड़

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राज्य सरकार के 2 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष में रविवार को अमर जवान ज्योति से आयोजित रन फॉर विकसित राजस्थान को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं खिलाड़ियों और आम नागरिकों ने उत्साह पूर्वक हिस्सा लिया और विकसित राजस्थान के संकल्प को मजबूती दी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी ट्रैकसूट पहनकर इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आए और उन्होंने मौके पर दौड़ लगाने आए लोगों का उत्साहवर्धन करने के लिए खुद ने भी दौड़ लगाई मुख्यमंत्री को अपने बीच दौड़ लगाते हुए देखकर लोग चकित रह गए और लोगों ने भी बड़े उत्साह के साथ इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया ।

हमारी सरकार युवाओं के लिए विकास के लिए विशेष काम कर रही है

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार ने पिछले 2 साल में हर क्षेत्र में पानी ,बिजली ,सड़क ,शिक्षा, चिकित्सा ,कृषि ,रोजगार ,उद्योग हर क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य किए हैं लेकिन हमारी सरकार प्रदेश के युवाओं के भविष्य को चमकाने के लिए सतत रूप से कार्य कर रही है उन्होंने कहा कि पिछली सरकार के दौरान प्रदेश के युवाओं के चेहरों पर हताशा के भाव नजर आ रहे थे क्योंकि एक के बाद एक पूरे 5 साल तक विभिन्न सरकारी भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक हुई जिसकी वजह से युवाओं को रोजगार नहीं मिल पाया और युवाओं का सरकार के प्रति भरोसा बिल्कुल कमजोर हो गया था लेकिन हमने पिछले दो साल में प्रदेश के युवाओं के चेहरों पर चमक बिखेर दी है पिछले दो साल में सरकार ने कई भर्ती परीक्षाओं का आयोजन करवाया और एक भी भर्ती परीक्षा में पेपर लीक नहीं हुआ प्रदेश के 92 हजार से ज्यादा युवाओं को सरकारी नौकरी दी गई और 1 लाख 53 000 सरकारी नौकरियां प्रक्रिया में है तथा निजी क्षेत्र में भी बड़े पैमाने पर युवाओं को रोजगार निजी कंपनियों के माध्यम से दिलाने के प्रयास किया जा रहे हैं युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रम को प्रभावी तरीके से संचालित किया जा रहा है और हमारी सरकार पूरे 5 साल में 5 लाख सरकारी नौकरी देने के अपने वादे को तेजी से पूरा कर रही है इसलिए प्रदेश के युवा सरकार को उम्मीद की निगाहों से देख रहे हैं उन्होंने कहा कि हमारी सरकार युवाओं के कल्याण और विकास के लिए विशेष रूप से ध्यान केंद्रित करके कार्य कर रही है ।

समारोह पूर्वक आयोजित हुए इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के पदक विजेता खिलाड़ियों का सम्मान करके उनका उत्साहवर्धन किया उन्होंने कहा कि राजस्थान के युवा खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि राजस्थान सरकार खेल और खिलाड़ियों के कल्याण और विकास के लिए सतत प्रयास कर रही है उन्होंने कहा कि पिछले 2 साल में सरकार ने विभिन्न खेलों के स्तर में सुधार के लिए कई तरह के फैसले लिए हैं और प्रदेश के विभिन्न खेलों से जुड़े होनहार खिलाड़ियों को उचित प्लेटफार्म भी उपलब्ध करवा रही है जिसके माध्यम से प्रदेश के युवा खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना प्रदर्शन करके राजस्थान के गौरव को बड़ा रहे हैं उन्होंने कहा अपना प्रदर्शन करके राजस्थान का नाम ऊंचा किया है। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा है कि विकसित राजस्थान की परिकल्पना को साकार करने के लिए प्रदेश के प्रत्येक व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक रूप से भी मजबूत होना बहुत जरूरी है तभी राजस्थान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने की दिशा में राजस्थान विकसित राजस्थान बनने की ओर अग्रसर हो सकता है इसलिए रन फॉर विकसित राजस्थान कार्यक्रम का उद्देश्य स्वस्थ शरीर और सकारात्मक सोच के साथ ही विकसित राजस्थान का सपना साकार किया जा सकता है मुख्यमंत्री शर्मा ने इस विशेष कार्यक्रम के माध्यम से प्रदेशवासियों को स्वास्थ्य फिटनेस और विकास के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया इस कार्यक्रम में जोश अनुशासन और देशभक्ति का माहौल भी देखने को मिला जहां हर वर्ग के लोगों ने उत्साह पूर्वक अपनी उपस्थिति दिखाई ।

सुशासन रथ यात्रा का भव्य स्वागत

जयपुर टाइम्स

रामगढ(निसं.) मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार के सफल दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सुशासन रथ यात्रा रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के बड़ौदामेव मंडल अंतर्गत जयसिंहपुरबड़ा, जयसिंहपुर, निजामनगर शीतल, बुटियाना, रोणपुर, घाट, बूटोली, हादरहैरड़ा, दीनार व गंडूरा गांवों में पहुंची यात्रा के दौरान राज्य सरकार के बीते दो वर्षों के विकास कार्यों व जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई तथा विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण किया गया। ग्रामीणों से आत्मीय संवाद हुआ और ग्रामवासियों ने रथ यात्रा का उत्साहपूर्वक स्वागत किया। इस अवसर पर एक वर्ष में संपादित विकास कार्यों की पुस्तिका भी भेंट की गई कार्यक्रम में रामगढ़ विधायक सुखवंत सिंह, पूर्व विधायक राजेंद्र गंडूरा, गोविंदगढ़ प्रधान पति गोपाल चौधरी सहित मंडल अध्यक्ष, जिला पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रन फॉर राजस्थान कार्यक्रम में दौड़े युवा, युवा सशक्तिकरण और फिट इंडिया का दिया संदेश

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। राज्य सरकार के दो वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में रविवार को सरकार 2 वर्ष में प्राप्त की गई उपलब्धियां को रेखांकित करने के उद्देश्य से युवा मामले एवं खेल विभाग द्वारा शहीद स्मारक से प्रताप ऑडिटोरियम तक रन फॉर राजस्थान कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसे अतिरिक्त जिला कलक्टर मुकेश कायथवाल एवं जिलाध्यक्ष अशोक गुप्ता ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मैराथन में खिलाड़ियों, कॉलेज, स्कूल के विद्यार्थियों, माय भारत वॉलंटियर्स के साथ बड़ी संख्या में शहरवासियों ने उत्साह के साथ भाग लिया और फिट रहने एवं स्वस्थ जीवन शैली अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार के 2 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष में सरकार की उपलब्धियां एवं जनहित योजनाओं के प्रचार प्रसार के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। सरकार की योजनाओं का लाभ आमजन को दिलाने के लिए हर विधानसभा क्षेत्र में एक रथ रवाना किया गया है, जो आमजन को सरकार की योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। इस दौरान जिला खेल अधिकारी अंजना शर्मा, डीईओ महेश मेहता, युवा खेल अधिकारी पंकज यादव, नगर निगम आयुक्त सोहन सिंह नरूका, भाजपा नेता पं ऋषि राज शर्मा, प्रदीप जैन सहित अधिकारी, कार्मिक एवं बडी संख्या में विद्यार्थी व आमजन मौजूद रहे।

आदिवासी धानका जन कल्याण समिति के अशोक बने अध्यक्ष

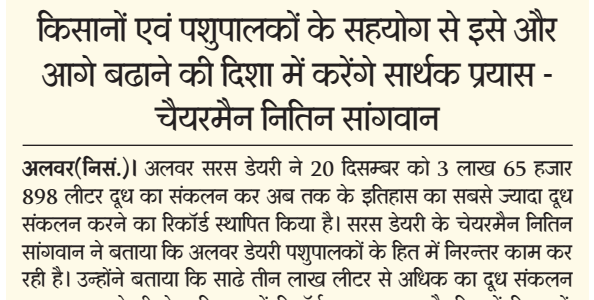

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। आदिवासी धानका जन कल्याण समिति राजस्थान की अलवर शहर शाखा के रविवार को हुए चुनाव में अशोक कुमार को निर्विरोध रूप से अध्यक्ष चुना गया। समिति के प्रदेश अध्यक्ष मुकेश बावलिया ने बताया कि शहर शाखा के अन्य पदाधिकारियों में रमेश चंद बावलिया को उपाध्यक्ष, डाल चंद को मंत्री, मनीष कुमार को उप मंत्री एवं बाबू लाल खरेरा को कोषाध्यक्ष चुना गया। इस अवसर पर कैलाश चंद, भरत सिंह, हरदयाल धानका, रामसिंह, धर्मेंद्र, अशोक कुमार, रूपसिंह, राधेलाल, महेश कुमार, सुनील कुमार, शेर सिंह, राधेश्याम, पूर्णमल,मानसिंह,किशन लाल, सूबे सिंह, रतन लाल, कल्याण सिंह, राजू, तोताराम, लक्ष्मी चंद, नवल सिंह, सोनू, मनजीत, रमेश चंद, मनोज कुमार सहित काफी संख्या में समाज के गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। चुनाव से पूर्व धानका समाज के समक्ष उत्पन्न समस्याओं पर वक्ताओं ने विचार प्रकट करते हुए कहा कि हम सब संगठित रहकर चुनौतियों का मुकाबला करेंगे। समिति की आगामी बैठक रामदेवजी मंदिर में 5 जनवरी 2026, रविवार को सुबह 11 बजे नव वर्ष मिलन समारोह के रूप में होगी। जिसमें शहर कार्यकारिणी का विस्तार भी किया जाएगा।

अलवर सरस डेयरी ने बनाया करीब पौने चार लाख लीटर दूध संकलन का कीर्तिमान

किसानों एवं पशुपालकों के सहयोग से इसे और आगे बढाने की दिशा में करेंगे सार्थक प्रयास - चैयरमैन नितिन सांगवान

अलवर(निसं.)। अलवर सरस डेयरी ने 20 दिसम्बर को 3 लाख 65 हजार 898 लीटर दूध का संकलन कर अब तक के इतिहास का सबसे ज्यादा दूध संकलन करने का रिकॉर्ड स्थापित किया है। सरस डेयरी के चेयरमैन नितिन सांगवान ने बताया कि अलवर डेयरी पशुपालकों के हित में निरन्तर काम कर रही है। उन्होंने बताया कि साढे तीन लाख लीटर से अधिक का दूध संकलन कर अलवर डेयरी के इतिहास में रिकॉर्ड बनाया गया है, जिसमें किसानों, पशुपालकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी इसी तरह किसानों, पशुपालकों और बहनों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करेंगे और उनकी आय को दोगुना करने के लिए सार्थक प्रयास किए जाएंगे, जिससे उनके परिवार को और ज्यादा सुदृढ़ बनाया जा सके। उन्होंने किसानों एवं पशुपालकों को इस कीर्तिमान रिकॉर्ड को अर्जित करने पर धन्यवाद देते हुए कहा कि अलवर डेयरी किसानों के भरोसे पर हमेशा खरा उतरने का काम करेगी। उल्लेखनीय है कि इससे पहले यह रिकॉर्ड 19 मार्च 2020 को 3,56,932 लीटर दूध का था।

आरोपः खनन माफियाओं के ब्रांड एबेंसेडर बन गए हैं अलवर सांसद

राजस्थान को रेगिस्तान बनाने के डेथ वांरट पर हस्ताक्षर कर रहे भाजपा नेता - टीकाराम जूली

अरावली को बचाने के लिए पहाडों के सौदागर नहीं, कांग्रेस सरकार जैसी ईच्छाशक्ति चाहिए

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने अरावली का चीरहरण करने पर केन्द्र व राज्य सरकार को जमकर कोसा। उन्होने कहा कि भू-माफियाओं और खनन माफियाओं को पनपाने के लिए भाजपा की सरकार ने राजस्थान की जनता का मौत का फरमान जारी किया हैं। जूली रविवार को मोती डूंगरी स्थित कार्यालय पर मीडिया को संबोधित कर रहे थे। उन्होने कहा कि एक पेड मां के नाम लगाने वाले भाजपा के नेता लाखों पेड काटकर अरावली पवर्तमालाओं खोखला करने का काम करने जा रहें हैं। उन्होनें कहा कि सेव अरावली-सेव सरिस्का की मुहिम को आगे बढाते हुए हम सभी को संयुक्त रूप से मिलकर प्रकृति की रक्षा का संकल्प लेना होगा। उन्होने कहा कि यह ने केवल कांग्रेस पार्टी की लडाई है बल्कि देश के चार राज्यों को बचाने का महा अभियान है। जूली बोले हरियाली बचाने का संदेश देने वाले आज

अरावली पर्वत श्रृंखलाओं का गला घोट रहें हैं। उन्होने कहा कि अरावली वादियों में भाजपा नेताओं द्वारा किए जा रहे घाव हमारी आने वाली पीढियों का जीवन संकट में डाल रहें हैं फिर भी पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द राठौड़ हास्यपद बयान बाजी कर केवल मीडिया की सुर्खियां बटोरने का काम कर रहें हैं ।

अलवर के सांसद ही अरावली को उजाड़ने पर तुले :

केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव पर सीधा हमला बोलते हुए टीकाराम जूली ने कहा कि भूपेन्द्र यादव आप जिस अलवर की गोद में खेले, वहीं पढ़े, जहाँ की हवाओं में सांस लेकर बड़े हुए आज उसी अरावली का चीरहरण करते हुए आपके हाथ नहीं कांपे। अलवर की जनता ने आपको सांसद इसलिए चुना था कि आप उनकी आवाज बनेंगे लेकिन आप तो खनन माफियाओं के ब्रांड एंबेसेडर बन गए हैं।

उन्होंने कहा कि पर्यावरण मंत्रालय का काम अब खनन मंत्रालय की फाइलों को पास करना रह गया है। आप अरावली को नहीं मिटा रहे आप आने वाली पीढ़ियों के लिए राजस्थान को रेगिस्तान बनाने के डेथ.वारंट पर हस्ताक्षर कर रहे हैं। इतिहास याद रखेगा कि जब अरावली रो रही थी तब पर्यावरण मंत्री उसकी बोली लगा रहे थे। जूली ने 2010 बनाम 2024 भाजपा का यू.टर्न और विश्वासघात दस्तावेजों का हवाला देते हुए कहा कि 16 फरवरी 2010 को तत्कालीन सरकार ने रोजगार बचाने हेतु 100 मीटर ऊंचाई वाली परिभाषा का तर्क रखा था। जिसे 19 फरवरी 2010 को सुप्रीम कोर्ट ने सिरे से खारिज कर दिया और पूरी रेंज को अरावली मानने का आदेश दिया। कांग्रेस सरकार ने कोर्ट का सम्मान करते हुए फोरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया (एफएसआई) से सेटेलाईट मैपिंग करवाई। लेकिन 2024 में भाजपा सरकार ने यू.टर्न लिया।1 मार्च 2024 की बैठक में राजस्थान के खान और वन विभाग ने उसी खारिज हो चुकी 100 मीटर वाली परिभाषा का समर्थन किया। केंद्र सरकार ने भी कोर्ट में इसी की वकालत की। सवाल यह है कि जो परिभाषा 2010 में कोर्ट द्वारा गलत करार दी गई थी। उसे 2024 में भाजपा सरकार ने सही मानकर सिफारिश क्यों की कोर्ट को पुराने फैसले की याद क्यों नहीं दिलाई गई यह जानबूझकर किया गया षड्यंत्र है।

अवैध खनन पर कार्रवाई कांग्रेस बनाम भाजपा आंकड़े बोलते हैं

नेता प्रतिपक्ष ने कांग्रेस और भाजपा सरकारों के कार्यकाल की तुलना करते हुए आंकड़े पेश किएः एफआईआर की संख्या कांग्रेस सरकार ने पिछले 5 वर्षों में 4 हजार 206 FIR दर्ज कर माफिया की कमर तोड़ी जिनमें पहले तीन वर्षों में ही 2019-20: 930 FIR 2020-21: 760 FIR एवं 2021-22: 1हजार 305 फायरकर खनन माफिया की कमर तोड़ दी।

वहीं मौजूदा भाजपा सरकार 2024-25 पहले साल में केवल 508 FIR दर्ज कर पाई है। यह गिरावट दिखाती है कि भाजपा की अप्रोच माफिया के प्रति कितनी नरम है।

- जुर्माना वसूलीः (राजस्व की तुलना) अवैध खनन रोकने का असली पैमाना वसूली गई पेनल्टी है। भाजपाः 2013-2018 में अपने पूरे 5 साल के कार्यकाल में भाजपा सरकार केवल 200 करोड़ रुपये वसूल पाई थी। कांग्रेस 2019-2024 हमारी सरकार ने 5 साल में 464 करोड़ रुपये का जुर्माना वसूल कर माफिया को आर्थिक चोट पहुंचाई। यह भाजपा के कार्यकाल से दोगुने से भी अधिक है। उन्होने मांग करते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट में तुरंत पुनर्विचार याचिका दायर करें। अरावली संरक्षण के लिए राजस्थान का अपना कड़ा कानून बनाया जाए। जूली ने अंत में चेतावनी देते हुए कहा कि राजस्थान का इतिहास खेजड़ली का रहा है जहाँ पेड़ के लिए सिर कट जाते थे। हमारे पूर्वजों ने पेड़ के लिए सिर दिए थे। आप पहाड़ बेचना चाहते हैं। हम ये नहीं होने देंगे।

जिला स्तरीय लखपति दीदी संवाद कार्यक्रम आयोजित

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अलवर जिले की लखपति दीदी गीता एवं शारदा रानी बैरवा से संवाद कर जाने लखपति दीदी बनने के अनुभव

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। लखपति दीदी संवाद कार्यक्रम का आयोजन रविवार को मिनी सचिवालय स्थित वीसी कक्ष में हुआ, जिसमें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम से वर्चुअली अलवर जिले की लखपति दीदी गीता एवं शारदा रानी बैरवा से संवाद कर लखपति दीदी बनने के अनुभव जाने। राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शर्मा ने लखपति दीदियों को टैबलेटों का वितरण किया, इसी क्रम में जिले की 90 लखपति दीदियों को टैबलेट मिलेंगे।

मुख्यमंत्री ने लखपति दीदी गीता एवं शारदा रानी बैरवा से किया संवाद

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजगढ़ ब्लाक की लखपति दीदी शारदा रानी बैरवा से संवाद करते हुए लखपति दीदी बनने के सफर के बारे में जाना, जिस पर जागृति सीएलएफ से जुड़ी लखपति दीदी शारदा देवी ने बताया कि राजीविका एसएचजी समूह से जुड़ने से पूर्व उनके घर की आय काफी कम थी, एसएचजी समूह में जुड़ने के बाद 50 हजार रुपए का लोन लेकर किराणा की दुकान खोली, बैंक सखी के रूप में कार्य किया, लोन के माध्यम से कॉस्मेटिक दुकान खोली एवं पशुधन भी खरीदे, जिसमें परिवारजनों का भी भरपूर सहयोग मिला, जिससे अब मेरी आय सालाना 2 लाख रुपए से अधिक हो गई है। उन्होंने बताया कि उनके द्वारा अन्य महिलाओं को भी सहयोग कर लखपति दीदी बनने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। लखपति दीदी ने बताया कि उनके सीएलएफ से जुड़ी 1300 से अधिक महिलाएं लखपति दीदी की श्रेणी में आ चुकी है। वहीं रामगढ़ ब्लॉक की लखपति दीदी गीता ने संवाद के दौरान अनुभव साझा करते हुए बताया कि राजीविका एसएचजी समूह से जुड़ने के पश्चात लोन लेकर स्नातकोत्तर तक पढ़ाई की तथा स्वयं के व्यवसाय के रूप में विभिन्न योजनाओं से लोन लेकर मसाला निर्माण का कार्य किया, जिससे प्रतिमाह 10 से 12 हजार रुपए की आय अर्जित हो रही है। संवाद कार्यक्रम में जिला कलक्टर डॉ.आर्तिका शुक्ला, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सालुखे गौरव रवीन्द्र, डीपीएम राजीविका राहुल सहित बडी संख्या में लखपति दीदियां मौजूद रही।

वन राज्यमंत्री ने एथलेक्टिस प्रतियोगिता एवं रक्तदान शिविर में की शिरकत

खिलाडियों का किया उत्साहवर्धन, रक्तदान जैसे आयोजनों में युवाओं की बढ़ती भागीदारी को बताया विकसित भारत की दिशा में बढ़ता कदम

अलवर(निसं.)। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने रविवार को अलवर में इंडियन मेडिकल एसोसियेशन द्वारा आयोजित 'स्पंदन 2025' एथलेटिक्स प्रतियोगिता एवं अहिंसा एकता ग्रुप समिति द्वारा आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर कार्यक्रम में शिरकत की तथा जनसुनवाई कर आमजन की परिवेदनाओं को सुनकर संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित निराकरण के निर्देश दिये। वन राज्यमंत्री शर्मा ने इंडियन मेडिकल एसोसियेशन द्वारा आयोजित 'स्पंदन 2025' एथलेटिक्स प्रतियोगिता में शिरकत कर खिलाडियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक विकास के लिए जरूरी हैं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य को भी मजबूती प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि इंडियन मेडिकल एसोशियेशन जो मरीज को स्वस्थ करके घर भेजने में महती भूमिका निभाती हैं, बैडमिंटन, टेबिल टेनिस इत्यादि एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं का आयोजन कर स्वस्थ जीवनशैली का संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय वन मंत्री एवं अलवर सांसद भूपेन्द्र यादव द्वारा खेलकूद के माध्यम से अलवर संसदीय क्षेत्र की ग्रामीण एवं शहरी प्रतिभाओं को निखारने के लिए शुरू किए गए अलवर सांसद खेल उत्सव में इंडियन मेडिकल एसोसियेशन द्वारा आयोजित एथलेटिक्स प्रतियोगिता विशेष पहल के रूप में सहयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि अलवर विधानसभा क्षेत्र में खेल व प्रतिभाओं को आगे बढाने हेतु अलवर विधानसभा कम्युनिटी खेलों का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें 65 टीमें भाग लेकर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही है।

रक्तदान शिविर में शिरकत कर रक्तवीरों की कि हौंसला अफजाई

वन राज्यमंत्री संजय शर्मा ने अहिंसा एकता ग्रुप समिति द्वारा आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर कार्यक्रम में शिरकत कर रक्तवीरों की हौसला अफजाई की। उन्होंने रक्तवीरों का उत्सावर्धन करते हुए कहा कि रक्तदान महादान है जो जरूरत पडने पर व्यक्ति को जीवनदान प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि युवाओं की ऐसे आयोजनों में निरन्तर बढती भूमिका विकसित राष्ट्र के निर्माण में सहायक सिद्ध हो रही है। उन्होंने कहा कि मानवता की सेवा की भावना से आयोजित रक्तदान शिविर सराहनीय कदम है जिससे हमारी युवा पीढी को जीवमात्र की सेवा करने की प्रेरणा मिलेगी।

राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 125647 प्रीलिटिगेशन व लंबित प्रकरणों में कुल 183789940 रूपए के अवार्ड पारित

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अलवर के अध्यक्ष एवं जिला जज अनन्त भण्डारी के निर्देशानुसार रविवार को 21 दिसंबर 2025 को वर्ष 2025 की चतुर्थ राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारंभ रिद्धिमा शर्मा, अपर जिला एवं सेषन न्यायाधीश, संख्या 2, अलवर द्वारा सरस्वती माता की प्रतिमा के समक्ष माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन कर किया गया। रविवार को 21 दिसंबर 2025 को अलवर जिला न्यायक्षेत्र में आने वाले समस्त ताल्लुका मुख्यालयों पर स्थित न्यायालयों, अन्य न्यायिक मुख्यालयों एवं राजस्व न्यायालयों एवं प्रीलिटिगेशन के प्रकरणों के निस्तारण हेतु अलवर जिला मुख्यालय पर 05 बेंचों का एवं शेष समस्त तालुकाओं के लिए कुल 06 बेंचों का गठन किया गया। जिला मुख्यालय पर कुल 05 बेंचों में अपर जिला एवं सेशन न्यायालय संख्या 2 अलवर की बेंच में अध्यक्ष श्रीमती रिद्धिमा शर्मा एवं सदस्य रश्मि वशिष्ठ, काउंसलर, अपर जिला एवं से सेशन न्यायाधीश संख्या 4 अलवर की बेंच में अध्यक्ष अजीत कुड़ी एवं सदस्य राखी यदुवंशी, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अलवर की बेंच में अध्यक्ष मोहन लाल सोनी, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं सदस्य सुश्री रश्मि शर्मा, तहसीलदार अलवर एवं कैलाश चंद शर्मा अधिवक्ता, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, अलवर की बेंच में अध्यक्ष अर्चना गुप्ता एवं सदस्य सीमा मुखिजा अधिवक्ता, सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजि.संख्या 01 अलवर की बेंच में अध्यक्ष आदित्य शर्मा एवं सदस्य हिमांशु बगरहट्टा, अधिवक्ता उपस्थित रहे। शुभारम्भ कार्यक्रम के दौरान अपर जिला एवं सेषन न्यायाधीष संख्या 2 अलवर . रिद्धिमा शर्मा, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अलवर मोहन लाल सोनी, अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश संख्या 04 अलवर अजीत कुड़ी मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, अलवर .अर्चना गुप्ता, सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजि. संख्या 01, आदित्य शर्मा, अध्यक्ष बार अभिभाषक संघ अभिमन्यु सिंह चौहान एवं सचिव बार अभिभाषक संघ रामकिशन गुर्जर, तहसीलदार अलवर .रश्मि शर्मा, बेंचों के सदस्य अधिवक्तागण कैलाष चंद शर्मा, .राखी यदुवंशी, हिमांशु बगरहट्टा, सीमा मुखिजा, एवं . रश्मि वशिष्ठ आदि उपस्थित रहे।

विधायक द्वारा विकास रथ यात्रा के दौरान की गई रामसिंहपुरा में पेयजल कार्यों की घोषणा

जयपुर टाइम्स

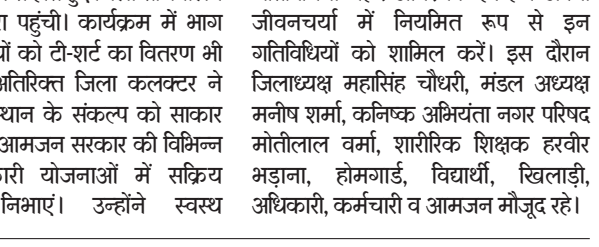

बहरोड़(निसं.)। विधायक डॉ. जसवंत सिंह यादव द्वारा विधानसभा क्षेत्र में विकास रथ यात्रा के माध्यम से जनसंपर्क किया गया। राजस्थान सरकार के 2 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष में आयोजित यह विकास रथ यात्रा श्री पंचमुखी हनुमान जी मंदिर, अनाज मंडी बहरोड़ एवं रामसिंहपुरा क्षेत्र से होकर गुजरी, जहां स्थानीय नागरिकों द्वारा यात्रा का स्वागत किया गया। राजस्थान के हर क्षेत्र से विकास रथ यात्रा गुजर रही है और लोगों को सरकार द्वारा किए गए विकास के कार्यों की जानकारी दे रही है। इस दौरान रामसिंहपुरा में पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से तीन फेज बोरवेल के लिए विधायक कोष से 14 लाख रुपये की स्वीकृति की घोषणा की गई। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न समस्याओं और आवश्यकताओं को लेकर स्थानीय लोगों से संवाद भी हुआ। विकास रथ यात्रा और जनसंपर्क कार्यक्रम के दौरान डॉ मोहित जसवंत यादव, जिला कलक्टर प्रियंका गोस्वामी, एसडीएम रामकिशोर मीणा और प्रशासन के सभी लोग उपस्थित रहे और उन्होंने स्थानीय नागरिकों से मुलाकात की। बहरोड़ विधायक डॉ. जसवंत सिंह यादव ने कहा, 'राजस्थान में डबल इंजन सरकार के तहत केंद्र और राज्य सरकार मिलकर हर क्षेत्र के विकास के लिए काम कर रही हैं। सड़क, पेयजल, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने पर लगातार ध्यान दिया जा रहा है। हमारा लक्ष्य है कि सरकारी योजनाओं का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचे और बहरोड़ सहित पूरा राजस्थान विकास की दिशा में आगे बढ़े।' इस दौरान तहसीलदार राजेन्द्र मोहन, भाजपा नेता डॉ. मोहित जसवंत यादव, सीताराम यादव चैयरमेन नगर परिषद बहरोड, नूर मोहम्मद आयुक्त नगर परिषद बहरोड, बस्तीराम प्रधान प्रतिनिधि, एडवोकेट प्रशान्त यादव मण्डल अध्यक्ष बहरोड, राजेश फौजी मण्डल अध्यक्ष बर्डोद, रामनरेश यादव जिला पार्षद, चिन्टू यादव पार्षद, कमल यादव, शिवचरण गुरूजी, संजय मीर, मन्नू सैनी, नरेन्द्र यादव, सुभाष यादव, ईश्वर गुर्जर, अनिल बोहरा, पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता, स्थानीय गणमान्य उपस्थित रहे ।

राज्य सरकार के कार्यकाल के सफल 2 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में हुई रन फॉर विकसित राजस्थान दौड़

खैरथल-तिजारा(निसं.)। राज्य सरकार के कार्यकाल के सफल 2 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रविवार को जिला मुख्यालय पर 'रन फॉर विकसित राजस्थान' का आयोजन किया गया। जिला मुख्यालय स्थित पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय से अतिरिक्त जिला कलक्टर शिवपाल जाट एंव अन्य अतिथियों ने हरी झंडी दिखाकर रन को रवाना किया। रन पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खैरथल से शुरू होकर अंबेडकर सर्कल से होते हुए जिला सचिवालय खैरथल तिजारा पहुंची। कार्यक्रम में भाग लेने वाले बच्चों को टी-शर्ट का वितरण भी किया गया। अतिरिक्त जिला कलक्टर ने विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने के लिए आमजन सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं में सक्रिय सहभागिता निभाएं। उन्होंने स्वस्थ जीवनशैली के लिए खेल, दौड़ जैसी शारीरिक गतिविधियां बेहद आवश्यक हैं। हम अपनी जीवनचर्या में नियमित रूप से इन गतिविधियों को शामिल करें। इस दौरान जिलाध्यक्ष महासिंह चौधरी, मंडल अध्यक्ष मनीष शर्मा, कनिष्क अभियंता नगर परिषद मोतीलाल वर्मा, शारीरिक शिक्षक हरवीर भड़ाना, होमगार्ड, विद्यार्थी, खिलाड़ी, अधिकारी, कर्मचारी व आमजन मौजूद रहे।

खोरा बिसल में पुलिस ने नकली घी बनाने की फैक्ट्री पकड़ी, 7500 किलो नकली घी बरामद

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। जयपुर पश्चिम इलाके में पुलिस ने खोरा बिसल इलाके में रविवार को एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए नकली घी बनाने की फैक्ट्री का पर्दाफाश करके फैक्ट्री से करीब 7500 किलो नकली घी और मौके पर नकली की बनाने के कई उपकरण और कच्चा माल बरामद किया है पुलिस ने इस मामले में जगदीश, अनिल, भूपेंद्र ,राजेंद्र नाम के चार लोगों को अरेस्ट भी किया है पुलिस गिरफ्तार अभियुक्तों से पूछताछ कर यह पता लग रही है कि यह फैक्ट्री यहां कब से संचालित हो रही थी और फैक्ट्री से निर्मित होने वाले घी को कहां-कहां किन-किन लोगों को सप्लाई की जाती रही है अब तक कितनी मात्रा में की सप्लाई किया जा चुका है और इस नकली घी बनाने के कारोबार में अब तक कितनी कमाई कर ली गई है और कमाए गए पैसों को कहां-कहां इन्वेस्ट किया गया है पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्तों और उनके निकट के परिजनों के बैंक अकाउंट का भी पता लग रही है ।

जयपुर में हिट एंड रन मामला : कांस्टेबल की दर्दनाक मौत

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। जयपुर ग्रामीण इलाके के रायसर थाना इलाके में मनोहरपुर दोसा सड़क मार्ग पर शनिवार की रात तेज गति से दौड़ रही कार ने पैदल जा रहे स्थान पुलिस के कांस्टेबल के टक्कर मार दी जिसकी वजह से वह मौके पर ही बुरी तरह से घायल हो गया उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया लेकिन उसकी मौत हो गई मृतक कांस्टेबल राहुल है जो उदयपुर के एसडीएम ऑफिस में नियुक्त था और छुट्टी पर अपने घर आया हुआ था जानकारी के अनुसार हाल में उसका एक नया घर बना था वह खाना खाने के बाद शनिवार की रात करीब 8:00 बजे वह पैदल हीअपने नए घर में सोने के लिए जा रहा था तभी सड़क पर सामने से आ रही तेज गति की कार ने उसके जोरदार टक्कर मार दी जिसकी वजह से वह मौके पर ही गिरकर घायल हो गया टक्कर मारने के बाद कार का चालक अपनी गाड़ी के साथ मौके से फरार हो गया हालांकि जिस जगह पर यह सड़क दुर्घटना हुई वहां पर रात का समय था और कोई सीसीटीवी कैमरा भी इलाके में नहीं था लेकिन पुलिस ने मामले की छानबीन करते हुए जिस कार ने टक्कर मारी है उसकी पहचान कर ली है यह गाड़ी उत्तर प्रदेश की है जिसके आधार पर पुलिस अब फरार चालक को चिन्हित करने का प्रयास कर रही है उधर कांस्टेबल राहुल की मौत के बाद परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो गया है राहुल के परिवार में उसके माता-पिता पत्नी और उसका 2 साल का मासूम बेटा है इसलिए राहुल की मौत से परिवार पर दुख का पहाड़ टूट गया है ।

हिस्ट्रीशीटर दानिश बावरिया का हत्यारा जयपुर के मंदिर में मांग रहा था भीख, पुलिस ने दबोच लिया

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। झुंझुनू जिले में हिस्ट्रीशीटर दानिश बावरिया का अपहरण कर उसकी हत्या करने के आरोप में फरारी काट रहे अपराधी दीपक को आखिरकार पुलिस ने ढूंढ लिया दीपक पुलिस से बचने के लिए जयपुर के खोल के हनुमान मंदिर में भिखारी बनकर लोगों से भीख मांग रहा था पुलिस ने उसे पहचानने में देरी नहीं की और आखिरकार पुलिस ने उसे मौके पर जाकर दबोच लिया जानकारी के अनुसार पुलिस अब गिरफ्तार अभियुक्त दीपक से पूछताछ कर यह पता लग रही है की हत्या की वारदात को अंजाम देने के बाद उसने कहां कहां किस-किस के यहां फरारी के दिन गुजारे हैं जानकारी के अनुसार पिछले कुछ दिनों से पुलिस खोलकर हनुमान मंदिर परिसर और आसपास के इलाके में भिखारी और अन्य संयुक्त रूप से विचरण कर रहे लोगों की गतिविधियों पर नजर रखे हुए थी पुलिस की छानबीन के दौरान दीपक की बॉडी लैंग्वेज और उसके हाव-भाव को देखकर पुलिस को उस पर डाउट हुआ इससे पहले झुंझुनू पुलिस ने जयपुर और प्रदेश के सभी जिला पुलिस मुख्यालयों को दीपक के फोटो उपलब्ध करवा दिए थे इसलिए खोल के हनुमान मंदिर परिसर में दीपक की शक्ल और चेहरे को देखकर पुलिस का शक और गहरा हो गया इसके बाद झुंझुनू पुलिस जो काफी दिनों से दीपक की तलाश कर रही थी जयपुर पुलिस की सूचना पर झुंझुनू पुलिस की टीम खोलकर हनुमान मंदिर पहुंची और वहां भिखारी बनकर बैठे दीपक को पकड़ लिया।

अरावली हमारी धरोहर छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं - चंदन पारीक

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.) कांग्रेस के युवा नेता चंदन पारीक ने अरावली पर्वतमाला के संरक्षण को लेकर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि अरावली हमारी प्रकृति, पर्यावरण और आने वाली पीढ़ियों की जीवनरेखा है। इसे हर हाल में बचाना हमारा सामूहिक दायित्व है। अरावली से किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि अरावली पर्वतमाला न केवल राजस्थान बल्कि पूरे उत्तर भारत के पर्यावरण संतुलन की रीढ़ है। यह पर्वतमाला वर्षा जल संरक्षण, भू-जल रिचार्ज, जैव विविधता और वन्यजीवों के सुरक्षित आवास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है अरावली के कमजोर होने से जल संकट, प्रदूषण और जलवायु असंतुलन जैसी गंभीर समस्याएं और गहराएंगी चंदन पारीक ने आरोप लगाया कि हाल के वर्षों में अवैध खनन, अनियंत्रित निर्माण और व्यावसायिक दोहन के कारण अरावली को गंभीर नुकसान पहुंचा है। लाभ के लिए प्रकृति का विनाश स्वीकार्य नहीं है। नियमों की अनदेखी कर अरावली को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए उन्होंने कहा उन्होंने युवाओं, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों से अपील की कि वे अरावली बचाओ अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

मां शाकम्भरी की विशाल चुनरी पद यात्रा

जयपुर टाइम्स

नवलगढ़(निस)। नवलगढ़ के फुलेराव नगर में शनिवार को मां शाकम्भरी की विशाल चुनरी पद यात्रा का धार्मिक आयोजन हुआ। महेंद्र कुमार सैनी ने बताया कि मां शाकम्भरी की जोत जलाकर उनकी विधिवत पूजा अर्चना की गई। उन्हें लड्डू और हलवे का भोग अर्पित किया गया। कार्यक्रम में नगर के अनेक कस्बे से और ढ़ाणी वासी भी शामिल हुए। साथ ही कार्यक्रम में महिलाओं ने मंगल गीत गाकर मां शाकम्भरी की चुनरी में बूटियां लगाई। भक्ति गीतों पर नृत्य का कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में मनोज देवी, सजना, ममता, सरिता, मंजू, निधि, संतरा देवी, रुकेश, पूजा, निशा, मनीदेवी, प्रभाती, कस्तूरा, प्रेम, अनीता समेत कई महिलाएं उपस्थित रहीं।

अरावली के मामले में अशोक गहलोत को कांग्रेस के किसी भी बड़े नेता का समर्थन नहीं मिल रहा : राजेंद्र राठौड़

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने बताया कि अरावली को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा फैलाया जा रहा यह दावा कि 90 प्रतिशत अरावली समाप्त हो जाएगी पूरी तरह असत्य और भ्रामक है। वास्तविक स्थिति यह है कि अरावली क्षेत्र का लगभग 25 प्रतिशत हिस्सा हिरसा अभ्यारण्य राष्ट्रीय उद्यान और आरक्षित वनों में आता है जहाँ खनन पूरी तरह प्रतिबंधित है। इसके अलावा पूरे अरावली क्षेत्र में से केवल लगभग 2.56 प्रतिशत क्षेत्र ही सीमित नियंत्रित और कड़े नियमों के तहत खनन के दायरे में आता है। सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जब तक इंडियन काउंसिल ऑफ फॉरेस्टरी रिसर्च एंड एजुकेशन द्वारा अरावली क्षेत्र का डिटेल्ड साइंटिफिक मैपिंग और सस्टेनेबल माइनिंग मैनेजमेंट प्लान तैयार नहीं हो जाता तब तक कोई नया खनन पट्टा जारी नहीं किया जा सकता। ऐसे में अरावली के नष्ट होने की बात करना गहलोत जी का सिर्फ भ्रम फैलाने का प्रयास है। राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा स्वीकृत परिभाषा के अनुसार 100 मीटर या उससे ऊँची पहाड़ियों उनकी ढलानों और दो पहाड़ियों के बीच 500 मीटर के क्षेत्र में आने वाली सभी भू-आकृतियाँ खनन पट्टे से पूरी तरह बाहर रखी गई हैं चाहे उनकी ऊंचाई कुछ भी हो। यह व्यवस्था पहले से अधिक सख्त और वैज्ञानिक है। विगत 18 दिसंबर को पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अरावली बचाओ के नाम पर सोशल मीडिया पर एक अभियान शुरू किया और अपनी प्रोफाइल पिक्चर बदली। लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि न तो कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा , न राहुल गांधी , न मल्लिकार्जुन खड़गे और न ही सचिन पायलट ने अपनी प्रोफाइल पिक्चर बदली। यह साफ दर्शाता है कि जिस अभियान का दावा किया जा रहा है उसमें स्वयं उनकी पार्टी का समर्थन भी उनके साथ नहीं है। जब किसी मुद्दे पर पार्टी के शीर्ष नेता भी साथ खड़े न हों तो स्पष्ट हो जाता है कि यह अभियान पर्यावरण संरक्षण नहीं बल्कि राजनीतिक दिखावा है। अरावली जैसे संवेदनशील विषय पर प्रतीकात्मक राजनीति नहीं बल्कि न्यायालय के आदेशों और वैज्ञानिक तथ्यों के अनुसार ठोस कार्रवाई की आवश्यकता होती है। सर्वे ऑफ इंडिया के विश्लेषण से स्पष्ट है कि कमेटी की परिभाषा लागू होने पर अरावली क्षेत्र में खनन नहीं बढ़ेगा बल्कि और अधिक सख्ती आएगी। राजस्थान के राजसमंद में 98.9 अभी आते का याद दिला देना प्रतिशत उदयपुर में 99.89 प्रतिशत गुजरात के साबरकांठा में 89.4 प्रतिशतऔर हरियाणा के महेंद्रगढ़ में 75.07 प्रतिशतपहाड़ी क्षेत्र खनन से प्रतिबंधित रहेगा। इसके अलावा राष्ट्रीय उद्यान इको-सेंसिटिव ज़ोन रिज़र्व व प्रोटेक्टेड फ़ॉरेस्ट और वेटलैंड्स में खनन पूरी तरह बंद है। वर्तमान में अरावली क्षेत्र के 37 ज़िलों में कुल भौगोलिक क्षेत्र का केवल 0.19 प्रतिशत हिस्सा ही कानूनी खनन पट्टों के अंतर्गत है जिसमें भी लगभग 90 प्रतिशत खनन राजस्थान 9 प्रतिशत गुजरात और 1 प्रतिशत हरियाणा तक सीमित है। इसलिए 90 प्रतिशत अरावली हिल्स के खत्म होने की बात कानूनी और भौगोलिक रूप से पूरी तरीके से असत्य है। केंद्रीय वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने भी सार्वजनिक मंच पर स्पष्ट कर दिया है कि न्यायालय के इस फैसले से अरावली पर्वतमाला पर कोई आंच नहीं आएगी। केंद्र सरकार पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है कि अरावली को कोई नुकसान नहीं पहुंचेगा अरावली पर्वतमाला की सुरक्षा पर्यावरण संतुलन और कानून का पालन सर्वोपरि है। भ्रम फैलाने से सच्चाई नहीं बदलती। सर्वोच्च न्यायालय के आदेश सरकारी रिकॉर्ड और वैज्ञानिक तथ्य यह सिद्ध करते हैं कि अरावली न पहले खतरे में थी न आज है और न आगे होगी।

उप जिला अस्पताल जमीन का नहीं थम रहा बवाल: नावां सिटी में ही बने उप जिला अस्पताल

राजास भूमि आवंटन के विरोध में सर्व समाज देगा ज्ञापन

जयपुर टाइम्स

नावांशहर(निस)। नावा सिटी में प्रस्तावित उप जिला चिकित्सालय भवन को लेकर जनभावनाएं लगातार तेज होती जा रही हैं। ग्राम पंचायत गोविंदी ग्राम राजास में जिला कलेक्टर की ओर से किए गए भूमि आवंटन के विरोध में अब सर्व समाज एकजुट हो गया है। आमजन का कहना है कि उप जिला चिकित्सालय जैसी महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सुविधा शहर की सीमा में, सुगम व सुलभ स्थान पर ही स्थापित होनी चाहिए, ताकि मरीजों को त्वरित एवं बेहतर चिकित्सा सेवाएं मिल सकें। इसी मांग को लेकर सोमवार को प्रातः 11:15 बजे सर्व समाज की ओर से मुख्यमंत्री महोदय के नाम एक ज्ञापन उपखंड अधिकारी महोदया, नावा को सौंपा जाएगा। ज्ञापन में ग्राम राजास में किए गए भूमि आवंटन को निरस्त कर नावा सिटी की सीमा में ही उप जिला चिकित्सालय भवन के लिए उपयुक्त भूमि आवंटित कर शीघ्र निर्माण कार्य प्रारंभ करने की मांग की जाएगी। इस जनहितकारी मांग के समर्थन में व्यापारिक संगठनों, सामाजिक संस्थाओं, जनप्रतिनिधियों, अधिवक्ताओं, युवाओं व आम नागरिकों सहित सर्व समाज के लोग बड़ी संख्या में भाग लेंगे। वक्ताओं का कहना है कि उप जिला चिकित्सालय का शहर से बाहर निर्माण होने पर आमजन, विशेषकर मरीजों व उनके परिजनों को अनावश्यक परेशानी उठानी पड़ेगी, जबकि शहर में निर्माण से सभी को सुविधा मिलेगी और नावा के समग्र विकास को भी गति मिलेगी। सर्व समाज ने प्रशासन से जनभावनाओं का सम्मान करते हुए शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की है।

जनसुनवाई के दौरान विधायक महंत बालकनाथ योगी ने आमजन की सुनी समस्या

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राजस्थान सरकार के 2 साल प्रदेश के विकास और गांव गरीब वंचित जरूरतमंद को समर्पित - महंत

जयपुर टाइम्स

तिजारा(निसं.)। विधायक महंत बालक नाथ योगी ने विधानसभा तिजारा क्षेत्र अन्तर्गत में भिवाड़ी, टपूकड़ा व तिजारा में जनसुनवाई की। इस दौरान उन्होंने विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न स्थानों से पंहुचे आमजन से मिलते हुए उनकी समस्याओं को सुना व समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि तिजारा विधानसभा क्षेत्र में निरन्तर विकास से जुड़े कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है।

राजस्थान सरकार के 2 वर्ष के कार्यकाल पूर्ण होने के अवसर पर

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में गांव गांव ढाणी ढाणी पहुंचकर जनता के किए गए कार्यों की जानकारी दी जा रही हैं। इस दौरान जनता के मध्य रहकर उनकी समस्याओं को सुनते उनके समाधान का प्रयास किया जा रहा है। तिजारा विधानसभा में भी वह जनता के सेवक बन निरन्तर जनसुनवाई कार्यक्रमों में उपस्थित रहते हैं। आमजन की समस्यायों को सुन रहे हैं। उन्होंने कहा की मुख्यमंत्री के नेतृत्व में भाजपा सरकार के सुशासन का प्रभाव देखा जा सकता है। संपूर्ण प्रदेश में मुख्यमंत्री के नेतृत्व में सरकार विकास और जनहित कल्याणकारी योजनाओं को जमीनी स्तर पर लागू करते हुए गांव-गरीब- किसान -वंचित और आमजन के लिए कार्य कर रही है। विकास का यह पहिया निरंतर चलता रहेगा। 2 साल भाजपा सरकार जनता की सेवा को समर्पित है और आगे भी यह सेवा कार्य मुख्यमंत्री के निर्देशन में चलता रहेगा। इस बीच उन्होंने भिवाड़ी में उत्तरांचल समाज विकास द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम व श्री श्याम दिव्यांग एवं वृद्धजन सेवार्थ चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने उत्तरांचल समाज के लोगों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा की जरूरतमंदों, समाज व राष्ट्र के लिए काम आ सके वहीं जीवन श्रेष्ठ है। उन्होंने कहा की विश्व में कहीं भी रहे लेकिन अपनी संस्कृति व पहचान को बनाये रखना बेहद आवश्यक है। हमारे राष्ट्र में विभिन्न संस्कृतियों और रीति- रिवाजों के बाद भी सभी का एक उद्देश्य' मानव जीव का कल्याण, समाज और राष्ट्र सेवा। हम सभी को इससे जुड़ा रहना बेहद जरूरी है वहीं श्री श्याम दिव्यांग एवं वृद्धजन सेवार्थ चैरिटेबल ट्रस्ट की तरफ से आयोजित कार्यक्रम के संदर्भ में उन्होंने कहा की किसी के दुःखी और असहाय होने पर यदि हम स्वेच्छा से आगे बढ़कर उन्हें सहारा दे, उनकी मदद करें, उन्हें संभल प्रदान करते हुए उनका आसरा बने यहीं सब हमारे वेदों और पुराणों का सार है। अनेकों धर्माथ ट्रस्ट व संस्थाएं निरन्तर गरीब जरूरतमंद दिव्यांगो की मदद करते हुए उनके जीवन में नई आशा और उत्साह का संचार कर रही है। जो लोग इस तरह के कार्य में निस्वार्थ भाव से सहयोग प्रदान करते हैं उनकी जितनी प्रशंसा की जाए उतनी कम है।

न्याय टेबल से लोक अदालत की भावना मजबूत, मिला त्वरित न्याय

उपभोक्ता आयोग के लम्बित व प्री-लिटिगेशन के 122 प्रकरणों में 4741884 रुपये के अवार्ड जारी किए

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। इस वर्ष की अंतिम व चतुर्थ राष्ट्रीय लोक अदालत रविवार को आयोजित हुई। उपभोक्ता आयोग से सम्बन्धित 122 मामलों का निपटारा न्यायाधीश अजय गोदारा व उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार मील की बैंच ने किया। जिसमें आपसी समझाइश व राष्ट्रीय लोक अदालत की भावना से 4741884 रूपये के अवार्ड जारी किए गए। उल्लेखनीय है कि जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग झुंझुनूं में न्याय टेबल पर पीड़ित उपभोक्ताओं व सेवाप्रदाताओं को लोक अदालत की भावना से प्रकरणों का निस्तारण आपसी समझाइश से करने का अवसर अवकाश दिवस में भी उपलब्ध करवाया गया है। जिसके चलते बड़ी संख्या में प्रकरणों का निपटारा सम्भव हो पाया है। उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार मील ने इस उपलब्धि को उपभोक्ता आयोग के अधिकारियों, कर्मचारियों की ओर से टीम भावना से किए गए सद्प्रयास व विद्युत विभाग के नोडल अधिकारी के रूप में कार्य करने वाले अधिशासी अधिकारी प्रदीप कुमार भाम्बू की उपभोक्ताओं को न्याय टेबल पर सकारात्मक रूप से समझाइश करने का सुखद परिणाम बताया है। चतुर्थ राष्ट्रीय लोक अदालत में न्यायाधीश अजय गोदारा व उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार मील और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव न्यायाधीश डॉ महेन्द्र कुमार सिंह सोलंकी ने विधुत विभाग के पीड़ित उपभोक्ता को बड़ी राहत देते हुए विद्युत अधिनियम की पवित्रता व त्वरित न्याय की खूबसूरती को धरातल पर लागू करने का कड़ा संदेश दिया। जिले के बड़ की ढाणी गुढ़ा गोड़जी के उपभोक्ता सुभाष चंद्र महला के विधुत कनेक्शन का मीटर खराब होने पर पीड़ित ने विद्युत विभाग को सूचना देकर मीटर बदलने के रसीद कटवाई थी। उसके बावजूद भी लम्बे समय तक उपभोक्ता के परिसर में नया विद्युत मीटर नहीं लगाया गया और इसी दौरान सतर्कता टीम ने वीसीआर भर दी। जिसके निपटारे के लिए पीड़ित सुभाष चन्द्र महला ने लोक अदालत में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया। जिसका विद्युत अधिनियम की पवित्रता में हाथों हाथ समाधान करते हुए वैधानिक दायित्व के रूप में मात्र 1088 रूपये की राशि पर प्रकरण का निस्तारण कर लोक अदालत के अवार्ड कि प्रमाणित प्रतिलिपि पीड़ित को सुपुर्द कर त्वरित न्याय दिया गया। इस अवसर पर पीड़ित ने भावुक होते हुए कहा कि लोक अदालत में न्याय होने के साथ ही त्वरित न्याय होते हुए देख भी लिया है। न्याय टेबल से लोक अदालत की भावना मजबूत हुई और त्वरित न्याय भी मिला। राष्ट्रीय लोक अदालत में विद्युत उपभोक्ताओं को त्वरित न्याय देने के लिए उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार मील के नवाचार न्याय टेबल पर अधिशासी अधिकारी प्रदीप कुमार भाम्बू, विधि अधिकारी डॉ प्रज्ञ कुल्हार, सहायक अभियंता अनिल कालेर,महेश कुमार सैनी, विजय बोला, अधिवक्ता होशियार सिंह, सहायक राजस्व अधिकारी इकबाल अली, सतवीर, विक्रम यादव और उपभोक्ता आयोग के सहायक प्रशासनिक अधिकारी भीम सिंह राजपुरोहित, वरिष्ठ सहायक चन्दन सैनी,कनिष्ठ सहायक महावीर मीणा, एजाज नबी, अमित शर्मा, मोहम्मद आदिल फारुकी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

रन फॉर विकसित राजस्थान व साइकिल दौड़ का आयोजन

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। राजस्थान सरकार के 2 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में रविवार को ' रन फॉर विकसित राजस्थान' का आयोजन जिला मुख्यालय के स्वर्ण जयंती स्टेडियम से शहीद स्मारक पार्क होते हुए वापस स्टेडियम तक किया गया। इसी प्रकार पर्यावरण बचाओ साइकिल चलाओ व साइकिल चलाओ सेहत बनाओ साइकिल दौड़ का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि झुंझुनू विधायक राजेंद्र भांबू, हर्षिनी कुलहरी और पार्षद अजय चाहर रहे। इस दौरान विधायक राजेंद्र भांबू ने सड़क सुरक्षा तथा नशा मुक्ति की शपथ दिलाई। अतिथियों की ओर से रन फार विकसित राजस्थान दौड़ व साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर विधायक राजेंद्र भाम्बू ने कहा कि भजनलाल सरकार के सुशासन पखवाड़े के तहत जिलेभर में विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इसी कड़ी में 'रन फॉर विकसित राजस्थान' के साथ-साथ 'साइकिल चलाओ, पर्यावरण बचाओ' यात्रा को भी रवाना किया गया है, जिसका उद्देश्य आमजन को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना है। कार्यक्रम के दौरान युवाओं को नशा मुक्ति की शपथ भी दिलाई गई। विधायक भाम्बू ने कहा कि स्वस्थ शरीर और स्वस्थ समाज से ही विकसित प्रदेश का निर्माण संभव है। उन्होंने कहा कि जब देश और प्रदेश का प्रत्येक नागरिक स्वस्थ रहेगा, तभी राजस्थान को विकसित राज्यों की श्रेणी में आगे ले जाया जा सकेगा। आयोजन के माध्यम से खेल, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया गया। इस दौरान उपनिदेशक कृषि राजेंद्र सिंह लांबा, जिला खेल अधिकारी राजेश ओला, सरवन नील, झुंझुनू नेहरू युवा केंद्र के सुरेश कुमार सेवानिवृत्त संयुक्त निदेशक शिक्षा हरिराम महण, परिवहन विभाग के रोहिताश्व, पुलिस उपाधीक्षक गोपाल ढाका, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी दामोदर जांगिड़, सुरेंद्र आबूसरिया, प्रशिक्षक आजाद सिंह, मालीराम ओला, विकास कुमार बुडानिया, मुखराम डांगी, विजेंद्र सिंह राव, लव कुमार जोशी, राजबाला, योगेश यादव, सोमेश कुमार, सुरेंद्र, राजेंद्र गुर्जर, भागीरथ, राजेंद्र गोदारा आदि उपस्थित रहे।

अवैध खनन व अवैध क्रशर कार्रवाई की जद से बाहर क्यों?

सिर्फ वैध इकाइयों पर ही लागू होते हैं प्रदूषण नियंत्रण कानून!

जयपुर टाइम्स

बिजौलियां(निस)। खनन, क्रशर और खनिज प्रसंस्करण गतिविधियाँ यदि नियमानुसार संचालित न हों तो पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा बन जाती हैं। आमतौर पर यह देखा जाता है कि प्रदूषण नियंत्रण विभाग की ओर से ज्यादातर वैध खदानों, वैध क्रशर और पंजीकृत प्रसंस्करण इकाइयों पर ही कार्रवाई की जाती है। इसके विपरित नियम-कायदों को दरकिनार कर संचालित किए जा रहे अवैध खनन और अवैध क्रशर पर कार्रवाई की जहमत नहीं उठाई जाती हैं। इससे सवाल उठना लाज़मी हैं कि प्रदूषण से जुड़े कानून अवैध खनन पर लागू क्यों नहीं होते हैं? अवैध खनन और अवैध क्रशर प्रायः बिना किसी पर्यावरणीय स्वीकृति, तकनीकी मानकों और प्रदूषण नियंत्रण उपायों के संचालित होते हैं। इनके कारण हवा में अत्यधिक धूल फैलती है, जल स्रोतों में मिट्टी और अपशिष्ट पहुँचता है, कृषि भूमि नष्ट होती है और आसपास के लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। कई मामलों में यह प्रदूषण वैध खनन की तुलना में कहीं अधिक गंभीर होता है, क्योंकि यहाँ किसी प्रकार की निगरानी या नियंत्रण व्यवस्था मौजूद नहीं होती हैं। खनिज मामलों के जानकार रामप्रसाद विजयवर्गीय बताते हैं कि पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कानून वैध और अवैध दोनों प्रकार की गतिविधियों पर समान रूप से लागू होते हैं।एयर (प्रिवेंशन एंड कंट्रोल ऑफ पॉल्युशन) एक्ट 1981 वायु प्रदूषण फैलाने वाली हर गतिविधि पर लागू होता है। वहीं वाटर (प्रिवेंशन एंड कंट्रोल ऑफ पॉल्युशन) एक्ट, 1974 जल स्रोतों को प्रदूषित करने पर रोक लगाता है। एनवायरनमेंट (प्रोटेक्शन) एक्ट, 1986 के अंतर्गत बिना अनुमति कोई भी खनन या औद्योगिक गतिविधि चलाना सीधा अपराध है। अर्थात् किसी इकाई का अवैध होना उसे कानून से मुक्त नहीं करता, बल्कि यह स्थिति उसे और अधिक दंडनीय बनाती है। इसके बाद भी कार्रवाई में असमानता होना सम्बंधित विभागों की लापरवाही या यूं कहें मिलीभगत को दर्शाती हैं ?व्यवहारिक स्तर पर कई बार यह तर्क दिया जाता है कि अवैध खनन खनिज विभाग या पुलिस का विषय हैं, प्रदूषण नियंत्रण विभाग का नहीं। कुछ मामलों में अवैध इकाइयों के पास कोई पंजीकरण या स्थायी रिकॉर्ड न होने का बहाना भी बनाया जाता है। इसके अतिरिक्त, विभागों के बीच समन्वय की कमी और स्थानीय स्तर पर प्रभाव या दबाव भी कार्रवाई को प्रभावित करता है। हालाँकि, ये सभी कारण कानून और पर्यावरण संरक्षण की भावना के अनुरूप नहीं हैं। पर्यावरण की रक्षा तभी संभव है जब वैध और अवैध दोनों प्रकार की प्रदूषणकारी गतिविधियों पर समान और सख्त कार्रवाई हो। इसके लिए खनन विभाग, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और पुलिस की ओर से संयुक्त कार्रवाई आवश्यक है। अवैध खनन पर केवल आर्थिक नुकसान का ही नहीं, बल्कि पर्यावरणीय क्षति का आकलन कर दंडात्मक कार्रवाई की जानी चाहिए। यह स्पष्ट है कि अवैध खनन और अवैध क्रशर से भी पर्यावरण को गंभीर नुकसान होता है और प्रदूषण से जुड़े सभी कानून इन पर पूरी तरह लागू होते हैं। केवल वैध इकाइयों पर कार्रवाई करना न तो न्यायसंगत है और न ही पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य को पूरा करता हैं।जब तक अवैध खनन पर प्रभावी और निष्पक्ष कार्रवाई नहीं होगी तब तक सरकारों के स्वच्छ पर्यावरण के प्रयास अधूरे रहेंगे।पर्यावरण की रक्षा सिर्फ कानून बनाने से नहीं, उसके निष्पक्ष पालन से ही सम्भव हैं।

किसानो के कल्याण के हिमायती थे चौधरी चरण सिंह

चौधरी चरण सिंह का जन्म 23 दिसम्बर 1902 को गाजियाबाद जिले के छोटे से गांव नूरपुर के एक किसान चौधरी मीरसिंह के घर हुआ था। बाद में उनका परिवार नूरपुर से जानी खुर्द गांव आकर बस गया था। 1928 में चौधरी चरण सिंह ने आगरा विश्वविद्यालय से कानून की शिक्षा लेकर गाजियाबाद में वकालत प्रारम्भ की। 1930 में महात्मा गांधी द्वारा नमक कानून तोडने के समर्थन में चरण सिंह ने हिण्डन नदी पर नमक बनाया जिस पर उन्हे 6 माह जेल की सजा हुई। 1940 के व्यक्तिगत सत्याग्रह में भी चरण सिंह गिरफ्तार किये गये। 1942 में अगस्त क्रांति के माहौल में चरण सिंह को गिरफ्तार कर डेढ़ वर्ष की सजा हुई। जेल में ही चौधरी चरण सिंह की लिखित पुस्तक शिष्टाचार भारतीय समाज में शिष्टाचार के नियमों का एक बहुमूल्य दस्तावेज है। चौधरी चरण सिंह को 1951 में उत्तर प्रदेश सरकार में न्याय एवं सूचना विभाग का कैबिनेट मंत्री बनाया गया। 1952 में डॉक्टर सम्पूर्णानंद के मुख्यमंत्रित्व काल में उन्हें राजस्व तथा कृषि विभाग का दायित्व मिला...

रमेश सर्राफ धमोरा

किसान राष्ट्र की जीवनधारा और 'अन्नदाता' के रूप में सम्मानित भारत की समृद्धि की नींव हैं। उनका अथक परिश्रम देश का पेट भरता हैं। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को कायम रखता है और हर घर की ताकत सुनिश्चित करता है। राष्ट्रीय किसान दिवस 23 दिसंबर को मनाया जाता है जो किसानों के अमूल्य योगदान का उत्?सव मनाता है। यह दिन भारत के पांचवें प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती है जो ग्रामीण मुद्दों की गहरी समझ और किसानों के कल्याण के लिए अटूट वकालत के लिए प्रसिद्ध हैं। यह हमारे किसानों के अटूट समर्पण का सम्मान करने और देश की प्रगति को आकार देने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानने का क्षण है।

देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह एक व्यक्ति नहीं विचारधारा थे। चौधरी चरण सिंह ने हमेशा यह साबित करने की कोशिश की थी कि किसानों को खुशहाल किए बिना देश का विकास नहीं हो सकता। उनकी नीति किसानों व गरीबों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने की थी। वो कहते थे कि देश की समृद्धि का रास्ता गांवों के खेतों और खलिहानों से होकर गुजरता है। उनका कहना था कि भ्रष्टाचार की कोई सीमा नहीं है। जिस देश के लोग भ्रष्ट होंगे वो देश कभी तरक्की नहीं कर सकता।

चौधरी चरण सिंह का जन्म 23 दिसम्बर 1902 को गाजियाबाद जिले के छोटे से गांव नूरपुर के एक किसान चौधरी मीरसिंह के घर हुआ था। बाद में उनका परिवार नूरपुर से जानी खुर्द गांव आकर बस गया था। 1928 में चौधरी चरण सिंह ने आगरा विश्वविद्यालय से कानून की शिक्षा लेकर गाजियाबाद में वकालत प्रारम्भ की। 1930 में महात्मा गांधी द्वारा नमक कानून तोडने के समर्थन में चरण सिंह ने हिण्डन नदी पर नमक बनाया जिस पर उन्हे 6 माह जेल की सजा हुई। 1940 के व्यक्तिगत सत्याग्रह में भी चरण सिंह गिरफ्तार किये गये। 1942 में अगस्त क्रांति के माहौल में चरण सिंह को गिरफ्तार कर डेढ़ वर्ष की सजा हुई। जेल में ही चौधरी चरण सिंह की लिखित पुस्तक शिष्टाचार भारतीय समाज में शिष्टाचार के नियमों का एक बहुमूल्य दस्तावेज है।

चौधरी चरण सिंह को 1951 में उत्तर प्रदेश सरकार में न्याय एवं सूचना विभाग का कैबिनेट मंत्री बनाया गया। 1952 में डॉक्टर सम्पूर्णानंद के मुख्यमंत्रित्व काल में उन्हें राजस्व तथा कृषि विभाग का दायित्व मिला। एक जुलाई 1952 को उत्तर प्रदेश में उनके बदौलत जमींदारी प्रथा का उन्मूलन हुआ और गरीबों को खेती करने के अधिकार मिले। 1954 में उन्होने किसानों के हित में उत्तर प्रदेश भूमि संरक्षण कानून को पारित कराया। चरण सिंह स्वभाव से भी कृषक थे तथा कृषक हितों के लिए अनवरत प्रयास करते रहे। 1960 में चंद्रभानु गुप्ता की सरकार में उन्हें गृह तथा कृषि मंत्री बनाया गया। उत्तर प्रदेश के किसान चरण सिंह को अपना रहनुमा मानते थे। उन्होंने कृषकों के कल्याण के लिए काफी कार्य किए। लोगों के लिए वो एक राजनीतिज्ञ से ज्यादा सामाजिक कार्यकर्ता थे। उनके भाषण को सुनने के लिये उनकी जनसभाओं में भारी भीड़ जुटा करती थी।

किसानो में चौधरी साहब के नाम से मशहूर चौधरी चरण सिंह 3 अप्रैल 1967 में पहली बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने थे। तब 1967 में पूरे देश में साम्प्रदायिक दंगे होने के बावजूद उत्तर प्रदेश में कहीं पत्ता भी नहीं हिल पाया था। 17 फरवरी 1970 को वे दूसरी बार मुख्यमंत्री बने। अपने सिद्धांतों से उन्होने कभी समझौता नहीं किया। 1977 में चुनाव के बाद जब केन्द्र में जनता पार्टी सत्ता में आई तो मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री बने और चरण सिंह को देश का गृह मंत्री बनाया गया। केन्द्र में गृहमंत्री बनने पर उन्होंने अल्पसंख्यक आयोग की स्थापना की। 1979 में वे उप प्रधानमंत्री बने। बाद में मोरारजी देसाई और चरण सिंह के मतभेद हो गये। 28 जुलाई 1979 से 14 जनवरी 1980 तक चौधरीचरण सिंह समाजवादी पार्टियों तथा कांग्रेस के सहयोग से भारत के पांचवें प्रधानमंत्री बने।

उन्होने किसानों की खुशहाली के लिए खेती पर बल दिया था। बचपन से ही उन्होंने गांव के किसानों, गरीबों के दुख: दर्द को नजदीकी से देखा जाना था। इसलिये उन्हें उनकी समस्याओं का बखूबी अहसास था। उनको जब कभी कहीं मौका मिलता वे गांव के किसानों की सेवा करने से नहीं चूकते थे। उनके दिल में हमेशा गांव के किसान ही बसे रहते थे। चौधरी चरण सिंह जीवन पर्यन्त गांधी टोपी धारण कर महात्मा गांधी के सच्चे अनुयायी बने रहे। किसानों को उनकी उपज का उचित दाम मिल सके इसके लिए भी वो बहुत गंभीर रहते थे। उनका कहना था कि भारत का सम्पूर्ण विकास तभी होगा जब किसान, मजदूर, गरीब सभी खुशहाल होंगे। चौधरी चरण सिंह की गिनती हमेशा एक ईमानदार राजनेता के तौर पर की जाती है। उन्होंने जीवन पर्यन्त किसानों की सेवा को ही अपना धर्म माना और अपने अंतिम समय तक देश के गांव में रहने वाले किसानों, गरीबों, दलितो, पीड़ितों की सेवा में ही पूरी जिंदगी गुजारी। चौधरी चरण सिंह जाति प्रथा के कट्टर खिलाफ थे।

चौधरी चरण सिंह एक कुशल लेखक भी थे। उनका अंग्रेजी भाषा पर अच्छा अधिकार था। उन्होंने कई पुस्तकों का लेखन भी किया। 29 मई 1987 को 84 वर्ष की उम्र में जब उनका देहान्त हुआ तो देश के किसानो ने सरकार में पैरवी करने वाला अपना नेता खो दिया था। लोगों का मानना था कि चरण सिंह से राजनीतिक गलतियां हो सकती हैं लेकिन चारित्रिक रूप से उन्होंने कभी कोई गलती नहीं की। इतिहास में उनका नाम प्रधानमंत्री से ज्यादा एक किसान नेता के रूप में जाना जाता है। चौधरी चरण सिंह ने ही भ्रष्टाचार के खिलाफ सबसे पहले आवाज बुलन्द करते हुये आह्वान किया था कि भ्रष्टाचार का अन्त ही देश को आगे ले जा सकता है।

भारत एक कृषि प्रधान देश है। भारत की 60 प्रतिशत जनता गांवों में रहती है। हमारी सम्पन्नता हमारे कृषि और किसानों पर निर्भर करती है। भारतीय किसान का सर्वत्र सम्मान होता है। ये दिन रात कड़ी मेहनत कर सम्पूर्ण भारतवासियों के लिए अन्न एवं सब्जियां उत्पन्न करता हैं। किसानों को कठिन परिश्रम के पश्चात भी बहुत कम लाभ होता है। किसानों को आज भी कई तरह के मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। आज देश के किसान कर्ज में डूबे हुये हैं। उनको उनकी उपज का पूरा दाम नहीं मिल पाता है। अपनी खराब आर्थिक स्थिति के चलते देश में बड़ी संख्या में किसान आत्महत्या करने को मजबूर हो रहें हैं। चुनाव के समय राजनीतिक पार्टियां किसानो को झांसा देकर उनके वोट बटोर लेती है। फिर किसी का ध्यान किसानो की समस्याओं के समाधान करने की तरफ नहीं जाता है। ऐसे में आज देश के किसानो को चौधरी चरणसिंह जैसे सच्चे किसान हितैषी नेता की जरूरत है। जो उनके हक में खड़ा होकर किसानो की आवाज बुलन्द कर सके व उनका वाजिब हक दिला सके। चौधरी चरण सिंह इंदिरा गांधी के सहयोग से कुछ समय के लिये देश के प्रधानमंत्री बन कर उन्होने देश में पहली बार कांग्रेस के खिलाफ बने एक मजबूत गठबंधन को तोड़ा था। उससे उनकी प्रतिष्ठा को भी गहरा आघात पहुंचा था।

अटल बिहारी बाजपेयी की सरकार ने 2001 में हर वर्ष 23 दिसम्बर को चौधरी चरण सिंह की जयंती को राष्ट्रीय किसान दिवस के रूप में मनाने की जो परम्परा शुरू की थी उससे जरूर उनको साल में एक दिन याद किया जाने लगा है। चौधरी चरण सिंह जैसे किसानो के बड़े नेता द्वारा किसानो के हित में किये गये कायों को देखते हुये वर्षो पूर्व ही उनको भारत रत्न सम्मान मिलना चाहिये था। मगर सरकारों की अनदेखी के चलते उनको वर्षों तक उचित सम्मान नहीं मिल पाया। नरेन्द्र मोदी सरकार ने चौधरी चरण सिंह जैसे सच्चे बड़े व सच्चें किसान नेता को भारत रत्न प्रदान कर सच्ची श्रृद्धांजलि अर्पित की है। इससे देश के करोड़ों किसानों के साथ ही सरकार का भी सम्मान बढ़ा है।

जंगल से जुड़ती सड़कें: प्रगति और संरक्षण का मध्य प्रदेश मॉडल

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

भारत के हृदय में बसा मध्य प्रदेश आज विकास और संरक्षण के अद्भुत संतुलन की मिसाल बनकर उभर रहा है। यह वही भूमि है जिसे 'टाइगर स्टेट' के रूप में जाना जाता है, और जो अब बाघों के प्राचीन वन-पथों को सुरक्षित रखने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठा रही है। यहां सड़कें केवल मनुष्यों की यात्रा का साधन नहीं रहीं, बल्कि जंगल के राजा को निर्बाध और सुरक्षित आवागमन का भरोसा भी देती हैं। देश का पहला राज्य-स्तरीय मल्टी-नेशनल पार्क टाइगर कॉरिडोर और भारत का पहला वन्यजीव-सुरक्षित राजमार्ग इस सोच को साकार करते हैं। ये पहलें केवल बढ़ती बाघ आबादी के संरक्षण का माध्यम नहीं हैं, बल्कि उस दूरदर्शी दृष्टिकोण का प्रतीक हैं जहां विकास और प्रकृति साथ-साथ चलते हैं, और इंसान व जंगल एक-दूसरे के सहयात्री बनते हैं।

मध्य प्रदेश में बाघों की दुनिया सदैव सशक्त और जीवंत रही है। कान्हा, बांधवगढ़, पेंच और पन्ना जैसे टाइगर रिजर्व राज्य की पहचान और गौरव हैं। लेकिन जैसे-जैसे बाघों की संख्या बढ़ी–2022 की गणना में 785 बाघों के साथ राज्य देश में शीर्ष पर रहा–वैसे-वैसे उनके सुरक्षित आवागमन की आवश्यकता और भी गंभीर हो गई। जंगल खंडों में बंट चुके हैं और राजमार्ग उन्हें चीरते हुए गुजरते हैं। ऐसे में हाल ही में घोषित टाइगर कॉरिडोर एक ऐतिहासिक पहल बनकर सामने आया है। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने अगस्त 2025 में 961 किलोमीटर लंबे चार-लेन कॉरिडोर की घोषणा की, जो कान्हा, बांधवगढ़, पन्ना और पेंच को आपस में जोड़ेगा। 5,500 करोड़ रुपये की यह परियोजना न केवल पर्यटन को नई ऊंचाई देगी, बल्कि सुबह कान्हा और शाम बांधवगढ़ में सफारी का सपना भी साकार करेगी। लेकिन यह कॉरिडोर महज़ एक सड़क नहीं, बल्कि वन्यजीवन की जीवनरेखा है। दिसंबर 2025 में सार्वजनिक कार्य विभाग मंत्री राकेश सिंह ने घोषणा की कि मध्य प्रदेश देश का पहला राज्य-स्तरीय टाइगर कॉरिडोर विकसित कर रहा है, जो राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और पीडब्ल्यूडी के सहयोग से बनेगा। इसमें वन क्षेत्रों में अंडरपास, धीमी गति वाले जोन और वन्यजीव-सुरक्षित डिजाइन शामिल होंगे। यह मल्टी-नेशनल पार्क कॉरिडोर बाघों की गति, पर्यटन और स्थानीय कनेक्टिविटी के बीच संतुलन साधेगा। इको-टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगा, स्थानीय अर्थव्यवस्था सशक्त होगी और गांवों तक पहुंच सुगम बनेगी। यह गलियारा केवल बाघों के लिए नहीं, बल्कि हिरण, सांभर, जंगली सूअर और अन्य प्रजातियों के लिए भी सुरक्षित मार्ग बनेगा। इसी दिशा में एनएच-45 पर विकसित भारत का पहला वन्यजीव-सुरक्षित राजमार्ग एक अनूठा प्रयोग है। भोपाल-जबलपुर को जोड़ने वाली इस सड़क का 12 किलोमीटर लंबा हिरन-सिंदूर खंड नौरादेही वन्यजीव अभयारण्य और वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व से होकर गुजरता है। यहां 122 करोड़ रुपये की लागत से टेबल-टॉप लाल रोड मार्किंग्स लगाई गई हैं–जो भारत में पहली बार हैं। ये लाल पट्टियां ऊंची नहीं हैं, लेकिन इतनी उभरी हुई हैं कि वाहन स्वाभाविक रूप से धीमे हो जाते हैं। लाल रंग का चयन सोच-समझकर किया गया, क्योंकि यह तुरंत ध्यान आकर्षित करता है और चालकों को चेतावनी देता है कि वे वन्यजीव क्षेत्र में प्रवेश कर रहे हैं। पारंपरिक स्पीड ब्रेकरों की तरह झटका नहीं लगता, बल्कि गति सहज रूप से नियंत्रित हो जाती है। इसके साथ 25 वन्यजीव अंडरपास बनाए गए हैं, जिनसे जानवर सड़क के नीचे से सुरक्षित आवागमन कर सकें। दोनों ओर आठ फीट ऊंची लोहे की बाड़ लगाई गई है, जो उन्हें स्वाभाविक रूप से अंडरपास की दिशा में मार्गदर्शित करती है। छोटे पुलों पर लगाए गए कैमरे वन्यजीवों की गतिविधियों पर निरंतर नजर रखते हैं। मध्य प्रदेश में पशु-वाहन टक्करें एक बड़ी समस्या रही हैं–पिछले दो वर्षों में ऐसे 237 मामले दर्ज हुए, जिनमें 94 मौतें हुईं। ये आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि ऐसी पहल कितनी अनिवार्य थी। ग्रीन हाईवे पॉलिसी 2015 के तहत यदि यह प्रयोग सफल रहता है, तो इसे देशभर के जंगली राजमार्गों पर लागू किया जा सकता है। ये पहलें केवल इंजीनियरिंग की उपलब्धि नहीं, बल्कि एक सोच का परिवर्तन हैं। जहां कभी विकास और संरक्षण आमने-सामने खड़े दिखते थे, आज वे एक-दूसरे के सहायक बनते नजर आ रहे हैं। बाघों की बढ़ती संख्या–जो अब 3,682 तक पहुंच चुकी है और विश्व की 75' आबादी का प्रतिनिधित्व करती है–इस बात का प्रमाण है कि 1973 से चला आ रहा प्रोजेक्ट टाइगर सफल रहा है। फिर भी चुनौतियां कम नहीं हैं। केवल 2025 में ही राज्य में 54 बाघों की मौत हुई, जो अब तक का सर्वाधिक आंकड़ा है। क्षेत्रीय संघर्ष, अवैध शिकार और कभी-कभी खनन परियोजनाएं अब भी खतरा बनी हुई हैं। इसके बावजूद, ये नए कॉरिडोर और सुरक्षित सड़कें भविष्य के प्रति आशा जगाती हैं। स्थानीय समुदायों की भागीदारी इस प्रयास को और भी अर्थपूर्ण बनाती है। इको-टूरिज्म से रोजगार के अवसर सृजित होंगे और गांववाले ग्रीन कॉरिडोर के संरक्षक बनेंगे। बच्चे स्कूल जाते हुए लाल सड़क पर देखेंगे कि इंसान किस तरह जंगल के साथ सहअस्तित्व सीख रहा है। एक बाघ का सुरक्षित गुजरना केवल उसकी जान नहीं बचाता, बल्कि पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ करता है–क्योंकि जहां बाघ होते हैं, वहां जंगल जीवित रहते हैं। यह कहानी केवल मध्य प्रदेश तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे भारत की है। यहां लाल रंग की सड़कें अब खतरे का नहीं, बल्कि जीवन का संकेत बन रही हैं। यहां टाइगर कॉरिडोर बाघों को नहीं, हमें यह याद दिलाता है कि हम प्रकृति के स्वामी नहीं, उसके मेहमान हैं। यदि इन पहलों को आगे बढ़ाया गया, तो आने वाली पीढ़ियां न केवल बाघों की दहाड़ सुनेंगी, बल्कि एक संतुलित और स्वस्थ दुनिया में सांस भी लेंगी। यह एक नई शुरुआत है–जंगल और सड़क का अनोखा संगम, जहां विकास की गति प्रकृति के साथ कदम मिलाकर आगे बढ़ रही है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था व्यापार तथा युद्ध पर अवलंबित, आवश्यकताओं पर निर्भर रिश्ते

संजीव ठाकुर, वरिष्ठ पत्रकार

विश्व आज जिस मोड़ पर खड़ा है वहाँ रिश्तों की भाषा धीरे-धीरे संविदाओं, समझौतों, अनुबंधों और लाभ-हानि के गणित में बदल चुकी है। मानवीय संवेदना, सांस्कृतिक आत्मीयता और नैतिक दायित्वों की जगह सामरिक हितों और व्यापारिक समीकरणों ने ले ली है। वैश्विक व्यवस्था अब मित्र-शत्रु की नहीं बल्कि उपभोक्ता-आपूर्तिकर्ता, निवेशक-बाज़ार और शक्ति-संतुलन की भाषा में स्वयं को परिभाषित कर रही है, अमेरिका, रूस और चीन जैसे महाशक्तियों से लेकर भारत, यूरोप और सऊदी अरब तक सभी राष्ट्र या तो युद्ध की आशंका से संचालित हैं या व्यापार की अनिवार्यता से, और अक्सर दोनों एक-दूसरे में इस तरह गुंथे हुए हैं कि अलग-अलग पहचानना कठिन हो गया है।शीत युद्ध के बाद यह आशा की गई थी कि विश्व सहयोग, बहुपक्षीयता और साझा विकास की दिशा में आगे बढ़ेगा किंतु इक्कीसवीं सदी का यथार्थ बताता है कि तकनीक, ऊर्जा, हथियार, दुर्लभ खनिज, खाद्य सुरक्षा और जलवायु जैसे मुद्दे नए प्रकार के संघर्षों को जन्म दे रहे हैं जहाँ युद्ध केवल बंदूकों और मिसाइलों से नहीं बल्कि प्रतिबंधों, टैरिफ़, आपूर्ति श्रृंखलाओं के अवरोध, साइबर आक्रमण और सूचना युद्ध से लड़े जा रहे हैं।

अमेरिका वैश्विक मुद्रा व्यवस्था, तकनीकी वर्चस्व और सैन्य गठबंधनों के माध्यम से अपनी स्थिति बनाए रखना चाहता है जबकि चीन उत्पादन, निर्यात, आधारभूत ढाँचे और नवाचार के बल पर विश्व बाज़ार का केंद्र बनने की ओर अग्रसर है। रूस ऊर्जा संसाधनों और सामरिक शक्ति को अपने प्रभाव का आधार बनाकर पश्चिमी वर्चस्व को चुनौती देता है, यूरोप सुरक्षा के लिए नाटो पर निर्भर रहते हुए भी ऊर्जा, आप्रवासन और आर्थिक मंदी की दुविधाओं से जूझ रहा है, (भारत एक ओर आत्मनिर्भरता और बहुपक्षीय संतुलन की नीति अपनाते हुए वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में विश्वसनीय भागीदार बनना चाहता है तो दूसरी ओर अपनी सीमाओं और सुरक्षा को लेकर सतर्क है) । सऊदी अरब और खाड़ी देश तेल और गैस के माध्यम से वैश्विक राजनीति में निर्णायक भूमिका निभाते हुए धीरे-धीरे अर्थव्यवस्था के विविधीकरण और तकनीकी निवेश की ओर बढ़ रहे हैं, इन सभी उदाहरणों में एक साझा सूत्र यह है कि रिश्ते स्थायी नहीं रहे, हित स्थायी हो गए हैं, आज कोई देश दूसरे देश का मित्र इसलिए नहीं है कि उसके साथ ऐतिहासिक या सांस्कृतिक निकटता है बल्कि इसलिए है कि उससे उसे ऊर्जा मिलती है, बाज़ार मिलता है, तकनीक मिलती है या सुरक्षा की गारंटी मिलती है, युद्ध भी अब केवल भूभाग या विचारधारा के लिए नहीं बल्कि संसाधनों, प्रभाव क्षेत्रों और आपूर्ति मार्गों के नियंत्रण के लिए लड़े जा रहे हैं, यूक्रेन संघर्ष ने यह स्पष्ट कर दिया कि एक क्षेत्रीय युद्ध कैसे वैश्विक ऊर्जा कीमतों, खाद्यान्न आपूर्ति और मुद्रास्फीति को प्रभावित कर सकता है, मध्य-पूर्व की अस्थिरता दिखाती है कि तेल, धर्म, भू-राजनीति और हथियार उद्योग कैसे एक-दूसरे को पोषित करते हैं, एशिया-प्रशांत क्षेत्र में तनाव यह संकेत देता है कि तकनीकी श्रेष्ठता और समुद्री मार्गों का नियंत्रण आने वाले समय की सबसे बड़ी रणनीतिक चुनौती है, विज्ञान और तकनीक जो कभी मानव कल्याण के साधन माने जाते थे आज वे भी सामरिक प्रतिस्पर्धा के उपकरण बन गए हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अर्धचालक, अंतरिक्ष तकनीक और जैव-प्रौद्योगिकी पर नियंत्रण अब राष्ट्रों की शक्ति का नया पैमाना है, जो देश इन क्षेत्रों में आगे है वही वैश्विक नियम तय करने की क्षमता रखता है, व्यापार अब केवल वस्तुओं का लेन-देन नहीं रहा बल्कि मूल्यों, मानकों और निर्भरता का निर्माण बन गया है, जब कोई देश किसी दूसरे देश पर तकनीक या कच्चे माल के लिए निर्भर होता है तो उसकी विदेश नीति स्वतः ही सीमित हो जाती है, इसी कारण आत्मनिर्भरता की बातें बढ़ी हैं किंतु पूर्ण आत्मनिर्भरता आज के वैश्विक ताने-बाने में एक भ्रम जैसी प्रतीत होती है, वास्तविकता यह है कि विश्व परस्पर निर्भर है पर यह निर्भरता समान नहीं है, कहीं कोई देश नियम बनाता है तो कहीं कोई देश केवल उनका पालन करता है, इस असमानता ने अविश्वास को जन्म दिया है और अविश्वास ने हथियारों की दौड़, संरक्षणवाद और क्षेत्रीय गठबंधनों को, संयुक्त राष्ट्र और अन्य वैश्विक संस्थाएँ इन जटिलताओं के सामने अक्सर असहाय दिखाई देती हैं क्योंकि उनके निर्णय भी शक्तिशाली देशों के हितों से प्रभावित होते हैं। मानवीय संकट, शरणार्थी समस्या और जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दे भी तब तक प्राथमिकता नहीं बन पाते जब तक वे किसी बड़े राष्ट्र के व्यापार या सुरक्षा हितों से सीधे न टकराएँ, इस पूरी स्थिति में आम मनुष्य कहीं हाशिये पर चला गया है, उसके लिए युद्ध का अर्थ है महँगाई, बेरोज़गारी और असुरक्षा और व्यापार का अर्थ है अनिश्चितता, असमानता और प्रतिस्पर्धा का दबाव, फिर भी आशा पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है क्योंकि इतिहास साक्षी है कि अति-व्यापारिक सोच और निरंतर संघर्ष अंततः स्वयं को ही क्षति पहुँचाते हैं, यदि विश्व को दीर्घकालिक शांति और स्थिरता चाहिए तो उसे यह समझना होगा कि व्यापार साधन है लक्ष्य नहीं और सुरक्षा शक्ति से अधिक विश्वास से आती है, सामरिक सोच में मानवीय विवेक और वैज्ञानिक प्रगति में नैतिकता का समावेश ही इस दौर की सबसे बड़ी आवश्यकता है, अन्यथा यह दुनिया रिश्तों के अभाव में केवल सौदों की मंडी बनकर रह जाएगी जहाँ हर सौदा अस्थायी होगा और हर शांति अगले युद्ध की भूमिका।

अनंत के स्वामी: रामानुजन और गणित का अविचल दीप

रामानुजन के लिए गणित एक आध्यात्मिक अनुभूति थी। वे मानते थे कि उनके सूत्र किसी बौद्धिक प्रयास का परिणाम नहीं, बल्कि ईश्वरीय अनुकंपा का प्रसाद हैं। उनकी कुलदेवी नमगिरि उनके लिए प्रेरणा का स्रोत थीं। वे गणित और ईश्वर को अलग-अलग नहीं देखते थे; उनके लिए दोनों एक ही सत्य के दो रूप थे। अनंत श्रेणियाँ, निरंतर भिन्न, विभाजन फलन, मॉड्यूलर समीकरण और मॉक थीटा फलन–ये सब उनके लिए केवल गणितीय संरचनाएँ नहीं थीं, बल्कि ब्रह्मांड की उस भाषा के अक्षर थे, जिनमें सृष्टि स्वयं संवाद करती है। श्र (पाई) के लिए दी गई उनकी श्रृंखलाएँ आज भी आधुनिक गणना प्रणालियों का आधार हैं, और उनके सिद्धांत आधुनिक भौतिकी से लेकर ब्रह्मांड विज्ञान तक में प्रयुक्त हो रहे हैं। 1913 में लिखा गया उनका पत्र गणित के इतिहास की दिशा बदल देने वाला सिद्ध हुआ। जब यह पत्र कैम्ब्रिज के महान गणितज्ञ जी. एच. हार्डी के हाथ लगा, तो वे पहले चकित हुए, फिर विस्मित और अंततः नतमस्तक।

जब मानवीय चेतना अपनी सीमाओं को लाँघकर अनंत से संवाद करने लगती है, तब इतिहास ऐसे महामानव को जन्म देता है जो गणित को केवल गणना नहीं, बल्कि साधना, दर्शन और आत्मानुभूति का शिखर बना देता है। ऐसे ही संख्याओं के द्रष्टा थे श्रीनिवास रामानुजन–सूत्रों के तपस्वी और अनदेखे सत्य के उद्घोषक। 22 दिसंबर उस दिव्य अवसर का स्मरण कराता है जब भारत की धरती पर ऐसी विलक्षण प्रतिभा का अवतरण हुआ, जिसने यह सिद्ध कर दिया कि मानवीय मस्तिष्क की कोई सीमा नहीं होती, उसकी संभावनाएँ अनंत होती हैं। रामानुजन केवल गणितज्ञ नहीं थे; वे संख्याओं के द्रष्टा थे–ऐसे द्रष्टा जिन्होंने अनंत को केवल अनुभूत ही नहीं किया, बल्कि उसे सूत्रों, प्रतीकों और विचारों के माध्यम से संपूर्ण मानवता के लिए साकार कर दिया। रामानुजन का जीवन इस सत्य का जीवंत प्रमाण है कि प्रतिभा सुविधाओं की दासी नहीं होती। तमिलनाडु के इरोड नगर में जन्मे उस बालक के पास न धन था, न प्रतिष्ठित शिक्षा संस्थान, न ही कोई अकादमिक संरक्षण। फिर भी उसके भीतर एक ऐसी अग्नि जल रही थी, जो किसी भी बाधा से बुझने वाली नहीं थी। आर्थिक तंगी, सामाजिक सीमाएँ और औपचारिक शिक्षा की कमी–ये सब उसके मार्ग की कठिनाइयाँ थीं, पर उसकी जिज्ञासा, उसका विश्वास और उसकी एकाग्रता उससे कहीं अधिक प्रबल थे। जहाँ सामान्य मनुष्य परिस्थितियों के आगे झुक जाता है, वहीं रामानुजन ने परिस्थितियों को अपने सामने झुकने पर विवश कर दिया। बचपन से ही संख्याएँ उनके लिए मात्र अंक नहीं थीं। वे उनके मित्र थीं, उनके स्वप्न थीं, उनका संसार थीं। जहाँ अन्य बच्चे खेल-कूद में मग्न रहते, वहीं रामानुजन संख्याओं की आंतरिक संरचना को समझने में लीन रहते। स्कूल की गणित उनके लिए शीघ्र ही अपर्याप्त सिद्ध हुई, और उन्होंने स्वयं ज्ञान की खोज आरंभ की। पंद्रह वर्ष की आयु में जब उन्हें जी. एस. कार की प्रसिद्ध गणितीय पुस्तक प्राप्त हुई, तो वह उनके लिए केवल पुस्तक नहीं रही–वह उनके जीवन का मार्गदर्शक ग्रंथ बन गई। उसी क्षण से उनकी नोटबुक्स में ऐसे सूत्र उतरने लगे, जिन्हें समझने में विश्व को आने वाले दशकों तक संघर्ष करना पड़ा। रामानुजन के लिए गणित एक आध्यात्मिक अनुभूति थी। वे मानते थे कि उनके सूत्र किसी बौद्धिक प्रयास का परिणाम नहीं, बल्कि ईश्वरीय अनुकंपा का प्रसाद हैं। उनकी कुलदेवी नमगिरि उनके लिए प्रेरणा का स्रोत थीं। वे गणित और ईश्वर को अलग-अलग नहीं देखते थे; उनके लिए दोनों एक ही सत्य के दो रूप थे। अनंत श्रेणियाँ, निरंतर भिन्न, विभाजन फलन, मॉड्यूलर समीकरण और मॉक थीटा फलन–ये सब उनके लिए केवल गणितीय संरचनाएँ नहीं थीं, बल्कि ब्रह्मांड की उस भाषा के अक्षर थे, जिनमें सृष्टि स्वयं संवाद करती है। श्र (पाई) के लिए दी गई उनकी श्रृंखलाएँ आज भी आधुनिक गणना प्रणालियों का आधार हैं, और उनके सिद्धांत आधुनिक भौतिकी से लेकर ब्रह्मांड विज्ञान तक में प्रयुक्त हो रहे हैं। 1913 में लिखा गया उनका पत्र गणित के इतिहास की दिशा बदल देने वाला सिद्ध हुआ। जब यह पत्र कैम्ब्रिज के महान गणितज्ञ जी. एच. हार्डी के हाथ लगा, तो वे पहले चकित हुए, फिर विस्मित और अंततः नतमस्तक। दर्जनों मौलिक सूत्रों से भरे उस पत्र ने यह स्पष्ट कर दिया कि प्रतिभा किसी भौगोलिक सीमा की मोहताज नहीं होती। कैम्ब्रिज में हार्डी और रामानुजन की जोड़ी ने संख्या सिद्धांत को नई ऊँचाइयाँ दीं। हार्डी-रामानुजन सूत्र आज भी गणित की आधारशिला माने जाते हैं। स्वयं हार्डी ने स्वीकार किया कि रामानुजन जैसी प्रतिभा जीवन में एक बार मिलती है–या शायद कभी नहीं। रामानुजन की नोटबुक्स केवल काग़ज़ों का संग्रह नहीं, बल्कि गणित के भविष्य का उद्घोष हैं। उनमें संचित हजारों सूत्र इस सत्य की साक्षी हैं कि उनकी दृष्टि अपने युग की सीमाओं से बहुत आगे तक पहुँच चुकी थी। उनकी मॉक थीटा फलन जैसी गूढ़ अवधारणाएँ इक्कीसवीं सदी में जाकर अपनी सम्पूर्ण अर्थवत्ता में समझी जा सकीं, जो इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि रामानुजन किसी एक कालखंड के गणितज्ञ नहीं थे। वे गणित के आने वाले युगों के शिल्पकार थे–ऐसे दूरदर्शी जिनका सृजन समय से आगे चल रहा था। उनका कार्य आज भी विश्वभर के शोधकर्ताओं को नई दिशाएँ प्रदान करता है और यह सिद्ध करता है कि सच्ची प्रतिभा घड़ी की सुइयों से नहीं बँधती, वह समय को स्वयं दिशा देती है। इसी असाधारण योगदान के सम्मान में 22 दिसंबर को राष्ट्रीय गणित दिवस घोषित किया गया। यह निर्णय केवल एक महान व्यक्ति को सम्मान देने का औपचारिक कार्य नहीं, बल्कि उस दृष्टिकोण का सार्वजनिक स्वीकार है जो गणित को भय का विषय नहीं, बल्कि संभावनाओं का संसार मानता है। यह दिन विद्यार्थियों को यह संदेश देता है कि गणित याद करने का नहीं, बल्कि सोचने, प्रश्न करने और खोजने का विषय है। रामानुजन का जीवन हमें सिखाता है कि साधन सीमित हो सकते हैं, परिस्थितियाँ कठिन हो सकती हैं, किंतु यदि संकल्प असीम हो, तो असंभव जैसा कुछ भी नहीं रह जाता। आज, 22 दिसंबर को, जब हम श्रीनिवास रामानुजन की जयंती का स्मरण करते हैं, तब हम केवल एक महान गणितज्ञ को याद नहीं करते–हम उस चेतना को नमन करते हैं जिसने संख्याओं को आत्मा दी। हम उस अनंत दीप के सम्मुख नतमस्तक होते हैं, जो गणित के मंदिर में युगों से प्रज्वलित है और युगों तक प्रज्वलित रहेगा। समय बदलेगा, सिद्धांत विकसित होंगे, तकनीक नई ऊँचाइयों को छुएगी, किंतु रामानुजन की साधना, उनका तेज और उनकी प्रेरणा कभी क्षीण नहीं होगी। जब तक संख्याएँ जीवित रहेंगी, जब तक समीकरण गूँजते रहेंगे, श्रीनिवास रामानुजन अमर रहेंगे–अनंत को स्पर्श कर उसे संपूर्ण मानवता को अर्पित करने वाले महामानव के रूप में।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

दक्ष कैपिटल्स ने क्रिकेट लेजेंड को तीन विकेट से हराया

जयपुर टाइम्स

सांगानेर(निस)। कस्बे के डिग्गी मालपुरा स्टेट हाईवे पर स्थित रोहिणी नगर प्रथम रेनवाल मांजी में रेनवाल प्रीमियर लीग-1 के दूसरे दिन पांच टीमों के मैचों का आयोजन किया गया। सर्व समाज क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है।क्रिकेट प्रतियोगिता में 10 टीम में भाग ले रही है। दक्ष कैपिटलस ने टॉस जीतकर पहले क्रिकेट लेजेंड टीम को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। क्रिकेट लेजेंड ने बल्लेबाजी करते हुए 87 रन का स्कोर बनाया। जवाब में दक्ष कैपिटल्स ने तीन विकेट से जीत हासिल की। मैन ऑफ द मैच राहुल प्रजापत रहे। जिन्होंने पांच विकेट हासिल किए। रेनवाल प्रीमियर लीग के दूसरे दिन का अंतिम मैच आर आर इलेवन व वीर तेजा क्रिकेट के बीच खेला गया। जिसमें आर आर इलेवन टीम विजेता रही और विशाल हेडिया मैन ऑफ द मैच रहे।रेनवाल प्रीमियर लीग -1 देखने के लिए क्रिकेट प्रेमियों की भीड़ उपस्थित रही।

गौशाला मार्ग पर गोवंश से बढ़ा हादसे का खतरा, प्रशासन कर रहा नजरअंदाज

जयपुर टाइम्स

फुलेरा(निस)। स्कूल खेल मैदान के पास स्थित अंडरपास कार्य के चलते बंद है, जिससे नागरिकों को हरसिद्धि गौशाला मार्ग से होकर आवागमन करना पड़ रहा है। इस मार्ग पर गौशालाओं की ओर से गोवंश खुले में छोड़े जाने से सड़क पर गाय-सांडों का जमावड़ा लगा रहता है। अचानक सड़क पर आने वाले जानवरों के कारण दोपहिया वाहन चालकों व राहगीरों के लिए गंभीर हादसे का खतरा बना हुआ है। स्थानीय लोगों ने बार-बार शिकायत करने के बावजूद गौशाला प्रबंधन और स्थानीय प्रशासन की निष्क्रियता पर नाराजगी जताई है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई, तो किसी बड़े हादसे की जिम्मेदारी सीधे प्रशासन की होगी। नागरिक अब प्रशासन से तत्काल और सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं, ताकि किसी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

अजमेर एसीबी की बड़ी कार्रवाई

हरियाणा की साइबर पुलिस को कुचामन में 6 लाख की रिश्वत लेते पकड़ा

जयपुर टाइम्स

नावांशहर(निस)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो अजमेर ने कुचामन क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए हरियाणा के जिला सिरसा की साइबर क्राइम थाना टीम को 6 लाख की संदिग्ध रिश्वत राशि के साथ रंगे हाथों पकड़ा है। एसीबी एसपी डॉ. महावीर सिंह राणावत के निर्देश और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वंदना भाटी के सुपरविजन में पुलिस निरीक्षक नरेंद्र सिंह के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। एसीबी मुख्यालय को गोपनीय सूचना मिली थी कि हरियाणा में दर्ज साइबर क्राइम प्रकरणों की जांच व आरोपियों की तलाश के बहाने हरियाणा पुलिस का स्टाफ राजस्थान आया हुआ है और संदिग्ध व्यक्तियों को डरा- धमकाकर अवैध रूप से रिश्वत वसूल कर हरियाणा लौट रहा है। सूचना के सत्यापन के बाद एसीबी अजमेर टीम ने डीडवाना- कुचामन जिले के कुचामन सिटी थाना क्षेत्र में आकस्मिक चेकिंग की। इस दौरान पुलिस थाना साइबर क्राइम सिरसा (हरियाणा) के उप निरीक्षक सुरेन्द्र कुमार व उनके अन्य स्टाफ सदस्यों को 6,00,000 की अवैध संदिग्ध रिश्वत राशि का परिवहन करते हुए पकड़ा गया। एसीबी महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि बरामद राशि के संबंध में पूछताछ और वैधानिक कार्रवाई जारी है। मामले में आगे की जांच एसीबी की ओर से की जा रही है।

ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण में सक्रिय योगदान दें आमजन: विधायक खंडेलवाल

जयपुर टाइम्स

बिजौलियां(निस)। राजस्थान सरकार की ओर से सुशासन के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में नगर पालिका की ओर से ऐतिहासिक रियासतकालीन परकोटे की सफाई एवं संरक्षण के लिए रविवार को जन सहयोग से स्वच्छता व श्रमदान अभियान आयोजित किया गया। बड़े दरवाजे व परकोटे क्षेत्र की व्यापक सफाई की गई। भाजपा नेत्री हर्षेंद्रा कुमारी,कुं.मृत्युंजय सिंह, वेदप्रकाश तिवाड़ी, मनोज गोधा, यशवंत पुंगलिया समेत अनेक नागरिक मौजूद रहे। इस दौरान बड़े दरवाजे पर लगे पुराने ध्वज को सम्मानपूर्वक उतारकर नवीन ध्वज फहराया गया। अधिशाषी अधिकारी पंकज कुमार मंगल ने बताया कि यह पहल किसी सरकारी योजना के अंतर्गत संचालित नहीं हैं, बल्कि पूरी तरह से एक जन अभियान हैं। इस अवसर पर विधायक गोपाल खंडेलवाल ने कार्यक्रम में आमजन के उत्साह, समर्पण और सहभागिता की सराहना की। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस जन अभियान से जुड़ें तथा ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण व संवर्धन में अपना सक्रिय योगदान दें।

गौ सेवा को भावनात्मक नहीं, नीतिगत और जन आंदोलन का विषय बनाया जाए: अजीत महापात्र

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय गौ सेवा प्रमुख अजीत महापात्र ने कहा कि वर्तमान समय में गौ सेवा को भावनात्मक नहीं, बल्कि नीतिगत, सामाजिक और व्यवहारिक आधार पर आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि गौ संरक्षण केवल गोशालाओं तक सीमित न रहकर घर, मंदिर, कृषि और सरकारी नीतियों से जुड़ा विषय बनना चाहिए। महापात्र रविवार को पाथेय कण संस्थान के नारद सभागार में आयोजित हस्तीमल स्मृति ईश्वर सृष्टि सम्मान एवं अमृतमयी गौ भारती ग्रंथ के विमोचन समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि देश में बड़ी संख्या में गोभक्त, संत, मठ- मंदिर और गोशालाएं मौजूद हैं, इसके बावजूद देशी गोवंश की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि गोशालाओं में देशी गोवंश और विदेशी नस्लों के पशुओं की स्पष्ट पहचान की जाए और उनके लिए अलग-अलग व्यवस्थाएं हों। देशी गोवंश के संरक्षण और

संवर्धन को प्राथमिकता देना सरकार का दायित्व है। उन्होंने कहा कि कृषि, दुग्ध उत्पादन और धार्मिक अनुष्ठानों में गौ आधारित उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। रासायनिक उर्वरकों और कृत्रिम संसाधनों के स्थान पर प्राकृतिक व जैविक खेती को अपनाने से न केवल स्वास्थ्य बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिलेगी। उन्होंने पंचामृत, प्रसाद और धार्मिक उपयोग में शुद्ध गौ उत्पादों की आवश्यकता पर बल दिया। महापात्र ने समाज से आह्वान किया कि गौ सेवा को जन आंदोलन का स्वरूप दिया जाए। उन्होंने कहा कि गौ सम्मान से जुड़े कार्यक्रमों के माध्यम से सरकार तक मांग-पत्र पहुंचाने की योजना बनाई जा रही है, ताकि नीतिगत स्तर पर ठोस निर्णय हो सकें। उन्होंने यह भी कहा कि गौ आधारित जीवनशैली अपनाने से देश की सांस्कृतिक पहचान मजबूत होगी और आत्मनिर्भर भारत बनेगा। उन्होंने कहा कि गौ माता केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, कृषि, पर्यावरण और सामाजिक संतुलन से जुड़ा आधार स्तंभ है। समाज और सरकार, दोनों को मिलकर गौ संरक्षण के लिए दीर्घकालिक और प्रभावी कदम उठाने होंगे। आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रदीप शेखावत ने हस्तीमल के जीवन के प्रसंग सुनाते हुए कहा कि संघ के प्रचारक का जीवन पूर्ण समर्पण, अनुशासन और त्याग पर आधारित होता है। प्रचारक समाज के बीच रहकर स्वयं को पीछे रखता है और दूसरों को मार्गदर्शन देता है। शेखावत ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की कार्यपद्धति में प्रचारक संगठन की इच्छा और योजना को सर्वोपरि मानते हुए कार्य करता है। यह जीवन व्यक्तिगत इच्छाओं के त्याग और राष्ट्रहित को सर्वोच्च मानने की भावना से जुड़ा होता है। उन्होंने सरसंघचालक के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि संघ कार्य का पहला आयाम संगठन को जीना है। प्रचारक का जीवन इसी विचारधारा का जीवंत उदाहरण है, जो समाज निर्माण और राष्ट्र सेवा में निरंतर प्रेरणा प्रदान करता है। इस अवसर पर निम्बार्काचार्य पीठाधीश्वर श्यामशरण देवाचार्य ने कहा कि गौ माता के बिना सनातन संस्कृति और सृष्टि की कल्पना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि आज के समय में गौ सेवा को केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि व्यावहारिक और वैज्ञानिक दृष्टि से अपनाने की आवश्यकता है। देवाचार्य ने कहा कि शास्त्रों के साथ-साथ आधुनिक विज्ञान भी गौ आधारित उत्पादों की उपयोगिता और स्वास्थ्यवर्धक गुणों को स्वीकार कर रहा है। भारतीय गोवंश और ए-2 दुग्ध की वैश्विक मांग इसका प्रमाण है। उन्होंने कहा कि महानगरों में रहने वाले लोग भी गौ संरक्षण, संवर्धन और जागरूकता के माध्यम से गौ सेवा में योगदान दे सकते हैं। उन्होंने गौ सेवा को राष्ट्र, समाज और पर्यावरण के कल्याण से जुड़ा विषय बताते हुए इसे जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर सीकर के चंद्रमादास महाराज को श्री हस्तीमल जी स्मृति ईश्वर सृष्टि सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम के आरंभ में ईश्वर सृष्टि के अध्यक्ष कमलेश पारीक 'कमल' ने ईश्वर सृष्टि प्रकल्प, अमृतमयी गो भारती ग्रंथ और नंदिनी गौ सेवा संवर्धन संस्थान के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। समारोह के अंत में आयोजन समिति के संयोजक पुष्कर उपाध्याय ने आभार ज्ञापित किया।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 3 हजार से अधिक प्रकरणों का निस्तारण

जयपुर टाइम्स

नावां शहर(निस)। उपखंड मुख्यालय नावा में राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण डीडवाना-कुचामन के निर्देशानुसार रविवार 21 दिसंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। यह लोक अदालत न्यायालय वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश व अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, नावा के न्यायालय परिसर में संपन्न हुई। लोक अदालत की अध्यक्षता अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नावा धर्मेन्द्र सिंह जाखड़ (आरजेएस) ने की। लोक अदालत बैच में सदस्य के रूप में रामेश्वरलाल नेहरा और ताल्लुका विधिक सेवा समिति नावा की सचिव सीमा मीणा उपस्थित रहीं। इसके साथ ही न्यायालय के कर्मचारी देशबंधु मिश्रा (रीडर), उर्मिला मीणा (आशुलिपिक), महेन्द्र स्वामी (लिपिक ग्रेड प्रथम), पृथ्वी सिंह, लक्खु सिंह, मूलचंद, अंजू मीणा सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। अभियोजन कार्यालय की ओर से हरिसिंह व समद गौड़ ने सहभागिता निभाई। लोक अदालत में अधिवक्ता की सक्रिय भूमिका रही, जिनमें अधिवक्ता मोहनलाल, बजरंगलाल बिजारणियां, राजेन्द्र कुमार शर्मा, रोहित छीपा व रोहित आदि मौजूद रहे। सभी ने आपसी सहमति और समझौते के माध्यम से प्रकरणों

के निस्तारण में सहयोग किया। राष्ट्रीय लोक अदालत के दौरान न्यायालय में लंबित कुल 86 प्रकरणों का निस्तारण किया गया। इसके अतिरिक्त बैंक ए व विद्युत विभाग से संबंधित प्री-लिटिगेशन के 71 प्रकरणों का भी समाधान किया गया। वहीं राजस्व न्यायालय के कुल 2957 प्रकरणों का निस्तारण कर आमजन को बड़ी राहत प्रदान की गई। लोक अदालत के माध्यम से कुल 75 लाख 14 हजार 664 रुपये की अवार्ड राशि की वसूली की गई। लोक अदालत में बड़ी संख्या में परिवादी व पक्षकार उपस्थित रहे और बिना किसी लंबी कानूनी प्रक्रिया के त्वरित न्याय मिलने पर संतोष व्यक्त किया। प्रशासन व विधिक सेवा प्राधिकरण ने लोक अदालत को सफल बताते हुए भविष्य में भी अधिक से अधिक लोगों को इसका लाभ लेने का आह्वान किया।

रजनीश बिजारनिया ने रचा इतिहास, यूपीएससी आईईएस में ऑल इंडिया फर्स्ट

जयपुर टाइम्स

नावां शहर (निस)। उपखंड मुख्यालय नावा की ग्राम पंचायत रेवासा दलेलपुरा के होनहार छात्र रजनीश बिजारनिया ने अपनी कड़ी मेहनत, लगन और प्रतिभा के बल पर क्षेत्र का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। रजनीश ने यूपीएससी की प्रतिष्ठित इंडियन इंजीनियरिंग सर्विस (इन्धस) परीक्षा में ऑल इंडिया रैंक 25 हासिल करने के साथ ही इन्धस परीक्षा 2025 में ऑल इंडिया प्रथम रैंक प्राप्त कर एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की है। इस दोहरी सफलता की खबर मिलते ही पूरे बिजारनिया परिवार सहित गांव और क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। परिजनों ने केक काटकर और मुंह मीठा कराकर रजनीश को बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य के लिए आशीर्वाद प्रदान किया। गांववासियों, रिश्तेदारों और शुभचिंतकों ने रजनीश की इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त किया। रजनीश के पिता रूघाराम बिजारनिया, जो देपुर गांव स्थित नेहरू उच्च माध्यमिक विद्यालय के संचालक हैं, ने बताया कि रजनीश शुरू से ही मेधावी छात्र रहे हैं और पढ़ाई के प्रति उनका समर्पण हमेशा अनुकरणीय रहा है। वहीं माता भगवती देवी, जो गृहिणी हैं, ने बेटे की सफलता को परिवार के संस्कार, अनुशासन और निरंतर मेहनत का परिणाम बताया। रजनीश ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और आईआईटी के गुरुजनों को दिया। उन्होंने बताया कि आईआईटी से उन्हें तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ अनुशासन और लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता सीखने को मिली। रजनीश की प्रारंभिक शिक्षा नेहरू उच्च माध्यमिक विद्यालय, देपुर में हुई, जबकि हायर सेकेंडरी शिक्षा कुचामन के एलबीएस स्कूल से प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने दिल्ली से आईआईटी की पढ़ाई पूरी की और कुछ समय टाटा स्टील में मैनेजर के रूप में कार्य किया। बाद में उन्होंने यूपीएससी की तैयारी शुरू की। रजनीश ने युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि यूपीएससी या किसी भी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी पूरे डेडीकेशन और दृढ़ निश्चय के साथ करनी चाहिए। उनकी यह सफलता न केवल रेवासा दलेलपुरा बल्कि पूरे नावा क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बन गई है।

चाकसू स्काउट गाइड कैम्प का समापन

जयपुर टाइम्स

चाकसू(निस)। चाकसू कस्बे में हिन्दुस्तान स्काउट्स व गाइड्स राजस्थान राज्य जिला मुख्यालय जयपुर की ओर से सात दिवसीय कब मास्टर / फ्लॉक लीडर बेसिक कोर्स शिविर का आयोजन जाट छात्रावास चाकसू में आयोजित किया जा रहा है। वहीं शिविर में समापन के दौरान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें सभी विद्यार्थियों ने अपनी अलग-अलग टोली बनाकर 30 से अधिक प्रदर्शनी भी बनाकर दिखाई गई। जिसमें मुख्य अतिथि रामेश्वर लाल जाट पूर्व उप शासन सचिव व कार्यक्रम की अध्यक्षता हिंदुस्तान स्काउट्स व गाइड्स जयपुर के जिला अध्यक्ष सुनील चौधरी की ओर से की गई। साथ ही कार्यक्रम में मदन लाल चौधरी अध्यक्ष जाट महासभा चाकसू, रामप्रसाद सामोता उपाध्यक्ष, लक्ष्मण चोपड़ा उपाध्यक्ष, अशोक चौधरी प्रधानाचार्य खदेड़ा, मदन सामोता पूर्व सरपंच, जगदीश मुंडिया महामंत्री, शिवकरण चौधरी मंत्री , छाजूराम जाट सचिव, रामलाल जाट, व साथ

ही हिन्दुस्तान स्काउट गाइड जयपुर कार्यकारिणी के सदस्य जिला सचिव मोहन चौधरी , कोषाध्यक्ष गिरधारीलाल गुर्जर, जिला प्रशिक्षक पिंकी सिंह, ब्लॉक सचिव मदन लाल जाट, महेन्द्र मीणा, सूजाराम, रामफूल चौधरी मौजूद रहे। जिला ऑर्गेनाइजर जयपुर अजय कुमार ने बताया कि सात दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षक चाकसू ब्लॉक प्रभारी मुकेश बड़ोलिया सोमेंद्र खोरवाल सोमेंद्र खोरवाल, सुनील, संतोष, अंकिता आरती की ओर से आत्म सुरक्षा, सामाजिक सेवा, शिष्टाचार, गाँठें, प्राथमिक उपचार, प्राकृतिक आपदा जैसे प्रशिक्षण दिए गए व समापन समारोह कार्यक्रम में बच्चों की ओर से सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई।

विदेशी पावणों की फेवरेट बनी हेरिटेजसिटी मंडावा

पर्यटन के नक्शे पर मिली नई ऊंचाई, बना पसंदीदा डेस्टिनेशन

जयपुर टाइम्स

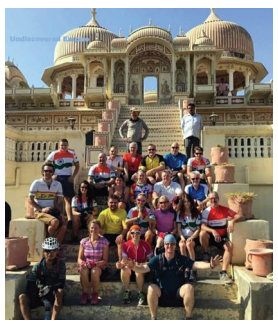

मण्डावा(निस)। रेगिस्तान की रेत से लेकर झीलों की नगरी तक, राजस्थान ने पर्यटकों के दिलों में अपनी अमिट छाप छोड़ दी है। पर्यटन मंत्रालय की इंडिया टूरिज्म कंपेंडियम 2025 की रिपोर्ट ने साबित भी कर दिया कि मेहमाननवाजी, किले, महल, हवेलियों और बेहतर कनेक्टिविटी ने राजस्थान को देश के पर्यटन नक्शे पर नई ऊंचाई दी है। राजस्थान आने वाले अधिकाशं पर्यटकों का पसंदीदा डेस्टीनेशन मण्डावा है। हवेलियों व स्मारकों को देखना उनकी पहली पसंद के तौर पर सामने आए हैं। विदेशी नागरिकों को विश्व विरासत हेरिटेज सिटी मण्डावा लुभा रही है। ज्यादातर देशों से आने वाले सैलानियों में सबसे अधिक अमरीका से आ रहे हैं। यह ट्रेंड पिछले कुछ सालों से बदला है। विश्वविख्यात महल, किले, हवेलिया जैसे पर्यटन स्थल विदेशी सैलानियों को आकर्षित कर रहे हैं। इन देशों से हर साल लाखों पर्यटक खिंचे चले आ रहे है। दुनिया के 10 प्रमुख देशों की बात करें तो अमरीका, यूके, फ्रांस के बाद ऑस्ट्रेलिया, इटली, जर्मनी, स्पेन, जापान, आयरलैंड और कनाडा से भी पर्यटक शेखावाटी अंचल घूमने आ रहे हैं। इन देशों से आने वाले पर्यटकों की संख्या साल- दर-साल डेढ़ से दोगुना गति से बढ़ रही है। कोरिया, मलेशिया, नींदरलैंड, पोलैंड, रूस और थाइलैंड के हजारों सैलानी शेखावाटी आ रहे हैं। पर्यटन व्यवसाय से जुड़ें लोगों का कहना है की मण्डावा का हैरिटेज और यहां की संस्कृति लोगों को पसंद आ रही है। अब पर्यटक यहां के तीज-त्योहार में भी शामिल हो रहे हैं। यहां की समृद्ध परंपरा उन्हें आकर्षित कर रही है।

विद्या भारती की प्रबुद्धजन विचार गोष्ठी सम्पन्न

शिक्षा में आदर्श जीवन मूल्यों की आज विशेष आवश्यकता: तत्पुरुष

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। स्थानीय भार्गव वाटिका में विद्या भारती की विद्वत परिषद की ओर से प्रबुद्धजन विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और जीवन मूल्य, समाज जागरण में विद्या भारती की भूमिका और पंच परिवर्तन और हमारी भूमिका विषय पर आयोजित गोष्ठी के प्रारम्भ में माँ भारती और माँ सरस्वती के चित्र पर अतिथियों ने दीप प्रज्वलन और माल्यार्पण किया। नागा बाबा पँचमगिरी विद्यालय की बालिकाओं ने दीप और सरस्वती वंदना की संगीतमय प्रस्तुति दी और समरसता गीत गाया। वरिष्ठ साहित्यकार डॉ.इंदुशेखर तत्पुरुष ने शिक्षा और जीवन मूल्यों पर अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि शिक्षा में आदर्श जीवन मूल्यों की आज विशेष आवश्यकता है। शिक्षा और जीवन मूल्य दो प्रमुख और महत्वपूर्ण विषय हैं जो हमारे जीवन के

निर्माण और समृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षा हमें ज्ञान, विचारशीलता और विचारों की विस्तारित क्षमता प्रदान करती है। यह हमें सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाती है और समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देती है। जीवन मूल्य हमारे आचरण और नैतिक मूल्यों का प्रतिपादन करते हैं। ये हमें सच्चाई, ईमानदारी, समर्पण, सहानुभूति, और परिवार महत्व की महत्वाकांक्षा करते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा और जीवन मूल्य हमारे संपूर्ण विकास में मदद करते हैं और एक यथार्थपूर्ण और समृद्ध जीवन की ओर प्रशस्ति करते हैं। इसलिए, हमें इन दोनों को सदैव महत्वपूर्ण रखना चाहिए और उन्हें अपने जीवन में अंतर्निहित करना चाहिए। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष प्रो.भरतराम कुम्हार ने कहा कि विद्या भारती भारत का सबसे बड़ा गैर-सरकारी शिक्षा संगठन है, जो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से संबद्ध है और भारतीय संस्कृति व मूल्यों पर आधारित शिक्षा प्रदान करता है, जिसके तहत देशभर में हज़ारों स्कूल संचालित होते हैं, जो प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा तक बच्चों का सर्वांगीण विकास करते हैं। इसका मुख्य उद्देश्य दीन-दुखियों को शिक्षित कर आत्मनिर्भर बनाना और राष्ट्र निर्माण करना है। आज विद्या भारती संचालित विद्यालयों के छात्र देश-विदेश में भारत का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विद्या भारती देश भर में विद्यालयों के माध्यम से छात्रों में राष्ट्रभक्ति की भावना और संस्कार पैदा कर रही है। आरएसएस के विभाग प्रचारक उत्कर्ष ने कहा कि भारत अपनी सनातन संस्कृति, सभ्यता, और परंपराओं के कारण अनादिकाल से विश्व का मार्गदर्शन करता आया है। आज जब देश 21वीं शताब्दी में एक नई ऊंचाई की ओर अग्रसर है, समाज में अनुशासन, देशभक्ति और समरसता की पुनर्स्थापना एक प्रमुख आवश्यकता बन गई है। इस दिशा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने पिछले 99 वर्षों में नि:स्वार्थ सेवा और समर्पण से राष्ट्र निर्माण में अतुलनीय व अविस्मरणीय योगदान दिया है। समाज में अनुशासन और सकारात्मक परिवर्तन लाने के उद्देश्य से संघ ने 'पंच परिवर्तन' का आह्वान किया है, जो न केवल विकसित भारत की नींव रखने में सहायता करेगा, बल्कि समाज को एक नई दिशा देगा। इस पंच परिवर्तन में पाँच आयाम शामिल हैं, स्व का बोध, नागरिक कर्तव्य, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता और कुटुंब प्रबोधन। इन पांचों विषय पर हम सभी को विशेष चिंता कर इस पर कार्य करना होगा। विद्वत परिषद के प्रांत संयोजक बृजेश कुमार गुप्ता ने परिषद के क्रियाकलापों पर प्रकाश डाला। गोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे विमल भार्गव ने सभी से पंच परिवर्तन के अनुसार जीवन जीने की सलाह दी। विद्या भारती के जिलाध्यक्ष नाहर सिंह व जिला व्यवस्थापक यदुनाथ शर्मा सहित अतिथियों ने विद्या भारती संस्थान के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित किया और गोष्ठी का संचालन अनुराग शर्मा ने किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में जिले भर के प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

तमन्ना सिंगारिया ने हासिल की 37 वीं रैंक

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। राजस्थान न्यायिक सेवा 2025 की परीक्षा में सुजानगढ़ की बेटी तमन्ना सिंगारिया ने 37वीं रैंक प्राप्त कर क्षेत्र और समाज का नाम रोशन किया है। तमन्ना बचपन से ही जज बनने का सपना देखती थी और अब उनकी मेहनत रंग लाई है। उनके पिता बजरंग लाल इंजीनियर हैं और माता गृहिणी हैं। तमन्ना के आरजेएस बनने पर उनके पति सचिन, भाई हंसराज, सुलोचना, अनिल, पुरुषोत्तम मेघवाल, राजकुमार बाकोलिया, रवि कुमार, सेवानिवृत एसडीएम दीनदयाल बाकोलिया आदि ने खुशी जाहिर करते हुए तमन्ना को बधाई प्रेषित की है। तमन्ना ने युवाओं को संदेश देते हुए कहा है कि सफलता का कोई शोर्ट कट नहीं है, इसलिए युवाओं को चाहिए कि वो लगातार मेहनत कर सफलता हासिल करें।

बीदासर में राष्ट्रीय लोक अदालत, 59 प्रकरणों का निस्तारण

जयपुर टाइम्स

बीदासर(निस)। बीदासर न्यायालय परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया, जिसमें आपसी राजीनामे के आधार पर कुल 59 प्रकरणों का सफलतापूर्वक निस्तारण किया गया। यह लोक अदालत सिविल न्यायाधीश व न्यायिक मजिस्ट्रेट, बीदासर के न्यायालय में संपन्न हुई। राजस्थान उच्च न्यायालय व जिला व सेशन न्यायाधीश सोनिका पुरोहित के दिशा-निर्देशों के तहत आयोजित इस लोक अदालत की अध्यक्षता सिविल न्यायाधीश व न्यायिक मजिस्ट्रेट सरिता कायथ (आर.जे.एस.) ने की। कार्यक्रम का आयोजन सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शरद कुमार व्यास व माननीय अध्यक्ष तालुका विधिक सेवा समिति सुजानगढ़ महेन्द्र प्रताप भाटी की ओर से पारित दिशा-निर्देशों के अनुक्रम में किया गया। लोक अदालत में न्यायालय में विचाराधीन प्रकरणों के साथ-साथ राजस्व प्री-लिटिगेशन मामलों व अन्य विभिन्न प्रकार के मामलों की सुनवाई की गई। सभी प्रकरणों का निस्तारण उभयपक्षकारों के मध्य समझाइश व आपसी सहमति से किया गया। इस अवसर पर रेवेन्यू अधिकारी अमीलाल यादव, उपखंड अधिकारी बीदासर, पैनल अधिवक्ता सदस्य अरविंद चौधरी, बार संघ अध्यक्ष किशनलाल भादू सहित अधिवक्ता रघुवीर भामु, गौतम सैनी, शाहिद सोलंकी, प्रेम सैनी, परमानन्द बिजारणियां, लालचंद जाट, गोवर्धन सिंह, महेश छापोला, आमीन शेख, तिलोक पिलानियां, गोविन्द जाखड़, राधा किशन सहित अन्य अधिवक्ता उपस्थित रहे।

जनार्दन आचार्य का डॉक्टरेट की उपाधि मिलने पर किया अभिनंदन

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। भास्कर भवन में चल रही गीता क्लास रविवार को जनार्दन आचार्य का डेकोरेट की उपाधि मिलने पर अभिनंदन किया गया, कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में गीता क्लास के नियमित पंचामृत, पांच श्लोक, नौ नियम, गजल गीत, बार-बार अध्याय में हनुमान चालीसा का पाठ हुआ। संयोजक संजय सिंघानिया ने बताया कि बच्चों को शपथ दिलाई गई। और 25 दिसंबर को दीपक जलाकर तुलसी दिवस मनाए, चाइनीस मांझे का बहिष्कार करें, प्लास्टिक पतंग उड़ाना बंद करें, क्रिसमस डे का बहिष्कार करें यह हमारा त्योहार नहीं है। गीता क्लास में पधारे राघवेंद्र महाराज ने गीता क्लास की और उसके उद्देश्य की तारीफ की और कहा मैं भी जगह-जगह गीता क्लास चालू करवाने का प्रयास करूंगा। इस अवसर पर मोहित सिंघानिया, श्याम भोजक, माधुरी शर्मा, ममता, विजयलक्ष्मी शर्मा, स्वामी, सुमन , पूनम दर्जी, पूजा खंडेलवाल, रेनू बजाज सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। संजय सिंघानिया ने सभी का आभार व्यक्त किया।

श्याम सुंदर दास महाराज का किया स्वागत

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। स्थानीय रेलवे बस स्टेंड स्थित सीयाराम बाबा बगीची में गोवर्धन खालसा के महामंडलेश्वर श्याम सुंदर दास महाराज का स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भाजपा नेता व पूर्व उप सभापति बाबूलाल कुलदीप, नरेंद्र भाटी, दामोदर शर्मा, ब्रिज किशोर सोनी, महेंद्र टाक, गोलू स्वामी, राकेश प्रजापत, मनीष स्वामी, दिनेश, बाबूलाल प्रजापत, नथूनाथ सिद्ध, निर्मल सर्राफ, बोदूराम प्रजापत, विमला देवी, विनोद कंवर, सरिता तिवाड़ी आदि ने श्यामसुंदर दास महाराज का स्वागत किया। इस अवसर पर बाबूलाल कुलदीप ने कहा कि संतों से ही इस देश की समृद्धिशाली परम्पराएं आज हमारे देश व समाज का मार्ग प्रशस्त कर रही हैं। कार्यक्रम में श्याम सुंदरदास महाराज व अन्य लोगों ने 1 जनवरी को बगीची में आयोजित होने वाले पोषबड़ा महोत्सव के पोस्टर का विमोचन किया गया। श्याम सुंदर दास महाराज ने अधिक से अधिक भक्तों से इस धार्मिक कार्यक्रम में सहभागिता लेकर इसे सफल बनाने की अपील की है।

समाजसेवी दीपेंद्र सिंह शेखावत की स्मृति में बच्चों को स्वेटर वितरित

जयपुर टाइम्स

मंडावा(निस)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय वाहिदपुरा में रविवार को भामाशाह अमर सिंह शेखावत परिवार की ओर से समाजसेवी दीपेंद्र सिंह शेखावत की स्मृति में विद्यार्थियों को स्वेटर एवं फल वितरित किए गए। निवास स्थान पर श्रद्धांजलि सभा रखी गई जिसमें ग्रामीणों ने दीपेंद्र सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्यारेलाल ढूकिया, नगर पालिका अध्यक्ष नरेश सोनी, पूर्व प्रधान सुशील सीगड़ा, सरपंच प्रतिनिधि शिशुपाल सिंह दुलड़, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष राधेश्याम सैनी, अमर सिंह शेखावत, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी पवन कुमार, जितेंद्र सिंह कारंगा, बजरंगदास, बालमुकुंद त्यागी, हनुमान सिंह, ईश्वर सिंह राठौड़, सीकर पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष महेश शर्मा, प्रिंसिपल सुमन मंचस्थ अतिथि रहे। मुख्य अतिथि प्यारेलाल ढूकिया ने संबोधन में कहा कि शेखावत परिवार समाज सेवा में लगा हुआ है वह उल्लेखनीय कार्य है, तथा हर वर्ग के साथ सुख दु:ख में खड़े रहते हैं और विद्यार्थियों को स्वेटर वितरित करके समाज में एक अच्छा उदाहरण पेश किया है। ब्लॉक शिक्षा अधिकारी पवन कुमार ने कहा कि अपनों की याद में समाज हित में कार्य करना पुण्य का कार्य है खुद दीपेंद्र सिंह भी समाज सेवा में हमेशा अग्रणी रहते थे और उनके अधूरे सपनों को पूरा करने में आज इनका परिवार दूसरों की मदद करने का जो काम कर रहा है वो काबिले तारीफ है। विद्यालय के सभी बच्चों को अतिथियों की ओर से स्वेटर वितरित किए गए। कार्यक्रम में जीवण राम खीचड़, रणवीर खीचड़, भंवर कंवर, हनुमान सिंह, सीमा कंवर, शंकर सिंह, रतन सिंह, कांस्टेबल कुंभाराम नवीन स्वामी सीगड़ा, रणवीर सिंह, गोवर्धन सिंह, सतपाल सिंह, दिलीप सिंह, हरिसिंह दुलड़, ठेकेदार हरलाल सिंह, दुर्जाराम मास्टर, महावीर कुमावत, धर्मपाल मेघवाल, जगदीश दुलड़, सतपाल सिंह निर्वाण, प्रेम सिंह वेद, कृष्ण सिंह, असगर लीलगर सहित ग्रामीण मौजूद रहे। अंत में विक्रम सिंह शेखावत ने आभार व्यक्त किया और संचालन नरेंद्र सिंह ने किया।

महासंघ की चेतावनी महारैली की तैयारियों को लेकर पोस्टर का विमोचन

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ की 19 जनवरी , 2026 को राजधानी जयपुर में आयोजित होने वाली चेतावनी महा रैली की तैयारियों को लेकर महासंघ की जिला शाखा चूरू की ओर से चूरू जिला मुख्यालय स्थित नेचर पार्क में प्रदेश महामंत्री महावीर सिहाग के नेतृत्व में महासंघ के पदाधिकारियों की ओर से महारैली की प्रचार सामग्री व पोस्टर का विमोचन किया गया। महासंघ के प्रदेश महामंत्री महावीर सिहाग ने बताया कि महासंघ ने पदोन्नति विसंगति व वेतन विसंगति दूर करवाने, पुरानी पैंशन योजना से छेड़छाड़ बंद करवाने, संविदा एवं मानदेय कार्मिकों को नियमित करवाने, स्पष्ट व पारदर्शी स्थानांतरण नीति जारी करवाने, सरकारी विभागो का निजीकरण बंद करवाने व कर्मचारियों के मान सम्मान व स्वाभिमान की सुरक्षा सुनिश्चित करने के सात संकल्पों को पूर्ण करवाने को लेकर किए जाने वाले संघर्ष के लिए आज से सम्पूर्ण प्रदेश में प्रचार अभियान प्रारंभ किया गया। महासंघ के जिला अध्यक्ष रिछपाल सिंह चारण ने बताया कि महासंघ के प्रांतीय कार्यालय सहित 41 जिला मुख्यालय पर महासंघ के जिला अध्यक्ष की ओर से भी पोस्टर विमोचन करते हुए प्रचार- प्रसार प्रारंभ किया गया। महासंघ के जिला महामंत्री फूलेसिंह बुरड़क ने बताया कि पोस्टर विमोचन कार्यक्रम में सुनीता सिहाग, रश्मि चौधरी, सत्यनारायण व्यास, प्रमोद शर्मा, बाबू खां, सुरेश गोठवाल, हंसराज हुड्डा, अनिल लांबा, खादिम अली, कमल रक्षक, रणवीर सिंह मुनाडिया, कृष्ण कुमार इस्लाम, समुंद्र सिंह, श्रवण कुमार, कमल वर्मा, जोगेन्दर सिंह, करणी सिंह, मातूसिंह राठौड़ सहित अनेक कर्मचारी उपस्थित रहे।

गायत्री जीवन जीने का दर्शन दिखाती है, यज्ञ सिखाता है हमें जीवन जीने की कला

जयपुर टाइम्स

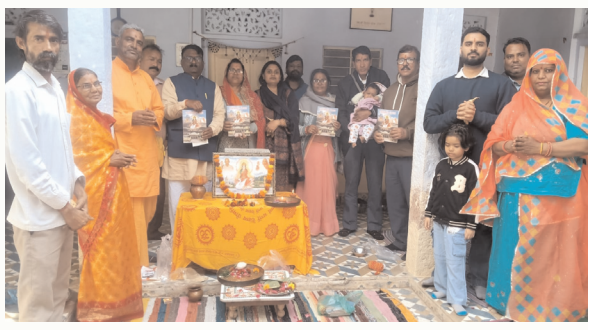

मण्डावा(निस)। शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वाधान रविवार को मंडावा कॉलेज के पीछे लाहोरा - सदन में गायत्री महायज्ञ का आयोजन गायत्री परिवार मण्डावा के प्रमुख आलोक कालोया के सानिध्य में किया गया। इस अवसर पर आलोक कालोया ने कहा कि गायत्री और यज्ञ हमारी संस्कृति के माता- पिता हैं, गायत्री हमें जीवन जीने का दर्शन दिखाती है और भगवान यज्ञ हमें जीवन जीने की कला सिखाते हैं। यही ज्ञान और कर्म रूपी जीवन रथ के दो चक्के हैं। इन दिनों मानव अनास्था के दौर से गुजर रही है। साधन भरे पड़े हैं पर साधना का अभाव है, इसी कारण ज्ञान, धन और शक्ति मिल कर भी सुख, शांति और संतुष्टि प्रदान नहीं कर पा रहे। स्थाई , शांति और संतुष्टि के लिए गायत्री और यज्ञ में जीवन की आवश्यकता आन पड़ी है। वेदमाता, देवमाता और विश्वमाता गायत्री की उपासना, त्याग, परोपकार, संगठन और जीवन की प्रेरणा देने वाले यज्ञ का आयोजन विश्व की शांति के आवश्यक है। गायत्री महायज्ञ का संचालन कांता देवड़ा की अगुवाई में किया गया। मुख्य यजमान कैलाश लाहोरा व उषा पाल आदि थे । गायत्री महायज्ञ के दौरान माहौल पूरी तरह से भक्तिमय बना रहा। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने वैदिक हवन यज्ञ व पूजा किया। कार्यक्रम में बीकानेर के अशोक पंवार, सादुलपर के शीवकुमार चावरिया, संदीप कुमार, सविता, सूर्यप्रकाश लाहोरा, सरोज, दिव्याशीं , नई दिल्ली ललित टांक, डॉ0 आदित्य लाहोरा, हरदयाल काला, राजू फोजी, दिनेश कुमार सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कलयुग में राम नाम की महिमा का विशेष महत्वः शंभुशरण महाराज

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। शहर के श्रीपंचमुखी बालाजी मंदिर में श्रीराम कथा के दूसरे दिन रविवार को कथा वाचक पंडित शंभुशरण लाटा ने कहा कि कलयुग में राम नाम की बड़ी महिमा है। जो प्राणी भगवान के नाम का जप करता है, उसे ही मोक्ष की प्राप्ति होती है। उन्होंने कहा कि सतयुग, त्रेता युग व द्वापर युग में जो पुण्य हमें यज्ञ व हवन से मिलते थे, वो पुण्य कलयुग में राम नाम जप से ही प्राप्त हो जाते हैं। महाराज ने कहा कि जो व्यक्ति स्वयं का हित देखता है, उसे कभी भी मुक्ति नहीं मिलती और जो दूसरों के हितों का ध्यान रखता है, उसकी सभी पीढ़ियों को मोक्ष मिल जाता है। पांडाल में कोई बड़ा या छोटा नहीं होता। यहां पर यदि कोई बड़ा है, तो वह भगवान है और यदि हम इस बात को आज समझ जाए, तो जन्म-मरण से मुक्ति मिल जाएगी। महाराज ने कहा कि वर्तमान समय में हो रही कथाओं को सुनने के लिए लोग जाते तो हैं, लेकिन वे लोग भगवान की भक्ति को प्राप्त नहीं कर पाते। भगवान की भक्ति प्राप्त करने का सुगम मार्ग सच्ची श्रद्धा व निस्वार्थ भाव है। उन्होंने उपस्थित जनसमूह से आह्वान किया कि पांडाल में जाते ही भगवान से भक्ति की कामना करनी चाहिए, तभी हमारा जीवन व कथा श्रवण सार्थक होगा। महाराज ने रविवार को शिव-पार्वती विवाह प्रसंग पर विस्तार से प्रकाश डाला। कथा के प्रारंभ में मुख्य यजमान राजेंद्र बणसिया व पवन सेवदा दंपत्ति ने व्यासपीठ की पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर अजय बणसिया, भागीरथ खीचड़, महेंद्र ढाका, सुरेंद्र हुड्डा, सुशील गौड़, राजकुमार मुरारका, अशोक बिरड़ा, किशोर बिजारणियां, धर्मप्रकाश धर्ड़, राजकुमार ऐचरा, जगदीश स्वामी, गोविंदप्रसाद बबेरवाल, भंवरलाल प्रजापत, विजय बणसिया सहित कई लोग उपस्थित रहे।

आभार प्रदर्शन व प्रेस वार्ता आज

सुजानगढ़(नि.सं.)। राष्ट्रीय जाट महासभा के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेन्द्र कीलक के कार्यकाल का एक वर्ष पूरा होने के उपलक्ष में स्थानीय प्रगति नगर में आभार प्रदर्शन व प्रेस वार्ता का आयोजन सोमवार को किया जाएगा। प्रगति नगर स्थित आबसर रोड़ पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम से पहले सुंदर कांड पाठ का आयोजन भी किया जाएगा।

पीड़ित पक्ष को कुल 13 लाख रूपए का अवार्ड पारित

तारानगर(निस)। तारानगर न्याया लय मोटर दुर्घटना दावाधिकरण के पीठासीन अधिकारी संतोष कुमार मीणा ने सड़क दुर्घटना के मामले में कुल 13 लाख रूपये का आवार्ड पारित किया। पीड़ित पक्ष की ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता ललित देवकरण नैण ने और बताया कि रतनगढ़ तहसील के भरपालसर निवासी किशोरसिंह व सोनू 27 मई शाम को केंटिन बन्द करके मोटरसाईकल पर सवार होकर बायं जा रहे थे, रास्ते में अपनी मोटरसाईकल को सही साईड में रोक दिया, इतने में ही सामने से थार गाड़ी का चालक विरेन्द्र ने अपनी गाड़ी को तेज गति व लापरवाही से चलाकर किशोरसिंह के सही साइड में खडे के सामने से टक्कर मार दी जिससे किशोरसिंह के चोटे आई एवं चोटों का ईलाज चला और ईलाज के दौरान जयपुर में 5 जून 2025 को किशोरसिंह की मृत्यु हो गई। तारानगर थाने में घटना का मुकदमा दर्ज करवाया, अनुसंधान अधिकारी ने अनुसंधान कर चालक विरेन्द्र के खिलाफ न्यायालय में चालान पेश किया। प्रार्थी की ओर से न्यायालय एम.ए.सी.टी. कोर्ट तारानगर में क्लेम याचिका पेश की, जो मुकेश कंवर आदि बनाम दयासिंह पेश की, जिसमें पीठासीन अधिकारी संतोष कुमार मीणा ने दोनों पक्षों की आपस में समझाईश कर लोक अदालत की भावना से प्रार्थीगण के पक्ष में कुल 13 लाख रूपये का अवार्ड पारित किया। प्रार्थीगण की तरफ से पैरवी अधिवक्ता ललित देवकरण नैण ने की।

मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्यवाही की मांग

सुजानगढ़(नि.सं.)। ससुराल पक्ष के लोगों पर मुकदमा दर्ज करवाने आई एक महिला ने पांच दिनों से थाने के चक्कर कटवाने और मुकदमा दर्ज नहीं करने के आरोप लगाए हैं। कोतवाली पुलिस थाने पर पहुंची महिला ने बताया कि थाने में उसे बिठाए रखा जाता है, लेकिन मुकदमा दर्ज नहीं किया गया है। मेरी मांग है कि जल्द से जल्द मुकदमा दर्ज कर मुझे न्याय प्रदान किया जावे। पीड़िता ने बताया कि उसकी शादी 2024 में चूरू हुई थी। जिसके बाद ससुराल पक्ष के लोग उसे 5 लाख नकद और कार की मांग सास, ससुर, ननद, देवर की ओर से की जाने लगी। पीड़िता की ओर से मीडिया को दिए गए परिवाद की कोपी में उसने अपने देवर पर बलात्कार का प्रयास करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़िता ने ससुराल पक्ष के लोगों पर जल्द से जल्द मुकदमा दर्ज करवाकर कानूनी कार्यवाही किए जाने की मांग की है।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निस)। न्यायिक मजिस्ट्रेट अजय दीप सिह की अध्यक्षता में न्यायालय परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया जिसमें न्यायालय में लंबित प्रकरणों में दांडिक शमनीय के 35 प्रकरणों, 138 एन.आई. एक्ट के 10 प्रकरणों का निस्तारण किया गया जिनमें 20,81,080/- रूपये की वसूली हुई, वैवाहिक मामलों के 04 प्रकरणों, भरण पोषण के 11 प्रकरणों का निस्तारण किया गया। सिविल व धन वसुली मामलों के 2 प्रकरणों का निस्तारण किया गया, एमएसिटी के 08 प्रकरणों में कुल राशि 38,52,000 के पंचाट पारित किए गए। बैंक और बीएसएनएल के प्री-लिटिगेशन प्रकरणों में 17 प्रकरणों का निस्तारण किया गया, जिनमें 16,50,500/- रूपये की वसूली हुई। इस प्रकार इस राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 87 प्रकरणों का निस्तारण किया गया जिनमें 75,83,580/- रूपये की वसूली हुई। लोक अदालत में सदस्य के रूप में अधिवक्ता सागरमल व्यास का विशेष सहयोग रहा। लोक अदालत के दौरान न्यायालय कर्मचारी जयन्त यादव, सुरेश कुमार चेजारा, धर्मेन्द्र सिहं, सुखविन्द्रसिंह, गोपीराम, मुकेश कुमार, घनश्याम शर्मा, मुकेश सैनी, टीकुराम, कैलाश सिंह सहित अधिवक्ता मौजूद रहे।

रतनगढ़ में लोक अदालतः डेढ़ सौ से अधिक प्रकरणों का निस्तारण

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। न्यायालय परिसर, रतनगढ़ में वर्ष की चतुर्थ राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। इसके लिए एक बेंच का गठन किया गया। बेंच के अध्यक्ष अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अरुण जांगिड़, सदस्य तालुका विधिक सेवा समिति के सदस्य संतोष बाबू इंदौरिया, अधिवक्ता लक्ष्मण प्रजापत तथा राजस्व अधिकारी के रूप में उपखंड अधिकारी मिथिलेश कुमार रहे। लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक प्रकरणों का आपसी राजीनामे के माध्यम से निस्तारण करना था। लोक अदालत में अपर जिला व सेशन न्यायाधीश न्यायालय के 34 प्रकरणों का अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय के 124 प्रकरणों का निस्तारण किया गया। इसके अतिरिक्त 5 वर्ष से अधिक पुराने 12 प्रकरण,10 लाख रुपये तक के 6 प्रकरण,वैवाहिक (मैट्रिमोनियल) 24 प्रकरण,प्री-लिटिगेशन के 10 प्रकरणों का निस्तारण किया गया। निस्तारण के दौरान प्री-लिटिगेशन में 12, 11,758/- की वसूली, एन.आई. एक्ट के प्रकरणों में 8,52,000/-,धन वसूली के प्रकरणो में 1,22,259/-,एम.ए.सी.टी. (MACT) के प्रकरणों में 25,56,000/- की वसूली की गई।

बांग्लादेश में हिंदू युवक की हत्या के विरोध में फूटा आक्रोश

बजरंग दल व विश्व हिन्दू परिषद ने किया विरोध प्रदर्शन, पुतला दहन कर जताया आक्रोश

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। बांग्लादेश में हिंदू युवक दीपू चन्द्र दास की निर्मम हत्या के विरोध में रविवार को बजरंग दल व विश्व हिन्दू परिषद के कार्यकर्ताओं का आक्रोश फूट पड़ा। कार्यकर्ताओं ने गांधी चौक पर एकत्र होकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया तथा हत्याकांड के विरोध में पुतला दहन किया। प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने इस जघन्य हत्या की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर लगातार हो रहे अत्याचार अत्यंत निंदनीय हैं। वक्ताओं ने कहा कि इस प्रकार की हिंसक और अमानवीय मानसिकता के खिलाफ विश्व हिन्दू परिषद व बजरंग दल का विरोध निरंतर जारी रहेगा। वक्ताओं ने केंद्र सरकार से मांग की है कि बांग्लादेश सरकार पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दबाव बनाकर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। विरोध प्रदर्शन के उपरांत कार्यकर्ता सरदारशहर थाना पहुंचे। जहां उन्होंने थानाधिकारी मदनलाल विश्नोई को ज्ञापन देकर सरदारशहर क्षेत्र में रह रहे संदिग्ध व्यक्तियों की जांच की मांग की। कार्यकर्ताओं का कहना था कि क्षेत्र में कुछ लोग पहचान छुपाकर रह रहे हैं। जिनमें बांग्लादेशी घुसपैठियों की आशंका जताई जा रही है। ऐसे संदिग्ध लोगों की गहन जांच कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाए। इस अवसर पर विश्व हिन्दू परिषद के अध्यक्ष शिवदयाल पारीक, प्रभा पारीक, रजनीकांत सैनी, राहुल सोनी सहित अन्य वक्ताओं व कार्यकर्ताओं ने संबोधित किया। विरोध प्रदर्शन में बजरंग दल एवं विश्व हिन्दू परिषद के बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कोतवाली सीआई बदलने की मांग

सुजानगढ़(नि.सं.)। भाजपा नेता राजकुमार तंवर ने पुलिस अधीक्षक को एक ज्ञापन भेजकर पीड़ित महिला को न्याय दिलवाये जाने की मांग की है। ज्ञापन में राजकुमार तंवर ने बताया है कि कोतवाली थाने में पीड़िता पांच दिनों से न्याय के लिए चक्कर लगा रही है, लेकिन उसका मुकदमा दर्ज नहीं किया जा रहा है। उल्टा पीड़ित परिवार को ही धमकाया जा रहा है। ज्ञापन में बताया गया है कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को भी मामले से अवगत करवाए जाने पर उन्होंने कहा कि आप थाने जाईए, मुकदमा दर्ज हो जाएगा, लेकिन फिर भी मामला दर्ज करने की बजाय पीड़िता को सुबह दस बजे से लेकर साढ़े तीन बजे तक बिठाए रखा गया। भाजपा नेता राजकुमार तंवर ने एसपी से मांग की है कि कोतवाली सीआई का तबादला कर नया सीआई लगाया जाए।

मनरेगा ग्रामीण विकास की मजबूत कड़ी थी: विधायक संजय जाटव

मनरेगा योजना कमजोर करने के विरोध में कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। जिला कांग्रेस कमेटी धौलपुर की ओर से भाजपा की ओर से मनरेगा महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना को कमजोर करने, महात्मा गांधी के नाम को हटाने और रोजगार के कानूनी अधिकार को समाप्त करने की साज़िश के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी धौलपुर की ओर से धरना विरोध प्रदर्शन का आयोजन राष्ट्र पिता महात्मा गांधी जी के प्रतिमा के समक्ष गांधी पार्क धौलपुर में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमेटी धौलपुर के अध्यक्ष विधायक संजय कुमार जाटव ने की। इस शांति पूर्ण विरोध प्रदर्शन में विधायक रोहित वोहरा, शोभा रानी कुशवाहा, प्रत्याशी प्रशांत परमार, पूर्व जिला अध्यक्ष पंडित साकेत बिहारी शर्मा, प्रदेश पदाधिकारी, वरिष्ठ कांग्रेस जन, जिला पदाधिकारी, जिला प्रमुख, प्रधान, पार्षद, पंचायत व जिला परिषद सदस्य, अग्रिम संगठन, विभाग व प्रकोष्ठों के अध्यक्ष, ब्लॉक अध्यक्ष गण, मंडल अध्यक्ष मौजूद रहे। इस अवसर पर आयोजित विशाल विरोध प्रदर्शन को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष विधायक संजय कुमार जाटव ने कहा कि मनरेगा को कमजोर करके गरीबों के अधिकारो को छीना है और मनरेगा ने महात्मा गांधी जी के ग्राम स्वराज की परिकल्पना को सार्थक किया था मनरेगा से सिर्फ गांधी जी को नहीं हटाया जा रहा है सरकार गरीबों के अधिकारो को छीन रही है। इस योजना के मूल स्वरूप को खत्म कर दिया गया है उन्होंने कहा कि इस सरकार ने मजदूरों के अधिकारों को कुचल कर महात्मा गांधी की आत्मा को मारने का काम किया है। मनरेगा देश के ग्रामीण और गरीब परिवारों के लिए ऐतिहासिक और परिवर्तन कारी पहल थी मनरेगा ने करोड़ों लोगों को सम्मान के साथ काम करने का कानूनी अधिकार दिया और ग्राम पंचायत को सशक्त बनाकर लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत किया मनरेगा ग्रामीण अंचलों में आर्थिक रूप से रीढ की हड्डी थी लेकिन दुर्भाग्य से मोदी सरकार ने मनरेगा को योजनाबद्ध तरीके से कमजोर किया है। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष विधायक रोहित वोहरा ने कहा कि मनरेगा ने करोड़ों लोगों को सम्मान के साथ काम करने का कानूनी अधिकार दिया महात्मा गांधी का नाम हटाना हो या इसके मूल स्वरूप में मनमानी छेड़छाड़ हर कदम इस कानून की आत्मा पर प्रहार है। मनरेगा को कमजोर करना सीधे-सीधे किसानों मजदूरों और गरीब वर्ग के अधिकारों पर हमला है। दो दशक पहले इस साज़िश के खिलाफ संघर्ष जारी रहेगा। विधायक रोहित वोहरा ने कहा कि जिले में मनरेगा को लेकर बड़ा आन्दोलन भी किया जाएगा। विधायक शोभा रानी कुशवाहा ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी देश की आत्मा है और भारतीय जनता पार्टी की ओर से मनरेगा को कमजोर करना उसके मूल स्वरूप को खत्म करना यह देश कभी इनको माफ नहीं करेगा उन्होंने कहा कि मनरेगा से ग्रामीण अंचलों में खुशी और समृद्धि आई थी। संचालन संगठन महासचिव धनेश जैन ने किया। इस अवसर पर प्रत्याशी प्रशांत परमार, पूर्व जिला कांग्रेस, पंडित साकेत बिहारी शर्मा, लाखन सिंह खिडोरा, प्रदेश सचिव धर्मेन्द्र शर्मा, वीरेंद्र जादोन सरपंच,मूला सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से रोजगार गारंटी योजना को खत्म करना यह आत्मघाती कदम है रोजगार गारंटी योजना के माध्यम से 2005 में प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने इसको गरीब जनता के लिए लागू किया था और इससे ग्रामीण अंचलों के विकास में मील का पत्थर साबित हूई थी प्रधान प्रतिनिधि नागेश कुशवाहा, राजकुमार तोमर, पूर्व प्रधान मोनू जादौन, धर्मेन्द्र दिनकर, उपाध्यक्ष लीना शर्मा, एस सी विभाग अध्यक्ष दर्शन लाल, राजेश सिकरवार सरपंच राम लखन मीणा, सेवा दल अध्यक्ष समृद्धि दीक्षित, शालिनी शर्मा,महिला कांग्रेस अध्यक्ष आरती शिवहरे, अल्पसंख्यक विभाग की अध्यक्ष शवनम खान , रोशनी शिवहरे,--- ब्लाक अध्यक्ष राजेंद्र पोसवाल, उमर फारूक, शिबू लोधा, रामेंद्र मीणा, पुष्पेंद्र कुशवाहा, रविंद्र परमार, महेंद्र सिंह त्यागी,ने कहा कि मनरेगा गरीब परिवारों के लिए ऐतिहासिक पहल थी मनरेगा ने करोड़ों लोगों को सम्मान के साथ काम करने का कानूनी अधिकार दिया, स्थानीय निकाय प्रकोष्ठ अध्यक्ष नासिर खान,नगर अध्यक्ष बाबुल भाई, सेवा दल यूथ परवेश पठान,ओ वी सी अध्यक्ष सोनू यादव, राजीव गांधी पंचायती राज के अध्यक्ष रविंद्र परमार ,प्रदेश पदाधिकारी सेवा दल बोबी जगरिया,शहजाद जलमानी, सुलेमान फारुकी , प्रदेश सचिव रविंद्र मौर्य, सुरेंद्र जाटव दरिया पुर ,फरहत खान, राजेश प्रजापति, युवा कांग्रेस अध्यक्ष तरुण शर्मा,पार्षद पूर्व पार्षद गुड्डु कुरैशी,हरविलास रजक, श्यामू पंडित, अविनाश शास्त्री, मंडल अध्यक्ष राजेश कुशवाहा, नज्जो खान पूर्व पार्षद, भगवान दास जाटव, महावीर कुशवाहा, नेमीचंद कुशवाहा, गोरेलाल कुशवाहा, रोहित शर्मा, आर्यन शर्मा, माहिर हसन रिजवी,जनक सिंह लोधा, मेवाराम कुशवाहा, अनिल अरेला, योगेश अग्रवाल, संजय कुमार बघेल अभिषेक सक्सेना, अभिषेक यादव, शैजी जाफरी ,जाफरी हरिशंकर गोयल रमेश महामना, मनीष गोयल, नईम खान, हरि पहाड़िया, केशव मीणा, पप्पू कंसाना ,महादेव मीणा, उज्जवल शर्मा, हरि सिंह पहाड़िया, जगमोहन लाल आर्यन शर्मा प्रदेश सचिव, रोहित शर्मा, विनोद कुमार मीणा, लोकेंद्र, पार्षद आनंद मिश्रा, पार्षद विवेक शर्मा, पार्षद सद्दाम, पार्षद आनंद मिश्रा ,आजाद मिर्जा, पप्पू कंसाना, शाहरुख खान, दिनेश त्यागी, मुन्ना खान अब्बासी, श्यामू पंडित, विष्णु परमार ,जगदीश त्यागी, अशोक कुमार, बच्चू सिंह कुशवाहा, मोमिन खान, रुस्तम सिंह सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसी मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत वंदे मातरम के साथ हुई और समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

सुमेरपुर में लोक अदालत का आयोजन

जयपुर टाइम्स

सुमेरपुर(निस)। तालुका विधिक सेवा समिति सुमेरपुर के तत्वावधान में न्यायालय परिसर में सभी प्रकार के प्रकरणों की राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। लोक अदालत के दौरान दो बेंच गठित की गई। प्रथम बेंच के अध्यक्ष पुखराज गहलोत, अपर जिला व सेशन न्यायाधीश, सुमेरपुर व सदस्य अभय सिंह देवड़ा, अधिवक्ता हिमांशु कच्छावा, तहसीलदार उपस्थित रहें। द्वितीय बैंच अध्यक्ष अलका जोशी, अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, सुमेरपुर व सदस्य देवी सिह राठौड, अधिवक्ता उपस्थित रहे। उक्त दोनो बैंचो से राष्ट्रीय लोक अदालत में लोक अदालत की भावना से पक्षकारान् के मध्य आपसी समझाईश से राजीनामे के प्रयास किए गए और प्रि-लिटिगेशन व पोस्ट लिटिगेशन के राजीनामा योग्य विविध प्रकरणों का निस्तारण किया गया। लोक अदालत में लगभग 2500 प्रकरणों में से 200 प्रकरणों का निस्तारण किया गया व अवार्ड राशि लगभग 50,00,000/- तक पारित की गई। इस मौके पर अधिवक्ता तरूण त्रिवेदी, अध्यक्ष वकील मण्डल सुमेरपुर,अभय सिंह देवड़ा, देवीसिह राठौड, कान्तिलाल सोनी, संजय गहलोत, पुष्पराज सोनी, यासीन सिलावत, संजय खण्डेलवाल सहित अन्य उपस्थित रहे। लोक अदालत को सफल बनाने में योगदान दिया।

एसपी विकास सांगवान ने थाना कंचनपुर का किया निरीक्षण

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने रविवार को कंचनपुर थाना का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने लंबित प्रकरणों के गुणवत्तापूर्ण व त्वरित निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मालखाना, रसोईघर, पुलिस बैरकों सहित संपूर्ण थाना परिसर की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही पुलिस अधीक्षक ने थाना के स्टाफ के साथ संवाद कर थाना इलाको में अपराधों की रोकथाम व पीड़ितों को शीघ्र न्याय दिलाने के लिए प्रभावी कार्यवाही करने के भी निर्देश दिए। इस दौरान वृताधिकारी वृत्त?? सैंपऊ अनूप सिंह व थानाधिकारी कंचनपुर रामकिशन यादव सहित थाना के पुलिसकर्मी उपस्थित रहें।

राजाखेड़ा एमजेएम कोर्ट परिसर में चतुर्थ राष्ट्रीय लोक अदालत

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। राजाखेड़ा कोर्ट परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया।अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के धौलपुर के निर्देशानुसार ताल्लुका विधिक सेवा समिति, राजाखेड़ा की ओर से शनिवार को वर्ष 2025 की चतुर्थ राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। ताल्लुका विधिक सेवा समिति, राजाखेड़ा के अध्यक्ष व सिविल न्यायाधीश व न्यायिक मजिस्ट्रेट आकाश शर्मा की अध्यक्षता में गठित बैंच की ओर से 66 फौजदारी 2 सिविल व 1 एन.आई. एक्ट समेत कुल 69 प्रकरणों का निस्तारण किया गया। इसी के साथ बिजली विभाग व विभिन्न बैंकों व अन्य संस्थाओं के प्रि-लिटिगेशन प्रकरणों का निस्तारण किया जाकर लगभग 1 करोड़ 25 लाख 55 हजार रूपये की राशि के कुल 496 अवार्ड पारित किए गए जो अब तक का सबसे अधिक है। इसी के साथ ही राजस्व न्यायालय के कुल 8 प्रकरणों का निस्तारण किया जाकर पक्षकारों को राहत प्रदान की गई। पक्षकार के मध्य लोक अदालत में मुकदमों का निस्तारण आपसी सुलह व समझाईश से कराया गया ताकि पक्षकार के मध्य भाईचारा व सौहार्द का वातावरण बना रहें। इस अवसर पर लोक अदालत पीठ के सदस्य अधिवक्ता रामचित्र शर्मा, सहायक अभियंता बिजली विभाग आनंद तिवारी, मयंक मिश्रा, रीडर हेमंत अग्रवाल, मधुसूदन, अंकित मंगल कर्मचारी मौजूद रहे।

विश्व कल्याण और शांति के लिए शांतिनाथ विधान का आयोजन

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। विश्व कल्याण शांति की भावना को लेकर श्री 1008 आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर धौलपुर में श्रेष्ठी संतोषी लाल, हरीशचंद्र, इंजीनियरिंग बलवीर जैन प्रासुक जैन, प्रियांशी जैन समस्त साहबजाज परिवार की ओर से डॉ. बबीता जैन की प्रथम पुण्य तिथि पर श्री 1008 शांतिनाथ विधान धार्मिक भक्ति भाव के साथ कराया गया। विधान आचार्य राकेश जैन के नेतृत्व में प्रातः श्री जी का अभिषेक, विश्व कल्याण के लिए शांति धारा, और विश्व कल्याण शांति के लिए शांतिनाथ विधान का आयोजन हुआ। विधान में बड़ी संख्या में जैन धर्मावलंबियों ने सम्मिलित होकर पुण्य प्राप्त किया। इस अवसर पर बाबूजी नेतराम जैन, जैन समाज के अध्यक्ष धनेश जैन,अजय जैन, हरिश्चंद्र जैन, प्रकाश जैन, रुपेश जैन, राजकुमार बर्तन वाले, दिनेश कुमार जैन नगर, सोनू कुमार जैन, महामंत्री जगदीश प्रसाद जैन, प्रिंस जैन, बनवारी लाल जैन, संतोषीलाल, हरीशचन्द, इं. बलबीर जैन आदि मौजूद रहे।

भारतीय डाक कर्मचारी पोस्टमैन एमटीएस संघ का द्विवार्षिक अधिवेशन: रोहित गुर्जर बने सचिव, बृजकिशोर अध्यक्ष व मुकेश शर्मा कोषाध्यक्ष

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। भारतीय डाक कर्मचारी पोस्टमैन एमटीएस संघ का द्विवार्षिक अधिवेशन व चुनाव कार्यक्रम रुदावल वाले हनुमान जी के प्रांगण में शांतिपूर्ण व सर्वसम्मति से सम्पन्न हुआ। अधिवेशन में संघ के पदाधिकारियों का निर्वाचन सर्वसम्मति से किया गया। चुनाव में रोहित गुर्जर मानपुर को संघ का सचिव, बृजकिशोर को अध्यक्ष और मुकेश शर्मा को कोषाध्यक्ष चुना गया। इसके अतिरिक्त श्याम सिंह को कार्यकारी अध्यक्ष, अरुण को संगठन मंत्री व भूरेंद्र को सहायक सचिव मनोनीत किया गया। एक दो दिन में आगे की कार्यकारिणी विस्तार की जाएगी। अधिवेशन के मुख्य अतिथि सहायक परिमंडल सचिव हेमराज डाक अधिदर्शक डीग रहे। जबकि योगेन्द्र मीणा व पुष्पेंद्र पोसवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पोस्टमैन व एमटीएस कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं सेवा शर्तें, पदोन्नति, कार्यभार, भत्ते व अन्य लंबित मांगों पर विस्तार से चर्चा की गई। सभी पदाधिकारियों ने कर्मचारियों की जायज़ मांगों को उच्च स्तर तक पहुँचाने व शीघ्र समाधान का भरोसा दिलाया। सहायक परिमंडल सचिव हेमराज जी ने अपने संबोधन में कहा कि डाक विभाग के पोस्टमैन व कर्मचारी संगठन की रीढ़ हैं। उनकी समस्याओं के समाधान के लिए संघ की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। नवगठित कार्यकारिणी कर्मचारियों के हित में मजबूती से कार्य करेगी और परिमंडल स्तर पर हर जायज़ मांग को पूरी गंभीरता से रखा जाएगा। नवनिर्वाचित मंडल सचिव रोहित गुर्जर ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मुझे जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसे पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाऊँगा। पोस्टमैन और स्क्ष्स साथियों की समस्याओं के समाधान के लिए संगठन को और अधिक मजबूत किया जाएगा। शीघ्र ही कार्यकारिणी का विस्तार कर सभी को साथ लेकर संघर्ष और संवाद की नीति पर काम किया जाएगा। इस अवसर पर नव निर्वाचित कोषाध्यक्ष मुकेश शर्मा ने सभी आगंतुक अतिथियों का स्वागत सम्मान किया और कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर कपूर सिंह, राजकुमार, शिंभू सिंह, प्रवक्ता पुष्पेंद्र शर्मा, विजय सिंह मीणा, मयंक शर्मा, राजकुमार गुर्जर, रामरतन, सुधीर सहित बड़ी संख्या में संघ सदस्य उपस्थित रहे।

प्रवीण शर्मा का बसेड़ी आगमन पर लोगों ने किया भव्य स्वागत

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। जिले के छोटे से गाँव बांसरई का नाम अंतरराष्ट्रीय खेल मंच पर गर्व के साथ लिया जा रहा है। ग्राम बांसरई, जिला धौलपुर निवासी भारतीय पैरा एथलीट प्रवीण शर्मा ने एशियन यूथ पेरा गेम्स 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए देश का नाम रोशन किया। दुबई में आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में प्रवीण शर्मा ने शॉट पुट में स्वर्ण पदक, डिस्कस थ्रो में स्वर्ण पदक और जैवलिन थ्रो में कांस्य पदक जीतकर भारत के लिए ऐतिहासिक सफलता हासिल की। गाँव बांसरई की मिट्टी में पले-बढ़े प्रवीण की प्रतिभा को पहचानकर उनके दादा रामबाबू शर्मा ने बचपन से ही उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। कठिन परिस्थितियों में भी दादा का विश्वास कभी डगमगाया नहीं। परिवार का कहना है कि दादा रामबाबू शर्मा हमेशा कहते थे– 'मेरा पोता एक दिन देश के लिए खेलेगा।' और उनका वही सपना दुबई की धरती पर साकार हो गया। प्रवीण के पिता ब्रजेश शर्मा ने भी बेटे के खेल सफर में हर स्तर पर सहयोग दिया। अनुशासन, मेहनत और आत्मविश्वास की सीख देकर उन्होंने प्रवीण को इस मुकाम तक पहुँचाया। प्रवीण शर्मा की अंतरराष्ट्रीय सफलता में लह स्श्चश्ल्ह्ह्य स्पॉन्सरशिप संस्था की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण रही। संस्था के सहयोग से उन्हें उच्च स्तरीय प्रशिक्षण, आधुनिक उपकरण और बेहतर मार्गदर्शन मिला, जिससे वे एशियाई मंच पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सके।

प्रवीण शर्मा की यह जीत केवल पदकों की नहीं, बल्कि गाँव बांसरई, जिला धौलपुर और पूरे भारत के लिए गर्व का क्षण है। यह कहानी साबित करती है कि अगर दादा की दुआ, पिता का संघर्ष और सही सहयोग मिल जाए, तो गाँव का खिलाड़ी भी विश्व मंच पर तिरंगा लहरा सकता है। उनके बसेड़ी आगमन पर लोगों ने उनका फूल माला व साफा पहनाकर भव्य स्वागत किया। प्रवीण शर्मा ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता व परिवार, कोच शक्ति सिंह को दिया। उन्होंने युवाओं को प्रेरणा देते हुए कहा कि प्रत्येक परिवार में से एक युवा को स्पोर्ट में भाग लेना चाहिए।

राजस्थान शिक्षक संघ एकीकृत का दो दिवसीय राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मेलन का आयोजन

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। राजस्थान शिक्षक संघ एकीकृत का दो दिवसीय राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मेलन का लक्ष्मणगढ़ (अलवर) के आराध्य रिसॉर्ट में में समापन हो गया जिसमें मुख्य अतिथि अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ एकीकृत के प्रदेश अध्यक्ष गजेन्द्रसिंह राठौड़ ने कहा कि शिक्षकों की समस्या का समाधान करवाने को हमेशा शिक्षक संघ एकीकृत अग्रणी रहता है, कभी भी शिक्षकों का अहित नहीं होने देता है। उन्होंने कहा कि हमारा महासंघ एकीकृत हमेशा शिक्षकों का साथ देता रहेगा। वही प्रदेश अध्यक्ष डॉ रणजीत मीणा ने बताया कि सरकार के समक्ष शिक्षकों के मांग पत्र तैयार कर भेजने में पूरी पूरी टीम कोशिश करेगी। कार्यक्रम को गिरिराज शर्मा, चन्द्रभान चौधरी, सविता मीणा,ऋषिराज यादव, तेजकरण, महेश शेरावत, विकास शर्मा, जबर महल, बनवारी एचरा, राजवीर सिंह, मनोज पोसवाल, नरेंद्र कुमार, यशप्रकाश शर्मा,ने भी संबोधित किया। सम्मेलन संयोजक राधेश्याम कपासिया ने बताया कि सम्मेलन के समापन पर मांग पत्र तैयार किया जाएगा जिसका अनुमोदन करवाकर राज्य सरकार को मांग पत्र भेजा जाएगा। इस अवसर पर राकेश प्रजापति, चोलसिंह, त्रिलोक यादव, अशोक शर्मा, मधु यादव, रेनू बारेठ, अंजुबाला, जसवंत सिंह, राजन मीणा, मानसिंह चंदेला, सुरेन्द्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

नो रिफ्लेक्टर नो व्हीकल अभियान: रिफ्लेक्टर लगाए

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। राजस्थान सरकार की ओर से मनाए जा रहे सड़क सुरक्षा अभियान के अंतर्गत जिला परिवहन व सड़क सुरक्षा विभाग धौलपुर की ओर से एन एच ए आई दौसा के सहयोग से सैंपऊ व बाड़ी रोड़ पर रिफ्लेक्टर अभियान चलाया गया जिसमें वाहनों के पीछे रिफ्लेक्टर लगाए गए।

जिला परिवहन अधिकारी गौरव यादव ने बताया कि इन दिनों क्षेत्र में काफी कोहरा हो रहा है ऐसे में यदि वाहनों के पीछे रिफ्लेक्टर नहीं लगे हैं तो दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए जहां तक संभव हो दिन में सफर करें रात्रि के सफ़र से बचें और वाहनों में अनिवार्य रूप से रिफ्लेक्टर लगाए। उन्होंने कहा कि खासकर ट्रालियों के पीछे रिफ्लेक्टर लगा होना अनिवार्य है। परिवहन निरीक्षक श्रीकांत कुमावत ने बताया कि सड़क सुरक्षा अभियान के अंतर्गत नियमित रूप से रिफ्लेक्टर लगाए जा रहे हैं। यह अभियान जारी रहेगा वाहन चालक यातायात नियमों की पालना करें। चंद्रमल फाउंडेशन संस्था के अध्यक्ष राजवीर सिंह गुर्जर ने कहा कि हमारी संस्था की ओर से सड़क सुरक्षा अभियान के लिए हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि संस्था सामाजिक सरोकार के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान रखती है और आगे भी सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करेगी। यशवीर पोसवाल, अंकित अग्रवाल मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

2 वर्ष में नवलगढ़ विधानसभा क्षेत्र में हुए ऐतिहासिक विकास कार्य: विधायक जाखल

जयपुर टाइम्स

नवलगढ(निस)। राज्य सरकार के दो वर्ष के कार्यकाल पूर्ण होने के अवसर पर सुशासन पखवाड़ा के अंतर्गत नवलगढ़ विधानसभा क्षेत्र में विधायक विक्रम सिंह जाखल के नेतृत्व में गांव गांव में विकास यात्रा निकाली जा रही है। जिसके माध्यम से विक्रम सिंह जाखल जनसमूह को संबोधित करते हुए प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, विगत दो वर्षों में हुए ऐतिहासिक विकास कार्यों तथा विकास यात्रा की उपलब्धियों की विस्तार से जानकारी दे रहे है साथ ही आने वाले समय में विकास कार्यों के लिए जनता से सुझाव भी ले रहे है। विधायक विक्रम सिंह जाखल ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में भाजपा सरकार का प्रत्येक निर्णय आमजन के जीवन को सरल, सशक्त और समृद्ध बनाने की दिशा में समर्पित है। विधायक जाखल ने विशेष रूप से बताया कि ग्राम पंचायतो कोलसिया, बिरोल, सैनीनगर, ढाका की ढाणी, बाय में कुल 10 करोड़ 52 लाख के बजट से स्वीकृत कार्यों में सड़क, पेयजल, विद्युत, सार्वजनिक सुविधाओं एवं ग्रामीण आधारभूत ढांचे के सुदृढ़ीकरण से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं। उन्होंने मंच से इन विकास कार्यों का विस्तृत हिसाब आमजन के समक्ष प्रस्तुत किया, जो भाजपा सरकार की पारदर्शी एवं जवाबदेह कार्यशैली का प्रतीक है। इसके साथ ही विधायक विक्रम सिंह जाखल ने बिरोल में निकुदास जी महाराज के मंदिर से प्रकाश राहड के घर तक वाया गौशाला सड़क का शिलान्यास किया और ढाका की ढाणी के दुर्जनपुरा में उपस्वास्थ्य केंद्र की नींव रखी और विश्वास दिलाया कि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए नई योजनाओं को प्राथमिकता के साथ क्रियान्वित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक गांव और प्रत्येक परिवार तक विकास की रोशनी पहुंचाना उनका संकल्प है। कार्यक्रम के दौरान जनसंवाद के माध्यम से आमजन की समस्याओं और सुझावों को गंभीरता से सुना गया तथा उनके त्वरित समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। राज्य सरकार का यह प्रयास सेवा, सुशासन और गरीब-कल्याण की भावना को सशक्त करते हुए नवलगढ़ विधानसभा को विकास के पथ पर निरंतर अग्रसर करने का सशक्त उदाहरण है। इस अवसर पर विधानसभा प्रभारी विशम्भर पूनिया, विधानसभा संयोजक मंजू सैनी, मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र बाय, मंडल अध्यक्ष बाबूलाल सैनी, सुभाष लाम्बा चेलासी सरपंच प्रतिनिधि, जुगल सैनी पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष, राजकुमार सैनी नगरपालिका अध्यक्ष नवलगढ़ पूर्व सरपंच बहादुर सिंह , प्रहलाद शेखावत, नेकीराम पूनिया, अशोक गढ़वाल, श्रीराम जांगिड उपसरपंच, सूर्यप्रकाश शर्मा, रिचपाल पूनिया, महेन्द्र सैन सहित अन्य उपस्थित रहे।

शेखावाटी जयपुर टाइम्स

जयपुर, सोमवार
22 दिसम्बर, 2025

रक्तदान शिविर में युवाओं ने दिखाया उत्साह

जयपुर टाइम्स

राजलदेसर(निस)। कस्बे में स्व आशीष लिलडिया की प्रथम पुण्यतिथि पर आयोजित विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। लिलडिया परिवार की ओर से आयोजित रक्तदान शिविर गोगा भवन दिखनादा बास राजलदेसर में आयोजित किया गया। जिसमें प्रेमादेवी भरतिया ब्लड बैंक चुरू की ओर से रक्तदान लिया गया। सुबह 9 बजे से शाम 3 बजे तक युवाओं ने काफी उत्साह पुर्ण रक्तदान किया। शाम समापन समारोह का आयोजन किया गया जिसमें नगरपालिका अधिशाषी अधिकारी कुन्दन दैया, थानाधिकारी सुरेन्द्र बारूपाल, खेमराज पारीक, राजकुमार नाई,कमल लिलडिया, डाक्टर धनश्याम सैनी सहित मंचस्थ रहे। गोगा कमेटी अध्यक्ष पवन झेडू ने पधारे सभी अतिथियों का सम्मान किया गया। पधारे अतिथियों ने रक्तवीरो का प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया गया और आयोजन समिति के सदस्यों का मोमेटो, दुप्पटा पहनाकर स्वागत किया गया।डाक्टर घनश्याम सैनी ने बताया कि रक्तदान शिविर में 76 रक्तवीरो ने रक्तदान किया। गोपाल मारू ने पधारे सभी अतिथियों का शाब्दिक स्वागत किया। सभी रक्तवीरो का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में केसरी सेवा समिति, गोगा सेवा कमेटी के सदस्यों ने काफी सहयोग किया।

राकेश जांगिड़ ब्राह्मण महासभा के राजनीतिक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निस)। पूर्व विधानसभा प्रत्याशी एवं भाजपा नेता राकेश जांगिड़ को ब्राह्मण महासभा के राजनीतिक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया है। जानकारी के अनुसार अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा चूरू में हुए शपथ ग्रहण समारोह व सामाजिक सम्मेलन में राष्ट्रीय प्रधान रामपाल जांगिड़ ने राकेश जांगिड़ को महासभा के राजनीतिक प्रकोष्ठ का राष्ट्रीय अध्यक्ष पर नियुक्ति दी है। जांगिड़ के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने की खबर मिलते ही जांगिड़ के समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी। समर्थकों ने इस खुशी में पटाखे फोड़े, मिठाई खिलाई व एक दूसरे को बधाई दी। उधर सोशल मीडिया पर जांगिड़ को बधाई देने वालों का तांता लग गया। जांगिड़ ने कहा कि आप सब क्षेत्रवासियों के प्यार का कमाल है जो आज मेरे को ये पदवी मिली है।

लक्ष्मणगढ़ में जरूरतमंदों को बांटे गए कंबल

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निस)। लक्ष्मणगढ़ में एक सराहनीय सामाजिक पहल सामने आई है। मलमास के अवसर पर भगवा रक्षा वाहिनी की ओर से कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें जरूरतमंद लोगों को राहत पहुंचाई गई। कंबल वितरण लक्ष्मणगढ़ व आसपास के बाहरी इलाकों में रहने वाले गरीब और जरूरतमंद लोगों को किए गए। भगवा रक्षा वाहिनी के अध्यक्ष जयशंकर पुजारी ने बताया कि यह सेवा कार्य लक्ष्मणगढ़ नागरिक परिषद चैरिटेबल ट्रस्ट, सूरत के अध्यक्ष व समाजसेवी प्रभु दयाल काबरा की प्रेरणा, दानदाताओं के सहयोग से संपन्न हुआ। कंबल वितरण कार्यक्रम में भगवा रक्षा वाहिनी के संरक्षक सुरेश जाजोदिया, उपाध्यक्ष ताराचंद ठेकेदार, दीनदयाल पाराशर, दीपक कुमावत सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया और सेवा कार्य में सहयोग किया। जयशंकर पुजारी ने कहा कि भगवा रक्षा वाहिनी भविष्य में भी इसी प्रकार के सामाजिक और सेवा कार्य निरंतर जारी रखेगी, ताकि जरूरतमंदों की सहायता की जा सके।

पूनम प्रजापति चेयरपर्सन अवार्ड से सम्मानित

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निस)। महात्मा ज्योति राव फुले विश्वविद्यालय जयपुर का 10वें दीक्षांत समारोह रविवार को नॉलेज कैंपस अचरोल जयपुर में आयोजित समारोह में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन कंप्यूटर एप्लीकेशन में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर पूनम प्रजापत को यूनिवर्सिटी अध्यक्ष निर्मल पंवार ने चेयरपर्सन अवार्ड देकर सम्मानित किया। सम्मानित होने पर पूनम को शिक्षकों व समाज के प्रबुद्धजनों ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए बधाई दीं हैं।

नेत्रदान से दो नेत्रहीनों की जिंदगी में आएगी रोशनी

नेत्रदान के प्रति लोगों में बढ़ी हैं जागरुकता

सरदारशहर(निस)। तहसील के गांव उड़सर हाल भूरजी के कुएं के पास रहने वाली कान्तादेवी पत्नी सहीराम बिजारणियां का निधन शनिवार को सुबह होने पर उनके पति सहीराम बिजारणियां, पुत्र पीयूष बिजारणियां व जेठुते बीरबल राम की सहमति पर नेत्र संग्रह केन्द्र प्राणनाथ हॉस्पिटल सरदारशहर के तकनीशियन भंवरलाल प्रजापत ने उनके घर जाकर नेत्र संग्रह किया। आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान चूरू चैप्टर नेत्र संग्रह केन्द्र के समन्वयक गणेशदास स्वामी ने बताया कि परिजनों ने इस दुःख की घड़ी में भी परोपकार की सोचते हुए कान्तादेवी के नेत्रों का दान किया ताकि उनकी आंखों से कोई दो जरूरतमंद दुनियां देख सकें। कान्तादेवी के परिजनों का गाविमं के अध्यक्ष हिमांशु दूगड़, प्राणनाथ होस्पीटल के चैयरमैन शान्तिलाल चोरड़िया व राजस्थान राज्य थली प्रभारी लोकेश सेठिया ने आभार व्यक्त किया है।

अजमेर में सांसद खेल महोत्सव : जिला स्तरीय प्रतियोगिताएं, प्रधानमंत्री मोदी जुड़ेंगे वर्चुअल

जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में दिखेगी अजमेर की उभरती खेल प्रतिभा

जयपुर टाइम्स

अजमेर/किशनगढ़(निस)। सांसद खेल महोत्सव राष्ट्रीय कार्यक्रम 2025 के अंतर्गत अजमेर संसदीय क्षेत्र में 23 से 25 दिसंबर तक जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताओं का भव्य आयोजन किया जाएगा। ये प्रतियोगिताएँ पटेल स्टेडियम, अजमेर व चन्द्रवरदाई नगर खेल मैदान, अजमेर में आयोजित होंगी। इससे पूर्व संसदीय क्षेत्र के विभिन्न ब्लॉकों में आयोजित ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताएँ सफलतापूर्वक संपन्न हो चुकी हैं, जिनमें विजेता रहे खिलाड़ी अब जिला स्तर पर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। केंद्रीय कृषि व किसान कल्याण राज्य मंत्री तथा स्थानीय अजमेर सांसद भागीरथ चौधरी ने ब्लॉक स्तर पर आयोजित प्रतियोगिताओं में सहभागिता करने वाले सभी खिलाड़ियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सांसद खेल महोत्सव युवाओं की प्रतिभा को पहचान देने और उन्हें आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करने का सशक्त मंच है। उन्होंने जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए खेल भावना, अनुशासन और पूरे उत्साह के साथ प्रतियोगिताओं में भाग लेने का आह्वान किया। केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्पष्ट विज़न है कि ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों में छिपी प्रतिभाओं को उचित मंच मिले, ताकि संसाधनों और अवसरों के अभाव में कोई भी प्रतिभा पीछे न रह जाए। सांसद खेल महोत्सव इसी सोच का सशक्त उदाहरण है। इस मंच से निकलकर अनेक खिलाड़ी आज प्रदेश, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन कर रहे हैं, जो प्रधानमंत्री मोदी के युवा सशक्तिकरण और स्वस्थ भारत के संकल्प को साकार करता है।

दो स्थलों पर होंगे विविध खेल आयोजन:

सांसद खेल महोत्सव राष्ट्रीय कार्यक्रम 2025 के तहत 23 व 24 दिसंबर 2025 को चन्द्रवरदाई नगर खेल मैदान, अजमेर में क्रिकेट, वॉलीबॉल, हॉकी व खो-खो प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। 23 से 25 दिसंबर 2025 तक पटेल स्टेडियम, अजमेर में बास्केटबॉल, कबड्डी, रस्साकशी, टेबल टेनिस, एथलेटिक्स (100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, शॉट पुट, लंबी कूद), बैडमिंटन, कुश्ती, कराटे एवं स्केटिंग प्रतियोगिताएँ आयोजित होंगी।

25 दिसंबर को होगा भव्य समापन :

सांसद खेल महोत्सव 2025 का भव्य समापन 25 दिसंबर को होगा। समापन समारोह के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करेंगे, जो प्रतिभागियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा।

क्षेत्र को नई पहचान देंगी खेल प्रतिभाएँ:

केंद्रीय मंत्री व अजमेर सांसद भागीरथ चौधरी ने कहा कि यह जिला स्तरीय सांसद खेल महोत्सव अजमेर संसदीय क्षेत्र की उभरती खेल प्रतिभाओं को नई पहचान देगा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वस्थ, सशक्त व आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मजबूती प्रदान करेगा।

कलश यात्रा के साथ श्रीराम कथा का शुभारंभ

लजयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के कंदोई बगीची में परसराम भंवरलाल कंदोई परिवार की ओर से आयोजित श्रीराम कथा का शुभारंभ रविवार को भव्य कलश यात्रा के साथ किया गया। धार्मिक उल्लास और श्रद्धा से ओतप्रोत कलश यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। कलश यात्रा राजवाला कुएं स्थित शिवालय से गाजे-बाजे के साथ प्रारंभ होकर गांधी चौक, घंटाघर व मूणती कुई होते हुए कथा स्थल पहुंची। जहां विधिवत कलश स्थापना की गई। रथ में श्रीराम कथा वाचक आचार्य पं. बालकृष्ण कौशिक विराजमान रहे। कलश यात्रा में शामिल मनमोहक व आकर्षक झांकियां श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। महिलाएं सिर पर कलश धारण कर भजन-कीर्तन करती हुई चल रही थी। वहीं कीर्तन मंडलियां हरे रामा हरे कृष्णा के मधुर संकीर्तन से वातावरण को भक्तिमय बना रही थी। ऋषि कुल ब्रह्मचर्य के बटुक आकर्षक का केंद्र रहे। स्काउट गाइड सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों का कलशयात्रा में विशेष सहयोग रहा। यात्रा मार्ग पर श्रद्धालुओं व सामाजिक संगठनों की ओर से जगह-जगह पुष्प वर्षा कर कलश यात्रा का भव्य स्वागत किया गया तथा पेय पदार्थों की व्यवस्था भी की गई। कलश यात्रा में सभापति राजकरण चौधरी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष मधुसूदन राजपुरोहित, नरेश कंदोई, नीरज कंदोई, हनुमानमल कंदोई, गौरीशंकर कंदोई, शिवरतन कदोई, बनवारी लाल जांगीड़, मनोज भालेरी वाला, बाबू शिवरतन कंदोई, पवन पोद्दार, संजय कंदोई, संदीप कंदोई, ललित जैसनसरिया, अजीत कंदोई, रौनक कंदोई, सोहनलाल पारीक, गिरीश लाटा, किशोर मित्तल, मधूसुदन सर्राफ, संतोष सर्राफ, लक्ष्मीपत रातुसरिया, विश्वनाथ रातूसरिया, रवि बायंवाला, शिवरतन सर्राफ, किशोर भारद्वाज, अशोक व्यास, रामोतार चौधरी, नवल जैसनसरिया, पवन लीला, मुखराम नाथोलिया, विनोद उडसरीया, मयंक मोदी, लोकेश सेठीया, दयानंद कंदोई, लालबहादुर सेवदा, सुनील मिश्रा, राजेश सर्राफ, राजकुमार पारीक, तेजकरण चौधरी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। टाउन हॉल में अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा जिला सभा चूरू की ओर से महासभा की जिला कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह व जांगिड़ समाज सम्मेलन हुआ। कार्यक्रम में महासभा के 171 पदाधिकारियों शपथ ग्रहण की और समाज के पदाधिकारियों ने समाज उत्थान के मुद्दों पर अपने विचार व्यक्त किए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड के अध्यक्ष रामगोपाल सुथार रहे। वहीं महासभा राष्ट्रीय प्रधान रामपाल शर्मा, प्रदेशाध्यक्ष घनश्याम पंवार, राष्ट्रीय महामंत्री सांवरमल जांगिड़, भाजपा जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा, भाजपा नेता राकेश जांगिड़ आदि विशिष्ट अतिथि रहे। विश्वकर्मा मंदिर प्रबंध समिति अध्यक्ष झूमरमल राजोतिया, श्रीप्रकाश राजोतिया, चंपालाल रोलीवाल मंचस्थ रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महासभा जिलाध्यक्ष नीरज रोलीवाल ने की। जिला सभा के पदाधिकारियों ने अतिथियों का माल्यार्पण कर व प्रतीक चिन्ह देकर स्वागत किया। इस अवसर पर चूरू तहसील अध्यक्ष ओमप्रकाश सुजानगढ़, तहसील अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार बीदासर, तहसील अध्यक्ष मांगीलाल, रतनगढ़ तहसील अध्यक्ष बनवारी लाल, राजलदेसर तहसील अध्यक्ष सांवरमल, सरदारशहर तहसील अध्यक्ष रमेश कुमार, तारानगर तहसील अध्यक्ष विनोद कुमार, राजगढ़ तहसील अध्यक्ष सुनील कुमार, सिधमुख तहसील अध्यक्ष डॉ रामेश्वर लाल, बनीपुर तहसील अध्यक्ष चंद्रमल माकड़ आदि का सम्मान किया गया। इस अवसर पर बनवारी लाल बड़वा, उम्मीद कुमार रोलीवाल, रामनिवास जांगिड़, हरिकिशन जांगिड़, नरोत्तम लाल जांगिड़, लालचंद जांगिड़, हनुमान प्रसाद जांगिड़, बजरंग लाल जांगिड़, शंकर लाल, मनीष जांगिड़, अशोक जांगिड़, पवन जांगिड़, राकेश जांगिड़, कुलदीप जांगिड, विकास जांगिड़, नरेश जांगिड़, अजय कुमार, श्रवण कुमार, गौरव, दीपक जांगिड़, संजय जांगिड़ सहित अनेक महिलाएं व पुरुष उपस्थित रहे। संचालन कल्पना जांगिड़ व डॉ बैजूराम राजोतिया ने किया।

शैक्षणिक भ्रमण से विद्यार्थियों को मिली समृद्ध विरासत की जानकारी

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। स्थानीय नया बास स्थित दयानंद विद्या विहार स्कूल के विद्यार्थियों के दल ने जयपुर जाकर शैक्षणिक भ्रमण किया और विभिन्न प्रकार की ऐतिहासिक जानकारी हासिल की। संस्था प्रधानाचार्या सुनीता अग्रवाल ने बताया कि विद्यालय के कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए यह भ्रमण रखा गया, जिसके तहत प्रदेश की राजधानी जयपुर के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक व शैक्षणिक महत्व के प्रमुख स्थलों का भ्रमण कराया गया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने नाहरगढ़ बायोलॉजिकल एवं जूलॉजिकल पार्क, आमेर किला, जल महल, हवा महल, अल्बर्ट हॉल संग्रहालय, रामनिवास गार्डन, बिरला मंदिर, वर्ल्ड ट्रेड पार्क तथा सिटी पार्क जैसे प्रमुख स्थलों का अवलोकन किया। इस शैक्षणिक यात्रा से विद्यार्थियों को इतिहास, संस्कृति, वास्तुकला व पर्यावरण से संबंधित व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त हुआ। विद्यालय की प्रधानाचार्या सुनीता अग्रवाल ने बताया कि ऐसे शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं तथा पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ वास्तविक अनुभव प्राप्त होता है। भ्रमण के दौरान सभी विद्यार्थियों में उत्साह व अनुशासन देखने को मिला। यह यात्रा विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक व स्मरणीय रही। इस दौरान संस्था के अध्यापक कविता, अनस, दीपिका आदि भी विद्यार्थियों के साथ में मौजूद रहे।

अभिभावक प्रतियोगिता का आयोजन

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। श्री गांधी बाल निकेतन रतनगढ़ में अभिभावक प्रतियोगिता का आयोजन रविवार को श्री गांधी बाल निकेतन रतनगढ़ में अभिभावकों की सहभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अभिभावक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के सैंकड़ों अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मुख्य अतिथि विजेता जांगिड़, विशिष्ठ अतिथि मिनाक्षी उपाध्याय, प्रधानाचार्या उषा मिश्रा, दीपिका शर्मा व मुक्ता कौशिक ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। मुख्य अतिथि विजेता जांगिड़ ने अपने उद्बोधन में कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यालय और अभिभावकों के बीच आपसी सहयोग बढ़ता है और बच्चों के सर्वांगीण विकास में सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। कार्यक्रम संयोजक प्रियंका प्रजापत ने बताया कि अभिभावकों के लिए सामान्य ज्ञान, मटका फोड़, कुर्सी दौड़, नृत्य, गायन, चम्मच दौड़, रंगोली व मेहन्दी जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसके विजेता अभिभावकों को निकेतन के वार्षिकोत्सव में पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। प्रधानाचार्या उषा मिश्रा ने प्रतिभागियों को भाग लेने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में नेहा ठठेरा, देवेन मिश्रा, जय बदरा, रूचिता ओझा, नंदिनी मिश्रा, संदीप शर्मा, प्रेरणा त्रिवेदी, संगीता शर्मा, अनिता गहलोत, ममता सैन, प्रियंका खण्डेलवाल, मिताली वर्मा, आरती महर्षि व कोमल पोद्दार ने प्रतियोगिताओं हेतु रजिस्ट्रेशन में सहयोग किया।

गौड़ ब्राह्मण महासभा का प्रतिभा सम्मान समारोह, 140 प्रतिभाओं का सम्मान

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। गौड़ ब्राह्मण महासभा राजस्थान चूरू का दादा बाड़ी में प्रतिभा सम्मान समारोह संत दण्डी स्वामी जोगेन्द्राश्रम महाराज, भद्रकाली शक्तिपीठ, राजलदेसर के सानिध्य में आयोजित किया गया। सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि गौड़ ब्राह्मण महासभा राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष विजय हरितवाल रहे, जबकि अध्यक्षता महासभा चूरू के जिलाध्यक्ष सुधाकर सहल ने की। कार्यक्रम के विशिष्ठ अतिथि उपाध्यक्ष विजय बासोतिया, कुलपतिश्री कल्लाजी वैदिक विश्वविद्यालय, निंबाहेड़ा प्रोफेसर महेश दीक्षित, डॉ मंजु शर्मा प्रिंसिपल राजकीय लोहिया महाविद्यालय, चूरू महामंत्री राम स्वरूप जोशी, युवा प्रकोष्ठ प्रदेशाध्यक्ष पंकज पचलंगिया रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

जिलाध्यक्ष सुधाकर सहल के नेतृत्व में महासभा के वैध बनवारी लाल शर्मा, विश्वनाथ शर्मा राजगुरू, हुकमीचंद गौड़, बाबूलाल शर्मा, मुरारीलाल इंदोरिया, कैप्टन के के शर्मा, सूर्यप्रकास त्रिवेदी, डॉ सुरेन्द्र शर्मा, एडवोकेट योगेश शर्मा, नरेंद्र लाटा, दामोदर गोतम, श्याम सुंदर शर्मा, बाल किशन बावलियां, नवरतन शर्मा, विजय शर्मा पूर्व सभापति, एडवोकेट नरेंद्र शर्मा, मनीष शर्मा, नवीन शर्मा, देवकांत शर्मा, पुनित लाटा,विनय गोतम, रमेश वशिष्ठ, पंकज मिश्रा, दिनेश बावलिया, बाबू पाटिल, सुरेन्द्र बावलिया, परमानंद शर्मा, योगेश गोग्यांन, योगेश गौड़, राजेश गौड़, रामवतार शर्मा, रमेश शर्मा, सुशील गोगयान, राधेश्याम शर्मा, ओम प्रकाश मोटेका, मनोज शर्मा, संदीप पाटिल, कालू राम महर्षि, डॉ रवि कांत शर्मा, दिनेश धरड़, महेश गोग्यान, प्रमोद मिश्रा, महेश हारित, रवि शर्मा, मनमोहन महर्षि, सुदर्शन चुलेट,मोहन लाल शर्मा, राम रतन पुरोहित, केलाश शर्मा, सुदर्शनन भेड़ा, सुशील शर्मा, प्रेम प्रकाश वशिष्ठ, गिरधारी लाल हारित वाल, अंजनी शर्मा, नीरज शर्मा, वैध सुरेश शर्मा, संदीप शर्मा महेश मिश्रा आदि पदाधिकारियो की ओर से आए अतिथियों का माला, शाल व साफा पहनाकर व प्रतिक चिन्ह देकर स्वागत किया। इस अवसर पर संत दंडी स्वामी ने कहा कि हम जिस भूमि पर निवास कर रहे हैं उस भूमि पर अनेक ब्राह्मण महापुरुषों ने जन्म लिया है, जो हमारे लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि ब्राह्मण को शस्त्र नही बल्कि शास्त्र का अनुसरण करना चाहिए जिससे विश्व का कल्याण हो। इस अवसर पर गौड़ ब्राह्मण महासभा राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष विजय हरितवाल ने समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि ब्रह्मण मजबूत है वह कही से भी कमज़ोर नही है अपने आप में ब्राह्मण को मजबूत बनाना होगा। इस अवसर पर विजय बसोतिया, पंकज पंचलंगिया, कुलपति प्रो शर्मा, प्राचार्य मंजू शर्मा ने विचार व्यक्त कर समाज को संगठित होने का आहवान किया साथ ही सम्मानित होने वाले सभी प्रतिभाओं को बधाई दी। स्वागत भाषण जिलाध्यक्ष सुधाकर सहल ने दिया जबकि संरक्षक डॉ सुरेन्द्र शर्मा ने आने वाले सभी अतिथियों का आभार जताया। कार्यक्रम का संचालन डॉ मनोज योगाचार्य व विनीता शर्मा ने किया।

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर में मुद्रित एवं सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर -302013 से प्रकाशित।
सम्पादक : नीतू चौधरी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।